हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | रायपुर, मंगलवार 9 जून 2026

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

जिनके जीवन का हर पल, सेवा और राष्ट्रहित के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है,
जिनके लिए जनकल्याण ही जीवन साधना है, ऐसे **सेवा-व्रती नरेन्द्र मोदी जी** के नेतृत्व में
भारत की निरंतर प्रगति का साक्षी पूरा देश कह रहा है...

12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के

गरीब कल्याण

- **81+ करोड़** लोगों को प्रतिमाह **मुफ्त राशन**
- **4+ करोड़ पीएम आवास, 10.5+ करोड़ उज्ज्वला गैस कनेक्शन** और **12+ करोड़ शौचालय** से जीवन हुआ आसान

युवा शक्ति

- लगभग **2 करोड़** युवाओं को **स्किल ट्रेनिंग**
- **₹40 लाख करोड़** के **मुद्रा लोन**
- देशभर में **2.2 लाख स्टार्टअप्स**
- **10,000+ अटल टिंकरिंग लैब्स** से नवाचार को बढ़ावा

किसान कल्याण

- **₹4.3 लाख करोड़** की पीएम किसान सम्मान निधि
- **4+ करोड़** किसानों को **₹2 लाख करोड़** का **फसल बीमा**
- **₹26+ लाख करोड़** की फसल खरीद **MSP** पर
- **8 करोड़** किसानों को **किसान क्रेडिट कार्ड**

नारी शक्ति

- **32+ करोड़** महिलाओं के **जन-धन खाते** खुले
- सेना में महिलाओं को मिला **स्थायी कमीशन**
- **3+ करोड़ लखपति दीदी**
- **10 करोड़** ग्रामीण महिलाएं **91+ लाख सेल्फ हेल्प ग्रुप** के माध्यम से सशक्त

स्वास्थ्य

- **70+** के बुजुर्गों को भी **₹5 लाख** का **मुफ्त उपचार**
- **60+ करोड़** लोगों को **आयुष्मान भारत** की सुरक्षा
- देशभर में **19,000+ जन-औषधि केंद्रों** पर **90%** तक सस्ती दवाएं

मिडिल क्लास

- **₹12.75 लाख** तक की वार्षिक आय **टैक्स फ्री**
- **UDAN** योजना के तहत **1.6+ करोड़** यात्रियों ने की किफ़ायती हवाई यात्रा
- **एमबीबीएस** सीटों की संख्या 151% बढ़कर करीब **1.3 लाख** हुई

राष्ट्र निर्माण

- **26** शहरों में फैला **1,100+ किमी** का **मेट्रो नेटवर्क**
- देशभर में दौड़ रहीं **164 वंदे भारत ट्रेनें**
- अटल सेतु, सुदर्शन सेतु, चिनाब रेल ब्रिज, बोगीबील ब्रिज, पंबन समुद्री पुल जैसे **बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण**
- **एयरपोर्ट्स** की संख्या 74 से बढ़कर **164** हुई

राष्ट्र प्रथम

- करीब **₹38,400 करोड़** का रिकॉर्ड **डिफेंस एक्सपोर्ट**
- **नक्सलमुक्त भारत** का सपना साकार, आतंकवाद पर हो रहा **कड़ा प्रहार**
- गुलामी की मानसिकता से मुक्ति - राजपथ बना **कर्तव्य पथ**, **छत्रपति शिवाजी महाराज की मुद्रा** से प्रेरित **नौसेना का नया ध्वज**

विरासत और विकास

- अयोध्या में **भव्य राम मंदिर** का निर्माण
- काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल महालोक और केदारनाथ धाम का **कायाकल्प**

CBC 46101/13/0005/2627

छत्तीसगढ़ शासन
विष्णु के सुशासन में
महिला सशक्तीकरण
महिला शक्ति को सम्मान
69 लाख से अधिक महिलाओं को महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह ₹1000 की सहायता
प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना के अंतर्गत 4.81 लाख महिलाओं को ₹237 करोड़ की सहायता
19 लाख से अधिक महिलाओं को पूरक पोषण आहार की सुनिश्चितता
महिला सुरक्षा के लिए सखी वन स्टॉप सेंटर और महिला हेल्पलाइन 181 की स्थापना
महिलाओं को रोजगार मूलक कार्यों के जरिए स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने के लिए पंचायत स्तर पर 179 महतारी सदनों का निर्माण
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री
हमसे जुड़ने के लिए
QR स्कैन करें
छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
/ChhattisgarhCMO
/DPRChhattisgarh
www.dprcg.gov.in
सुशासन से समृद्धि की ओर

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, मंगलवार 9 जून 2026

माह भर से ज्यादा चला तिहार, बालोद में आए सबसे ज्यादा आवेदन, शिकायतों में शीर्ष पर दुर्ग

सुशासन तिहार का आखिरी पड़ाव, कल दिल्ली जाएंगे सीएम, इसलिए उनके अभियान का एक दिन पहले समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में 1 मई से शुरू हुआ सुशासन तिहार समापन की ओर है। अभियान 10 तारीख तक चलना है, लेकिन उस दिन श्री साय दिल्ली जा रहे हैं, इसलिए उनके गांवों में अचानक उतरने के अभियान का 9 को ही समापन हो जाएगा। ▶▶|शेष पेज 5 पर

सबसे कम आवेदन वाले जिले

नारायणपुर में सबसे कम 2,657 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इसके बाद बीजापुर (3,797), बस्तर (3,884), कोरिया (5,398) और दंतेवाड़ा (5,860) का स्थान है।ग्रामीण क्षेत्रों से आया अधिक रिस्पांसआंकड़े बताते हैं कि सुशासन तिहार मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों का अभियान बनकर उभरा है। कुल आवेदनों में लगभग 85 प्रतिशत हिस्सेदारी ग्रामीण क्षेत्रों की रही। इससे संकेत मिलता है कि ग्रामीण नागरिकों ने अपनी मांगों और समस्याओं को शासन तक पहुंचाने के लिए इस मंच का व्यापक उपयोग किया।

बालोद में 43,221 आवेदन

जिला-वार आंकड़ों के अनुसार बालोद में सबसे अधिक 43,221 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें 42,108 मांगें और 1,113 शिकायतें शामिल हैं। इसके बाद बलौदा बाजार-भाटापारा में 37,139, महासमुंद में 36,232, कोरबा में 33,850 और रायपुर में 32,051 आवेदन दर्ज किए गए हैं।मांगों के मामलों में भी बालोद अव्वलमांगों की संख्या के आधार पर भी बालोद राज्य में पहले स्थान पर है। यहां 42,108 मांगें दर्ज हुई हैं। इसके बाद बलौदा बाजार-भाटापारा में 35,874, महासमुंद में 35,136, कोरबा में 32,716 और रायपुर में 29,350 मांगें प्राप्त हुई हैं।

शिकायतों में दुर्ग सबसे ऊपर

शिकायतों के मामलों में दुर्ग जिला सबसे ऊपर है। यहां कुल 2,716 शिकायतें दर्ज की गई हैं। दूसरे स्थान पर रायपुर है, जहां 2,701 शिकायतें प्राप्त हुईं। इसके बाद बेमेतरा (1,510), बलौदा बाजार-भाटापारा (1,265) और जांजगीर-चांपा (1,258) का स्थान है।दुर्ग की विशेषता यह है कि यहां शहरी क्षेत्रों से शिकायतों की संख्या काफी अधिक रही। जिले में 2,435 शहरी शिकायतें दर्ज हुईं, जो राज्य के किसी भी जिले में सबसे ज्यादा हैं।

भारत भाग्य विधाता की स्क्रीनिंग में पहुंची अभिनेत्री कंगना, सीएम साय के साथ देखी फिल्म

मुंबई हमले में नर्सों के साहस पर आधारित फिल्म भारत भाग्य विधाता की पहली स्क्रीनिंग रायपुर के जोरा स्थित मॉल में आयोजित किया गया। इसमें शामिल होने बॉलीवुड फिल्म अभिनेत्री कंगना रानौत सोमवार को रायपुर पहुंची। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय व विधायक समेत मंत्रियों ने भी एक साथ भारत भाग्य विधाता फिल्म देखी। स्क्रीनिंग से पहले विभिन्न हादसों में साहस का परिचय दिखाते हुए दूसरों की जान बचाने वाले लोगों का भी सम्मान किया गया। बता दें कि निर्देशक और लेखक मनोज तापड़िया का छग से पुराना जुड़ाव है, उनकी इच्छा पर बॉलीवुड फिल्म की पहली बार रायपुर में स्क्रीनिंग रखी गई।

स्क्रीनिंग में रायपुर के नर्सों ने भी देखी मुंबई हमले के बहादुर नर्सों की कहानी

खबर संक्षेप

मादक पदार्थ तस्करी मामले में ईडी के छापे

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने 142 करोड़ रुपए के मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के तहत सोमवार को मिजोरम, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में कई स्थानों पर छापे मारे। जिन परिसरों पर छापे मारे गए वे भारत-म्यांमा अंतरराष्ट्रीय सीमा और भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट स्थित हैं।

गीजरों में छिपाकर रखा था 5.38 करोड़ का गांजा

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कुआलालंपुर से आने वाले यात्रियों द्वारा लाए गए दो गीजरों के अंदर छिपाकर रखे गए लगभग 5.38 करोड़ रुपए मूल्य के 15.38 किलोग्राम संदिग्ध हाइड्रोपोनिक गांजे को जब्त किया गया। विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर सात जून को ग्रीन चैनल पार करने के बाद दोनों यात्रियों को रोका गया।

सीएम माझी के हेलीकॉप्टर की पुरी में आपात लैंडिंग

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के हेलीकॉप्टर को सोमवार शाम खराब मौसम के कारण पुरी में आपात स्थिति में उतारा गया। माझी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मुकेश महालिंग के साथ मयूरभंज जिले के बारीपाड़ा में एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद भुवनेश्वर लौट रहे थे।

टीएमसी में अंदरूनी कलह अब खुलकर सामने आई

ममता को बड़ा झटका, टीएमसी के 20 सांसदों की स्पीकर को चिट्ठी, एनडीए को किया समर्थन

पश्चिम बंगाल विस चुनाव में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस पर मंडरा रहा राजनीतिक संकट अब और गहरा होता दिखाई दे रहा है। पहले पार्टी के भीतर विधायकों की बगावत और अब संसद में सांसदों के असंतोष ने ममता बनर्जी के नेतृत्व के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है। करीब 20 सांसदों ने केंद्र में सत्तारूढ़ एनडीए को समर्थन करने का फैसला किया है। इस खबर के बाद बंगाल से लेकर दिल्ली तक की राजनीति में हलचल मच गई है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस की वरिष्ठ सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने दावा किया कि पार्टी के करीब 20 सांसदों ने केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का समर्थन करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि 20 सांसदों के हस्ताक्षर वाला एक पत्र लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को भेजा गया है, जिसमें एनडीए के साथ गठबंधन करने की इच्छा जताई गई है। इसी के साथ पार्टी की संसदीय इकाई में फूट सार्वजनिक ▶▶|शेष पेज 5 पर

अलग जगह देने लोकसभा स्पीकर को लिखा पत्र

टीएमसी के बागी सांसदों ने लोकसभा में अलग बैठने की व्यवस्था के लिए भी लोकसभा के स्पीकर को पत्र लिखा है। शुभेंदु अधिकारी से मिलने वाले सांसदों में काकोली दस्तीदार, पार्थ भौमिक, जगदीश बसुनिया, देव, शताब्दी रॉय, रचना बनर्जी, कालिपदा सोरेन, अरूप चक्रवर्ती, असित मल, शत्रुघ्न सिन्हा, प्रसुन बनर्जी, प्रतिमा मोंडल और बापा हलीदार शामिल हैं।

एनडीए को समर्थन करते हुए अलग गुट

बागी सांसदों से जुड़े सूत्रों ने बताया कि बगावत करने वाले लोकसभा सदस्यों ने तत्काल तृणमूल कांग्रेस से इस्तीफा देने या भाजपा में शामिल होने का विकल्प नहीं चुना है। इसके बजाय, वे राजग का समर्थन करते हुए एक अलग संसदीय गुट के रूप में कार्य करेंगे। यह रणनीति दलबदल विरोधी कानून के तहत सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है। यह गणित राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

प्रत्येक मृतक के लिए पांच-पांच वर्ष कैद

नशे में कार चलाकर चार की जान ली, 20 साल का सश्रम कारावास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पेंड्रा

द्वितीय अपर सत्र न्यायालय की न्यायाधीश श्रीमती ज्योति अग्रवाल ने शराब के नशे में लापरवाही से कार चलाकर चार लोगों की जान लेने वाले आरोपी स्नेहिल गुप्ता को भारतीय न्याय संहिता की धारा 106 के तहत दोषी पाते हुए सजा का फैसला सुनाया है। अदालत ने आरोपी को प्रत्येक मृतक के लिए पृथक-पृथक 5-5 वर्ष यानी कुल 20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है।

आरोपी जानता था, हो सकती गंभीर दुर्घटना

न्यायालय ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह पाया कि आरोपी स्नेहिल गुप्ता भली-भांति जानता था कि शराब के नशे में तेज गाड़ी चलाने से गंभीर दुर्घटना हो सकती है। इसके बावजूद उसने घोर लापरवाही और उपेक्षापूर्वक वाहन चलाया, जिससे चार मासूम लोगों की जान चली गई। अदालत ने टिप्पणी की कि ऐसी स्थिति में आरोपी को न्यूनतम दंड दिया जाना कानूनन और सामाजिक दृष्टिकोण से कतई उचित नहीं है।

10.5 करोड़ लोगों को झटका

उज्ज्वला में अब मिलेंगे सब्सिडी वाले 4 सिलेंडर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सरकार ने 'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' (पीएमयूवाई) के तहत सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर की वार्षिक सीमा नौ से घटाकर चार कर दी है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने सोमवार को कहा कि यह बदलाव औसत घरेलू खपत को ध्यान में रखते हुए किया गया है। वर्ष 2016 में शुरू हुई इस योजना के तहत पहले लाभार्थियों को साल में 14.2 किलोग्राम के 12 सिलेंडर सब्सिडी पर मिलते थे।

पश्चिम एशिया संकट

पश्चिम एशिया संकट के दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और एलपीजी की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव देखा गया है। पेट्रोलियम कंपनियों को एलपीजी बिक्री पर प्रति सिलेंडर लगभग 700 रुपए का नुकसान हो रहा है। इसके अलावा पेट्रोल और डीजल की बिक्री में भी कंपनियों को लागत से कम कीमत पर बिक्री के कारण नुकसान उठाना पड़ रहा है।

दुबई में सड़क हादसा

ट्रक से टकराई बस, सात भारतीय मजदूरों की मौत

भारतीय वाणिज्य दूतावास ने जताया शोक

एजेंसी ▶▶| दुबई

संयुक्त अरब अमीरात के दुबई शहर में सोमवार को बीच सड़क पर अचानक ट्रक के खड़े होने से पीछे आ रही मिनीबस उससे टकरा गई। इस हादसे में करीब सात भारतीय मजदूरों की मौत हो गई। दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने ने कहा, दुर्घटना से हम बेहद दुखी हैं।

भारतीयों को बड़ी राहत

एच-1 बी वीजा पर 1 लाख डॉलर फीस को किया रद्द

अमेरिकी अदालत ने बताया फीस को गैरकानूनी

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एच-1बी वीजा नीति को लेकर बड़ा झटका लगा है। एक संघीय अदालत ने नए एच-1बी वीजा आवेदनों पर लगाए गए 1 लाख डॉलर (करीब 83 लाख रुपए) के अतिरिक्त शुल्क को गैरकानूनी करार दिया है।

अमेरिकी हमले के कयास

ऑयल टैंकर में आग, जहाज से 24 भारतीयों को निकाला

ओमान के दुक्म बंदरगाह की ओर जाते समय की घटना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

होर्मुज जलडमरूमध्य के पास तेल ट्रैंकर में आग लगने के बाद उस पर सवार सभी 24 भारतीय क्रू सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। बताया जा रहा है कि यह घटना तब हुई जब टैंकर रणनीतिक रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य के पास के पानी में चल रहा था।

हरिभूमि ने इस मामले को प्रमुखता से प्रकाशित किया था

फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनवाकर दो सौ से अधिक लोग कर रहे नौकरी, हाईकोर्ट ने लिया संज्ञान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

हरिभूमि फॉलोअप

अनुसूचित जनजाति वर्ग के फर्जी जाति प्रमाण पत्र के सहारे दर्जनों फर्जी लोगों ने सरकारी नौकरी हथिया ली है। इस तरह से 250 से अधिक फर्जी प्रमाण पत्र बनवा लिए गए हैं। स्कूल रिकॉर्ड जिसे कि दाखिल खारिज कहा जाता है में सफेदा लगाकर ढीमर को बैगा अंकित किया जा रहा है और नए एडमिशन ▶▶|शेष पेज 5 पर

स्कूली रिकार्ड में सफेदा लगाकर बन गए बैगा, निवास इमलीपारा लिख दिया

ग्राम पंचायत से प्रस्ताव पास कराने का खेल

उपलब्ध दस्तावेजों पर नजर डालें तो पता चलता है कि बिलासपुर में जितना भी जाति प्रमाण पत्र बना है उसमें से अधिकांश अस्थायी तौर पर बना था। इसमें भी फर्जी सील और साइन किया गया है। ऐसे लोगों द्वारा राज्य के विभिन्न जिलों व विकासखण्ड़ों में सरकारी नौकरी की जा रही है। इन फर्जी बैगाओं द्वारा अधिकारियों के साथ मिल-जुलकर अपने ग्राम पंचायत द्वारा प्रस्ताव करा कर फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनवाया गया है। इन सभी का ▶▶| शेष पेज 5 पर

दाखिल-खारिज और निर्वाचन कागजातों में हेरफेर

ध्यान रहे कि इन फर्जी लोगों के राजस्व अभिलेख, स्कूल रिकॉर्ड, दाखिल-खारिज और निर्वाचन कागजातों में ढीमर ओबीसी जाति है। कई मामलों में पिता की जाति ढीमर है, जबकि बेटे का प्रमाण पत्र बैगा के नाम पर जारी हुआ है। कुछ शिकायतों में पत्नी एसटी और पति ओबीसी दर्ज होने जैसी विसंगतियां भी हैं। खास बात कि जितना भी जाति प्रमाण पत्र बना है वह सब 2015 के पहले का है और निवास ▶▶| शेष पेज 5 पर

7.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप

फिलीपीन में डोली धरती, 32 की मौत

एजेंसी ▶▶| मनीला

दक्षिणी फिलीपीन में सोमवार सुबह 7.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया जिसमें कम से कम 32 लोगों की मौत हो गई और 200 से अधिक लोग घायल हो गए। जभूकंप के कारण समुद्र में सुनामी की तीन फुट ऊंची लहरें भी उठीं। जनरल सैंटोस शहर में कुछ इमारतें ढह गईं और प्रमुख बुनियादी ढांचे को भूकंप से नुकसान पहुंचा। वहीं, समुद्र तट से सटे गांव में नुकसान पहुंचा। यह भूकंप इतना ताकतवर था कि आसपास के देशों में भी सुनामी का अलर्ट जारी करना पड़ा और पूरे इलाके में दहशत फैल गई। फिलीपींस के भूकंप और ज्वालामुखी विज्ञान संस्थान ने बताया कि भूकंप जनरल सैंटोस शहर के पास समुद्र के किनारे आया। भूकंप स्थानीय समय के अनुसार सुबह लगभग 7:37 बजे आया और इसकी गहराई लगभग 35 किलोमीटर थी।

एकजुटता से खड़ा है भारत : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिलीपीन में आए भूकंप से हुई जानमाल की हानि और तबाही पर सोमवार को शोक व्यक्त करते हुए कहा कि भारत मुश्किल के इस समय में फिलीपीन के लोगों और सरकार के साथ एकजुटता से खड़ा है।

ताश के पत्तों की तरह गिरे मकान

फिलीपींस में भीषण भूकंप, जान-ओ-माल का भारी नुकसान | कुछ ही सेकंड में तबाह हुए मकान

खबर संक्षेप

बंगाल में सीबीआई को मिली जांच की खुली छूट!

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने 8 जून 2026 को जारी अधिसूचना के माध्यम से केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई को राज्य में जांच करने की सीमित मंजूरी दे दी है। होम और हिल अफेयर्स विभाग की इस नोटिफिकेशन के अनुसार दिल्ली स्पेशल पुलिस एस्टैब्लिशमेंट (डीएसपीई) एक्ट, 1946 की धारा 6 के तहत यह अनुमति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। निर्णय का दायरा स्पष्ट रूप से केंद्र सरकार के कर्मचारियों और केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों (PSU) से जुड़े मामलों तक सीमित रखा गया है।

काशी में बनेगा दुनिया का सबसे ऊंचा शिवलिंग

वाराणसी। वाराणसी नगर निगम भेलूपुर जलकल विभाग की 20 एकड़ भूमि पर 100 करोड़ रुपये की लागत से दुनिया का सबसे ऊंचा शिवलिंग और भव्य अर्बन पार्क स्थापित करने जा रहा है। नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल के अनुसार, इस शिव थीम पार्क का टेंडर जारी हो चुका है और यह अगले 8 से 9 महीनों में बनकर पूरी तरह तैयार हो जाएगा। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य स्थानीय लोगों के लिविंग स्टैंडर्ड को बेहतर बनाना और पर्यटकों को विश्व स्तरीय सुविधाएं देना है।

न्यूयॉर्क के पेन स्टेशन पर चाकूबाजी में 5 घायल

न्यूयार्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क सिटी स्थित पेन स्टेशन पर रविवार शाम चाकूबाजी की घटना में 5 लोग घायल हो गए। पुलिस ने हमले के बाद संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआती जांच में इसे रैंडम हिंसक हमला माना जा रहा है। न्यूयॉर्क फायर डिपार्टमेंट के अनुसार घायलों में एक व्यक्ति की हालत गंभीर है। दो लोगों को मध्यम और दो को मामूली चोटें आई हैं। घटना स्थानीय समयानुसार शाम करीब 7 बजे हुई। हमले के बाद पुलिस ने इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया और बाद में एमट्रैक पुलिस ने संदिग्ध को हिरासत में ले लिया। यह घटना ऐसे समय हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प सोमवार को न्यूयॉर्क दौरे पर आने वाले हैं।

मिडिल ईस्ट में फिर बढ़ गया है तनाव

इजरायल पर ईरान-हिजबुल्लाह ने एक साथ बोला हमला, नेतन्याहू ने भी बरसाए बम

मिडिल ईस्ट में तनाव फिर बढ़ गया है। रविवार देर रात इजरायल पर दो तरफ से एक साथ हमला हो गया। ईरान ने इजरायल की तरफ मिसाइलें दागीं। वहीं लेबनान की तरफ से हिजबुल्लाह ने भी मिसाइल और ड्रोन से हमला बोल दिया। इसके बाद इजराइल ने भी पलटवार करते हुए ईरान के कई इलाकों में बमबारी की। वहीं मिडिल ईस्ट में अलर्ट जारी हो गया है। ईराक और सीरिया ने भी अपने हवाई क्षेत्र बंद कर दिए हैं।

लेबनान पर हमलों के विरोध में ईरान ने किया यह अटैक | इजराइल के अलग-अलग शहरों में फिर गूंजने लगी सायरन की आवाज

एजेंसी ▶▶| तेहरान

ईरान ने इजरायल के उत्तर की ओर 4 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इसके बाद इजरायल का डिफेंस सिस्टम एक्टिव हो गया, फिर अलग-अलग शहरों में सायरन की आवाज गूंजने लगी। इजरायल का कहना है कि अप्रैल में हुए संघर्ष-विराम के बाद ईरान ने उस पर पहली बार मिसाइलें दागी हैं। ईरान ने इजरायल पर ये हमले लेबनान की वजह से किए हैं। ईरान चाहता है कि इजरायल लेबनान पर सैन्य एक्शन बंद कर दे। लेकिन इजरायल वहां हिजबुल्लाह समेत दूसरे ठिकानों पर लगातार हमले कर रहा है। ताजा हमले लेबनान की राजधानी बेरूत में किए गए थे। इस बीच ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने ईरान और लेबनान के झंडों की एक साथ तस्वीर पोस्ट की।

यह कहा ईरान ने

हमलों के बीच ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के सलाहकार मोहसेन रेजाई का बयान भी आया। उन्होंने कहा कि ईरान ने बार-बार चेतावनी दी थी कि वह युद्धविराम के उल्लंघन और लेबनान पर हमलों को बर्दाश्त नहीं करेगा। हमलावरों को आज रात इसका जवाब मिल गया। वहीं ईरान की फोर्स आईआरजीसी ने कहा कि इजरायल बार-बार युद्धविराम का उल्लंघन करते हुए, अपराधी अमेरिका की मिलीभगत और अंतरराष्ट्रीय मंचों की चुप्पी के चलते लेबनान के उत्पीड़ित लोगों के खिलाफ अपनी क्रूरता को लगातार तेज कर रहा है, और फास्फोरस बमों सहित प्रतिबंधित हथियारों का इस्तेमाल करके वॉर-क्राइम कर रहा है।

ईरान के 4 शहरों में बरसाए बम

इजरायल की सेना ने ईरान के 4 शहरों तेहरान, इस्फाहान, तबरीज, मेहराबाद में एयरपोर्ट पर बमबारी की और मिसाइलें भी दागीं। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने बताया कि इजरायली सेना आईडीएफ ने ईरानी की सीमा में एंट्री किए बिना बाहर से मिसाइलें दागकर सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। इजरायल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इटमार बेंगवीर ने धमकी दी है कि अब तेहरान जलना चाहिए।

नेतन्याहू ने ट्रंप का आदेश किया दरकिनार

बता दें कि इजरायल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश को दरकिनार करते हुए ईरान पर हमले किए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान और हिजबुल्लाह के हमले के बाद नेतन्याहू को फोन करके जवाबी हमला न करने का आदेश दिया था। बावजूद इसके इजरायल ने ईरान पर जवाबी हमला किया। जबकि ट्रंप यह भी कह चुके हैं कि फैसले नेतन्याहू नहीं, वे लेते हैं और वे जो फैसले लेंगे, वे नेतन्याहू को भी मानने होंगे।

इजरायल-ईरान तुरंत गोलीबारी' बंद करें: ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को इजरायल और ईरान से तुरंत 'गोलीबारी' रोकने को कहा, दोनों देशों के बीच सीधी लड़ाई का एक नया दौर शुरू होने से पूरे इलाके में तनाव और बढ़ने का डर पैदा हो गया है। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'इजरायल और ईरान को तुरंत 'गोलीबारी' बंद कर देनी चाहिए।'

भारतीयों से तुरंत ईरान छोड़ने की एडवाइजरी

तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने एक नई एडवाइजरी जारी कर भारतीय नागरिकों से ईरान की यात्रा से बचने और वहां मौजूद लोगों से उपलब्ध परिवहन साधनों का उपयोग कर जल्द से जल्द देश छोड़ने की अपील की है। ईरान स्थित भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर कहा, यह एडवाइजरी ईरान में रह रहे सभी भारतीय नागरिकों पर लागू होती है जिनमें छात्र, कारोबारी, तीर्थयात्री और पर्यटक शामिल हैं। ईरान-अमेरिका संघर्ष के दौरान भारत सरकार द्वारा जारी की गई यह आठवीं एडवाइजरी है।

पार्लियामेंट्री कमेटी के सामने कहा- हमारे सिस्टम में कोई लीक नहीं था

एनटीए ने नीट पेपर लीक से किया इंकार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने कांग्रेस पार्टी के राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह की अध्यक्षता में बनी पार्लियामेंट्री कमेटी के सामने कहा है कि 03 मई को आयोजित नीट परीक्षा लीक नहीं हुई थी बल्कि जो भी सवाल सोशल मीडिया और स्टूडेंट्स के बीच घूम रहे थे वह 'गेस पेपर' था। एनटीए ने इस कमेटी के सामने यह कहा है कि उनके सिस्टम से कोई लीक नहीं हुआ था। वहीं पार्लियामेंट्री पैनल ने एनटीए से यह रिक्वेस्ट की है कि 'पेपर लीक' की सही परिभाषा समझाएं और 2018 के बाद से कोई पेपर लीक हुआ है या नहीं ये भी बताएं। रिपोर्ट के मुताबिक, पार्लियामेंट्री पैनल ने एनटीए से यह रिक्वेस्ट की है कि वह 'पेपर लीक' की साफ परिभाषा बताएं और यह भी बताएं कि 2018 के बाद हुए एग्जाम में कोई पेपर लीक हुआ है या नहीं। यह जांच एनटीए अधिकारियों के हाल ही में पैनल के सामने पेश होने के बाद हो रही है, जिसमें उन्होंने कहा था कि उनके सिस्टम से कोई लीक नहीं हुआ है। उन्होंने दावा किया कि जो भी प्रश्न सर्कुलेट हुए थे वह सिर्फ 'गेस पेपर'से हैं।

पैनल ने मांगा लिखित जवाब

इस पैनल ने ओएसएम सिस्टम के बारे में सीबीएसई से और नीट पेपर लीक के बारे में एनटीए से लिखित जवाब मांगा है। पैनल ने एनटीए से पूछा है कि सीबीआई की जांच के अलावा नीट पेपर लीक के आरोपों की कोई जांच की जा रही है? इसके अलावा कमेटी ने एनटीए से पिछले तीन सालों में उसके स्टाफ की संख्या और 2022 के बाद से हुई किसी भी नई भर्ती के बारे में पूछा। उन्होंने पिछले तीन सालों की हायर एजुकेशन डिपार्टमेंट को दी गई एनटीए की सालाना रिपोर्ट भी मांगी।

राष्ट्रपति भवन में जांबाजों का सम्मान

◆ प्रधानमंत्री मोदी भी रहे मौजूद

मुर्मू ने सौंपे वीर चक्र और शौर्य चक्र

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित रक्षा अलंकरण समारोह-I में सशस्त्र बलों और पुलिस कर्मियों को वीरता पुरस्कारों से सम्मानित किया। इस गरिमामयी समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद रहे। असाधारण वीरता और विशिष्ट सेवा के लिए स्क्वाड्रन लीडर आर्शवीर सिंह ठाकुर, नायब सूबेदार सतीश कुमार और लेफ्टिनेंट कर्नल सुशील बिष्ट सहित पांच जांबाजों को वीर चक्र प्रदान किया गया।

पीओके में हिंसा 11 की मौत, इनमें 4 पुलिसकर्मी

श्रीनगर। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई हिंसक झड़पों में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 70 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। यह हिंसा जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) और क्षेत्रीय सरकार के बीच चल रहे विवाद के दौरान हुई। रिपोर्ट के अनुसार मृतकों में 7 नागरिक और 4 पुलिसकर्मी शामिल हैं।

जावेद जाफरी की पत्नी से ठगी, अफसर सस्पेंड

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता जावेद जाफरी की पत्नी हबीबा जाफरी कथित निवेश घोटाले का शिकार हो गई हैं। उनसे करीब 16.24 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई। मामले की जांच के दौरान एक बीएमसी अधिकारी का नाम सामने आया, जिसके बाद उसे निलंबित कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि हबीबा ने बेहतर रिटर्न के वादे पर बड़ी रकम निवेश की थी, लेकिन बाद में उन्हें कथित तौर पर धोखाधड़ी का पता चला। पुलिस और संबंधित एजेंसियों ने जांच शुरू की, जिसके तहत एक बीएमसी अधिकारी के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है।

अभिजीत बोले- 13 जून तक शिक्षामंत्री के इस्तीफे की मांग

कॉकरोच जनता पार्टी करेगी देशभर में प्रदर्शन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा है कि परीक्षा और भर्ती प्रक्रियाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ शुरू किया गया उनका आंदोलन तब तक नहीं रुकेगा, जब तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं दे देते. उन्होंने दावा किया कि जंतर-मंतर पर आयोजित प्रदर्शन सफल रहा और अब इस आंदोलन को देशव्यापी स्वरूप दिया जाएगा। अभिजीत दीपके ने कहा कि जंतर मंतर पर किया गया प्रोटेस्ट ट्रेलर है। इस्तीफा नहीं हुआ तो पूरे देश में प्रोटेस्ट करेंगे। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर स्थित अपने आवास पहुंचने के बाद पत्रकारों से बातचीत में दीपके ने कहा कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन में छह से सात हजार लोगों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि युवाओं और छात्रों को मिल रहा समर्थन इस बात का संकेत है कि यह आंदोलन अब राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ेगा।

जंतर-मंतर में जुटे थे छात्र

शनिवार को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर सीजेपी के बैनर तले बड़ी संख्या में छात्र, युवा और अभ्यर्थी जुटे थे। प्रदर्शनकारियों ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए परीक्षा और भर्ती प्रक्रियाओं में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ नारे लगाए। कई प्रदर्शनकारी कॉकरोच मुखौटे पहनकर भी पहुंचे थे।

घर के बाहर बढ़ाई गई सुरक्षा
सीजेपी हाल के महीनों में नीट, सीबीएसई, सीयूईटी और कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं समेत विभिन्न भर्ती और परीक्षा प्रक्रियाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ जवाबदेही की मांग को लेकर सक्रिय रहा है। इस बीच, दीपके के छत्रपति संभाजीनगर स्थित आवास की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। स्थानीय पुलिस के अनुसार, सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।

पवन कल्याण की मूवी 'ओजी' देखते हुए निकलवाया दिमाग से ट्यूमर

आंध्र प्रदेश में हुई अवेक ब्रेन सर्जरी

खोपड़ी खुली थी और महिला देख रही थी फिल्म

एजेंसी ▶▶| गुंटूर

आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 45 साल की महिला की प्राइवेट अस्पताल में महिला की अवेक ब्रेन सर्जरी (होश में रखकर की जाने वाली सर्जरी) की गई। जी हां महिला ने ब्रेन ट्यूमर की सर्जरी के दौरान न केवल होश संभाले रखा, बल्कि अपने पसंदीदा अभिनेता पवन कल्याण की फिल्म ओजी भी देखती रही। यह अनोखी सर्जरी वडलामुडी गांव स्थित डीवीसी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में की गई। डॉक्टरों ने महिला के दिमाग से ट्यूमर सफलतापूर्वक निकाल दिया, जबकि वह पूरी प्रक्रिया के दौरान जाग रही थी और डॉक्टरों से बातचीत भी कर रही थी।

बेहोशी और दौरे पड़ने के बाद हुई जांच

कोटेश्वरम्मा नाम की महिला को बार-बार बेहोश होने और दौरे पड़ने की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जांच और एमआरआई स्कैन में पता चला कि उसके मस्तिष्क में एक ट्यूमर है, जो दिमाग के उस बेहद संवेदनशील हिस्से के पास स्थित था जो शरीर की गतिविधियों और अन्य महत्वपूर्ण न्यूरोलॉजिकल कार्यों को नियंत्रित करता है।

क्यों जागते हुए की गई सर्जरी?

ट्यूमर की जटिल स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने अवेक ब्रेन सर्जरी करने का फैसला किया। इस प्रक्रिया में मरीज को पूरी तरह बेहोश नहीं किया जाता, ताकि डॉक्टर ऑपरेशन के दौरान उसके मस्तिष्क की गतिविधियों पर नजर रख सकें और किसी महत्वपूर्ण हिस्से को नुकसान पहुंचने से बचाया जा सके।

पवन कल्याण की फिल्म बनी सहारा

ऑपरेशन से पहले डॉक्टरों को पता चला कि कोटेश्वरम्मा अभिनेता और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण की बड़ी प्रशंसक हैं। मरीज को शांत और सहज बनाए रखने के लिए मेडिकल टीम ने सर्जरी के दौरान उनकी पसंदीदा फिल्म ओजी चला दी। फिल्म देखते हुए महिला लगातार डॉक्टरों के सवालों का जवाब देती रही। सर्जरी के दौरान डॉक्टर समय-समय पर उससे हाथ-पैर हिलाने और अन्य सामान्य निर्देशों का पालन करने के लिए कहते रहे।

डॉक्टरों ने ऐसे हटाया ट्यूमर

महिला की प्रतिक्रियाओं की मदद से डॉक्टर रियल टाइम में उसके मस्तिष्क की कार्यप्रणाली पर नजर रखते रहे. इससे उन्हें यह सुनिश्चित करने में मदद मिली कि ट्यूमर निकालते समय दिमाग के किसी महत्वपूर्ण हिस्से को नुकसान न पहुंचे. आखिरकार सर्जरी सफल रही और ट्यूमर को सुरक्षित रूप से हटा दिया गया। यह मामला अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है, जहां लोग एक ओर आधुनिक चिकित्सा तकनीक की तारीफ कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पवन कल्याण के प्रति महिला की दीवानगी की भी खूब चर्चा हो रही है।

देश से भागने की फिराक में था, एसटीएफ ने पकड़ा

टीएमसी नेता जहांगीर नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल की फलता सीट से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के उम्मीदवार रहे जहांगीर खान को बंगाल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने जहांगीर खान को नेपाल की अंतरराष्ट्रीय सीमा से पकड़ा है। टीएमसी का पूर्व विधायक जहांगीर खान देश छोड़कर नेपाल भागने की फिराक में था। जहांगीर खान की गिरफ्तारी किस जगह से और कब की गई, इस संबंध में अधिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। पश्चिम बंगाल पुलिस की एसटीएफ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जहांगीर खान की गिरफ्तारी के संबंध में अधिक जानकारी साझा कर सकती है। मिली जानकारी के मुताबिक जहांगीर खान फलता विधानसभा सीट के लिए हाल ही में हुए चुनाव के बाद से लापता चल रहा था। पश्चिम बंगाल पुलिस और एसटीएफ को कई मामलों में जहांगीर खान की तलाश थी। जहांगीर के खिलाफ सात मामले दर्ज हैं। एसटीएफ ने जहांगीर को पकड़ने के लिए टेक्निकल सर्विलांस का सहारा लिया।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

जर्जर स्कूलों में कैसे गढ़ेंगे बच्चे भविष्य, ग्रीष्मकालीन अवकाश में न छतों की मरम्मत हुई, ना ही कमरों को सुधारा

दुर्ग जिले में 159 स्कूलों के कमरे जर्जर, इनमें से 80 को ध्वस्त करना है, पर न हथौड़ा चला और न मरम्मत हुई

देवीलाल साहू ▶▶| भिलाई

हरिभूमि लगातार

नया शैक्षणिक सत्र 16 जून को शुरू हो रहा है, यानी स्कूल खुलने को महज 9 दिन शेष है। पूरे ग्रीष्मकालीन अवकाश में एक भी जर्जर स्कूलों की न छतें सुधरीं और न ही कमरों की हालत। बच्चों को पहले की तरह जर्जर कमरों में ही पढ़ाई करने की मजबूरी होगी। दुर्ग जिले में 2200 स्कूल हैं। जिनमें से 159 स्कूलों के जर्जर कमरों की मरम्मत होनी थी। इनमें से 80 स्कूल भवन ▶▶|शेष पेज 5 पर

दुर्ग ब्लॉक में सबसे ज्यादा 36 स्कूल कंडम

दुर्ग ब्लॉक में सबसे ज्यादा 36 स्कूल के भवन कंडम हाल में है। पाटन ब्लॉक में 24 और धमधा ब्लॉक में 20 स्कूल भवन कंडम हैं। इन स्कूलों को डिस्मेंटल करने की जरूरत इसलिए है कि बच्चे व स्टॉफ इसी भवन के करीब से आवाजाही करते हैं। डिस्मेंटल करने के लिए जिला शिक्षा ▶▶|शेष पेज 5 पर

ज्यादातर प्राइमरी स्कूल खस्ताहाल

दुर्ग जिले में सर्वाधिक प्राइमरी स्कूल कंडम हाल में है। 63 प्राइमरी स्कूल , 3 मिडल, 11 हाई और 3 हायर सेकंडरी स्कूल कंडम हो गए हैं। इन स्कूलों के विद्यार्थियों को एक ही परिसर के दूसरे स्कूलों में बिठाकर पढ़ाई करवानी पड़ती है। स्वयं के भवन नहीं होने की वजह से बच्चों को परेशानी उठानी पड़ती है।

संस्था प्रमुखों को निर्देश

जर्जर कमरों का संधारण के लिए संस्था प्रमुखों को निर्देश दिए गए हैं। स्कूल खुलने के पहले आवश्यक सुधार कर लें। कंडम स्कूल भवनों को डिस्मेंटल करने के लिए लोक निर्माण विभाग को पत्र भेजा गया है।

-अरविंद कुमार मिश्रा
डीईओ, दुर्ग

इन उदाहरणों से समझिए जर्जर स्कूलों की स्थिति

केस 1

दो साल से दूसरी जगह करते हैं बच्चे पढ़ाई: शासकीय नवीन प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक शाला नेवईभाठा का पूरा स्कूल भवन जर्जर हाल में है। पूरा कमरा जर्जर है इसलिए विद्यार्थियों को बिठा नहीं पाते। दो साल से यहां के 200 से ज्यादा विद्यार्थियों को एक सामाजिक भवन में बिठाकर पढ़ाई करवाना पड़ रहा है।

केस 2

दूसरे स्कूल के भवन में पढ़ाई: शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बोरसी में 400 से ज्यादा विद्यार्थी पढ़ते हैं।इस स्कूल के बरामदे का पूरा स्ट्रक्चर गिर गया है। दो करोड़ रुपए भी संधारण के लिए दिए गए लेकिन जर्जर कमरों की स्थिति नहीं सुधर पाई। दरअसल यह स्कूल भवन 100 साल से भी ज्यादा पुराना है जिसे डिस्मेंटल करने की जरूरत है।

केस 3

शासकीय प्राथमिक शाला उमरपोटी में कमरों की हालत अच्छी नहीं है। यहां विद्यार्थियों को बारिश में बिठा नहीं पाते। यही हाल शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला पोटियाकला दुर्ग की है। इस स्कूल विद्यार्थी दूसरे स्कूल के भवन में पढ़ाई करने मजबूर हैं।प्राथमिक शाला झुग्गी पारा दुर्ग में भी कमरों को डिस्मेंटल करना है।

खबर संक्षेप

राष्ट्रपति मुर्मू 23 जून को प्रदान करेंगी पद्म पुरस्कार

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 23 जून को नागरिक अलंकरण समारोह के दूसरे चरण में अभिनेताओं ममूटी और आर माधवन सहित कई प्रतिष्ठित हस्तियों को पद्म पुरस्कार प्रदान करेंगी। अभिनेता सतीश शाह को मरणोपरांत पद्म श्री से सम्मानित किया जाएगा और उनके परिजन यह पुरस्कार ग्रहण करेंगे।

3.57 करोड़ के गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

बेंगलुरु। बैंकॉक से यहां केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे एक यात्री को 3.57 करोड़ रुपए मूल्य के हाइड्रोपोनिक गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया। यात्री को पांच जून को सीमा शुल्क अधिकारियों ने हवाई अड्डे पर रोक लिया था। यात्री ने चेक-इन बैगेज में 10.20 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा छिपाकर रखा हुआ था। जिसकी कीमत 3.57 करोड़ रुपए है।

नहर में 'एसयूवी' गाड़ी गिरने से चार की मौत

अरवल। बिहार के अरवल जिले में एक 'एसयूवी' गाड़ी के नहर में गिर जाने से चार लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना जिले के अरवल नगर थानाक्षेत्र में गांधी मैदान के समीप रविवार देर रात हुई। मृतकों की पहचान राहुल कुमार, मनोज कुमार, त्रिशंक राज और अमन राज के रूप में हुई है। अधिकारी के अनुसार इन सभी की आयु 20 से 35 वर्ष के बीच बतायी जा रही है। यह घटना रात करीब 12 बजे एवं 12:30 बजे के बीच हुई।

होटल में आग मामले में लेखाकार का समर्पण

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के होटल में आग लगाने की घटना में 22 लोगों की मौत के मामले में आरोपी जय मिश्रा ने सोमवार को यहां एक अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि उसे दो दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया है। मिश्रा ने न्यायिक मजिस्ट्रेट भानु प्रताप सिंह के समक्ष आत्मसमर्पण किया और दिल्ली पुलिस ने उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि होटल मालिक लवकेश बजाज के करीबी सहयोगी और लेखाकार मिश्रा के खिलाफ 2024 में भी एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

उत्तर बंगाल में चार दिनों में दस्तक देगा मानसून

कोलकाता। दक्षिण-पश्चिम मानसून के अगले तीन से चार दिनों में पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग, कलिम्पोंग और जलपाईगुड़ी जैसे उप-हिमालयी जिलों में पहुंचने की संभावना है। आईएमडी ने सोमवार को कहा कि राज्य के उत्तरी जिलों में पहले से ही मानसून पूर्व वर्षा हो रही है। आने वाले दिनों में भारी बारिश का अनुमान जताया गया है।

---

22 दलों के 27 नेता जुटे, द्रमुक और आप ने बनाई दूरी

इंडिया गठबंधन ने प्रधान का इस्तीफा मांगा 'वोट लूट' पर सीजेआई को लिखेगा पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में इंडिया गठबंधन की बैठक हुई। सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन के खिलाफ एक एकीकृत रणनीति तैयार करने और मौजूदा राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए बुलाई गई इस बैठक में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी सहित 22 राजनीतिक दलों के नेताओं ने भाग लिया। विपक्षी गठबंधन ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान से इस्तीफा मांगा, वहीं, 'वोट लूट' लूट मामले को लेकर सीजेआई को पत्र लिखने समेत पांच मुद्दों पर एकजुटता दिखाई।

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' ने सोमवार को एकजुटता प्रदर्शित करते हुए सोमवार को 'लाखों युवाओं के भविष्य के साथ विश्वासघात करने' के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की और कहा कि वह 'वोट लूट' को लेकर जल्द ही प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत को पत्र लिखेगा। गठबंधन ने यहां कांस्टीट्यूशन क्लब में करीब ढाई घंटे की बैठक के बाद केंद्र सरकार सरकार से गंभीर आर्थिक स्थिति, बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई, किसानों तथा जनसरोकारों से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने की बुलाने की मांग भी की। 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के घटक दलों के नेताओं ने यह सहमति भी जताई कि वे हर दो महीने पर बैठक करेंगे और उनकी अगली बैठक आगामी अगस्त महीने में हैदराबाद में होगी। इस बैठक में चिकित्सा पाठ्यक्रम प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी और सीबीएसई परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) ▶▶|शेष पेज 5 पर

वीडियो कांफ्रेसिंग से जुड़े ठाकरे और सोरेन

शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे और झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रमुख एवं राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस बैठक में वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से जुड़े थे। बैठक में उमर अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती, सरफराज अहमद, जॉन ब्रिटास समेत 27 नेता मौजूद रहे।

भाजपा ने कसा तंजः एक कमरे में सिमट गई हैं इंडी गठबंधन की बैठकें

भाजपा ने सोमवार को कहा कि इंडिया गठबंधन हर दूसरे महीने चुनाव हारने के बाद बैठकें करता है। जनता ने उन्हें पूरी तरह से निष्क्रिय कर दिया है और उनकी विश्वसनीयता समाप्त हो गई है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने सोमवार को मीडिया से कहा कि ये इनकी बैठक नहीं, बल्कि इंडी गठबंधन वालों का एक ड्रामा चल रहा है। ये हर तीसरे महीने एक चुनाव हारेंगे और हर दूसरे महीने में इनकी बैठक होगी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने चुनाव हारने का शतक लगाया है।

सोनिया ने ममता को लगाया गले

सोनिया गांधी और ममता बनर्जी ने बैठक के शुरू होने पर मिलते ही एक दूसरे को गले लगाया और एक दूसरे का हाल चाल जाना। वहीं, इस बैठक में सभी नेताओं ने अपनी-अपनी बातें रखीं।

इन मुद्दों पर बनी सहमति

- 'वोट लूट', एसआईआर, मतदाता सूची में हेरफेर तथा चुनावों की निष्पक्षता पर उठे गंभीर प्रश्नों के संबंध में भारत के प्रधान न्यायाधीश को एक पत्र भेजा जाएगा।
- नीट और सीबीएसई परीक्षाओं में शामिल लाखों युवाओं के साथ विश्वासघात हुआ। शिक्षा मंत्री से मांगा इस्तीफा
- वर्तमान गंभीर आर्थिक स्थिति, बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई, किसानों तथा जनसरोकार से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए केंद्र सरकार को तत्काल सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए।
- अगली बैठक हैदराबाद में 8 अगस्त को होगी। हर दो महीने में विपक्षी गठबंधन दल की बैठक होगी
- संसद के मानसून सत्र के दौरान संसदीय समन्वय जारी रहेगा और प्रतिदिन प्रात :काल माननीय नेता प्रतिपक्ष (मल्लिकार्जुन खरगे) के कार्यालय में समन्वय बैठक आयोजित की जाएगी।

सड़क निर्माण कार्य में लगे दो मजदूरों को हाथी ने कुचला

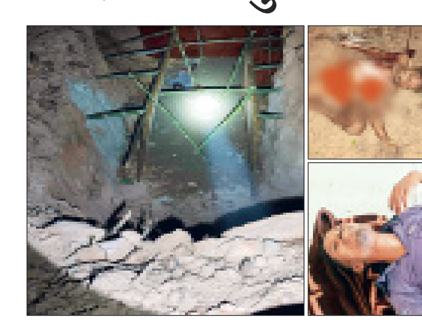

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनहत

कोरिया जिले के सोनहत ब्लाक से लगे सुदूर वनांचल क्षेत्र कोटाडोल के ग्राम देवशील में रविवार देर रात दर्दनाक हादसा हो गया। सड़क निर्माण कार्य में लगे दो मजदूरों को हाथी ने कुचलकर मार डाला। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार लोक निर्माण विभाग द्वारा रामगढ़-कोटाडोल सड़क निर्माण कराया जा रहा है। इसके तहत देवशील ग्राम के पास पुलिया एवं सड़क निर्माण का कार्य जारी है। निर्माण कार्य में लगे मजदूर रात के समय जंगल किनारे झिल्ली बनाकर अस्थायी रूप से ठहरे हुए थे। बताया जा रहा है कि बीती रात जंगल में विचरण कर रहे एक हाथी ने अचानक मजदूरों पर हमला कर दिया। घटना में गौरव गोंड पिता पूरन सिंह गोंड उम्र 22 वर्ष निवासी नगर तथा अमर सिंह गोंड पिता जायकरन गोंड उम्र ▶▶|शेष पेज 5 पर

ग्रामीणों में दहशत

घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों और मजदूरों में दहशत व्याप्त है। वनांचल क्षेत्र के लोगों ने प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने और हाथियों की लगातार निगरानी की मांग की है। लगातार बढ़ रही हाथियों की आवाजाही और मानव बस्तियों के करीब पहुंचने की घटनाओं ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है।

इतिहास में ऐसा पहली बार

वायुसेना के मी-17 हेलिकॉप्टरों से भेजे जाएंगे नीट-यूजी के प्रश्नपत्र

- आगामी 48 से 72 घंटे में चुनिंदा लोकेशन की तरफ शुरू हो सकता है हेलिकॉप्टरों के उड़ान भरने का सिलसिला
- गोपनीय जगह पर लॉकडाउन में रहेगी पेपर बनाने से लेकर मॉडरेटर और अनुवादकों की पूरी टीम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

पेपरलीक के बाद 21 जून को फिर से होने वाली राष्ट्रीय पात्रता एवं सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) के लिए प्रश्न पत्र के पैकेट वायुसेना के मी-17 हेलिकॉप्टरों और अन्य विमानों की मदद से देशभर में भेजे जाएंगे। यह पहला ऐसा मौका होगा जब ऐतिहासिक रूप से भारत में किसी राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा के सफल संचालन के लिए वायुसेना के विमानों का इस्तेमाल किया जाएगा। अगले करीब दो से तीन दिन के अंदर संबंधित अभियान को लेकर हेलिकॉप्टरों की उड़ान का सिलसिला शुरू हो जाएगा। जिसमें यह चुनी हुई 18 लोकेशन से प्रश्नपत्र की ▶▶|शेष पेज 5 पर

मल्टी लेयर्ड सुरक्षा एजेंसियों की कड़ी निगरानी

पेपर तैयार करने वाली टीम को लॉकडाउन के हालात में रखना इस परीक्षा से जुड़ी हुई संपूर्ण प्रक्रिया चरण दर चरण फुल प्रूफ बनाए रखने को लेकर तैयार किए गए मल्टी लेयर्ड सुरक्षा घेरे का महज एक छोटा सा हिस्सा है।

लॉकडाउन में रहेगी पेपर तैयार करने वाली टीम

सूत्रों ने कहा कि पेपर लीक के अलावा किसी भी अन्य प्रकार की गड़बड़ी से बचने के लिए इस बार परीक्षा के लिए नीट का प्रश्नपत्र तैयार करने वाली समूची टीम (पेपर बनाने वाले, मॉडरेटर और अनुवादक शामिल) को एक गोपनीय स्थान पर रखा जाएगा।

स्टैंडबाय पर अलर्ट रहेंगी सेनाएं

सूत्रों ने बताया कि नीट परीक्षा के प्रश्नपत्रों को परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने के लिए मी-17 हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल करने के पीछे का उद्देश्य खासतौर पर उन जगहों तक समय पर प्रश्नपत्रों को पहुंचाना है। जहां इस कार्य में खासा तेजी की दरकार है। इसके अलावा प्रश्न पत्रों को भेजने में होने वाली देरी से बचने और पेपर लीक के बाद मामले में सख्त निगरानी के साथ पारदर्शिता को बनाए रखना है। जिससे राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित परीक्षा की निष्पक्षता को बरकरार रखा जा सके। रक्षा मंत्रालय ने वायुसेना के अलावा सैन्य और सुरक्षा अधिकारियों को हर दम मुस्तैदी के साथ अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया है।

विशाखापत्तनम में बड़ा हादसा

इस्पात संयंत्र में गिरा पिघला लोहा, आठ श्रमिकों की मौत

विशाखापत्तनम। विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र के नाम से जाने जाने वाले राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड के परिसर में सोमवार को पिघला हुए लोहा गिरने से कम से कम आठ श्रमिकों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में छह श्रमिकों के झुलसने की भी खबर है। उन्होंने बताया कि कुछ श्रमिक गंभीर रूप से झुलस गए हैं और उनकी हालत बेहद नाजुक है। एक अधिकारी ने कहा, आठ श्रमिकों की मौत हो गई और छह अन्य झुलस गए।

पीएम ने दुख जताया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयंत्र में हुए हादसे पर दुख जताया। मृतकों के परिजन को दो-दो लाख रुपए, जबकि घायलों को 50-50 हजार रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

टेस्ट क्रिकेट में बड़ी उपलब्धि

टीम इंडिया की टेस्ट में विराट जीत, सुथार ने लिए 7 विकेट

मुल्लांपुर। टीम इंडिया ने एकमात्र टेस्ट मैच में अफ़ग़ानिस्तान को एक पारी और 300 रनों से हराया। यह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में टीम इंडिया की सबसे बड़ी जीत थी। डेब्यू करने वाले मानव सुथार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दोनों पारियों में कुल 7 विकेट लिए।

अफ़गानिस्तान दोनों पारियों में नाकाम

अफ़गानिस्तान की टीम अपनी पहली पारी में 152 रनों पर ऑल आउट हो गई। रहमत शाह ने 60 रनों की पारी खेली, लेकिन कोई खास प्रभाव नहीं डाल सके। भारत के लिए मानव सुथार सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 7 विकेट लिए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने 3 और वाशिंगटन सुंदर ने 1 विकेट लिया।

ईसी ने दिए नए निर्देश

मतदाता सूची में विदेशी घुसपैठियों पर रखें नजर

नई दिल्ली। वोटर लिस्ट की जांच के दौरान अब संदिग्ध विदेशी घुसपैठियों की पहचान भी की जाएगी। निर्वाचन आयोग ने बूथ लेवल अफसरों (बीएएलओ) को इसके कड़े निर्देश दिए हैं। घर-घर जाकर सर्वे करने के दौरान अगर कोई संदिग्ध विदेशी निवासी मिलता है, तो उसकी जानकारी संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाई जाए।

विदेशियों की हुई थी पहचान

बता दें कि पिछले साल बिहार में चले इसी तरह के अभियान के दौरान वोटर डेटाबेस में बांग्लादेश, नेपाल और म्यांमार के कुछ नागरिकों की पहचान हुई थी। हालांकि आयोग ने तब तकनीकी सीमाओं और अपने तर्कों की वजह से उनकी संख्या सार्वजनिक नहीं की थी।

सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, कॉन्स्टेबल नियुक्ति पर बोर्ड को निर्देश

आपसी सहमति से शादी से पहले बने शारीरिक संबंध को खराब चरित्र का सबूत नहीं माना जा सकता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना राज्य स्तरीय पुलिस भर्ती बोर्ड को ऐसे उम्मीदवार को नियुक्त करने का निर्देश दिया, जिसे पुलिस कॉन्स्टेबल के तौर पर चुने जाने के बाद भी इसलिए हटा दिया गया, क्योंकि वह एक असफल प्रेम संबंध से जुड़े आपराधिक मामले में शामिल था। कोर्ट ने कहा कि दो अविवाहित बालिगों के बीच आपसी सहमति से शादी से पहले बने संबंधों को अकेले खराब नैतिक चरित्र का सबूत नहीं माना जा सकता।

जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने गजुल थिरुपति की अपील को मंजूरी दी और तेलंगाना हाईकोर्ट के सिंगल जज का ▶▶|शेष पेज 5 पर

कोर्ट ने गजुल थिरुपति की अपील को मंजूरी दी

समझौता का मतलब अपराध कबूल करना नहीं

इसके अलावा, कोर्ट ने यह भी साफ किया कि शादी के वादे पर रेप के मामले में लोक अदालत के सामने समझौता करने का मतलब अपराध कबूल करना नहीं है। साथ ही, अगर रिकॉर्ड में ऐसा कोई सबूत नहीं है जिससे पता चले कि पीड़िता पर समझौता करने के लिए दबाव डाला गया था, तो नियोक्ता (**employer**) ऐसे समझौते से कोई गलत नतीजा नहीं निकाल सकता।

नैतिक पतन के आधार पर रद्द कर दी थी नियुक्ति

शीर्ष अदालत ने मामले में पीड़ित उम्मीदवार द्वारा दायर अपील को स्वीकार कर लिया और तेलंगाना हाई कोर्ट के एकल न्यायाधीश के उस आदेश को बरकरार रखा जिसमें 'स्टाइपेंडरी कैडेट ट्रेनी पुलिस कांस्टेबल' के पद पर उसकी नियुक्ति पर पुनर्विचार करने का निर्देश दिया गया था।

क्या है मामला

यह मामला पड़ोसी के साथ संबंध से जुड़ा है और दोनों पक्षों के बीच समझौता होने के बाद 2015 में लोक अदालत में इसका निपटारा हो गया था। आईपीसी की धारा 376 के तहत कोई आरोप नहीं लगाया गया था। मामले का जिक्र करते हुए उच्चतम न्यायालय ने कहा कि अपीलकर्ता और पीड़िता पड़ोसी थे और लगभग चार साल तक उनके बीच संबंध थे। पीठ ने कहा, हर रिश्ता शादी में तब्दील नहीं होता। इसलिए, सिर्फ इसलिए कि रिश्ता शादी में तब्दील नहीं हुआ, यह मानने का कोई आधार नहीं है कि एक पक्ष ने दूसरे को धोखा दिया है।

चिंतन

ममता के सामने अब तक का सबसे बड़ा संकट

जिस तृणमूल कांग्रेस को अब तक भाजपा के खिलाफ सबसे सशक्त आवाज समझा जाता था और पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी जिस अंदाज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत पूरे राजग को अकेले ही जवाब देती हुई नजर आती थी। अब विधानसभा चुनाव में हार के बाद लगता है कि वह महज दिखावा ही था। असल में तृणमूल के 'तृण' और 'मूल' बिखर चुके थे। सिर्फ एक विधानसभा चुनाव की हार ने पार्टी की इस हालत को खोलकर रख दिया है कि उसमें भीतरी तौर पर कितना असंदतोष है। सबसे बड़ी बात यह है कि जमीनी स्तर से उच्चस्तर तक यह असंतोष दिखाई दे रहा है। यह ममता के सामने अब तक का सबसे बड़ा सियासी संकट हैं। टीएमसी के 50 से ज्यादा विधायक, 20 लोकसभा सांसद और एक राज्यसभा सांसद पार्टी नेतृत्व से नाराज होकर बगावती तेवर अपना चुके हैं। इनके भाजपा में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। ममता बनर्जी ने 15 साल से जिस ठसक से पश्चिम बंगाल को चलाया है। वह ठसक अब धरी की धरी ही रह गई है। वहीं, बगावती तेवर अपनाने वाले पार्टी नेताओं में ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी के खिलाफ गुस्सा है। इसके कारण ही पार्टी की यह दशा होने जा रही है। ममता के सामने अब अपने संगठन को एकजुट करने की सबसे बड़ी चुनौती है। हालांकि ममता संघर्ष और जुझारूपन से उभरी हुई नेता हैं। इसलिए उन्हें कमजोर तो नहीं माना जा सकता, लेकिन उम्र का भी एक तकाजा होता है। पश्चिम बंगाल की राजनीति में लंबे समय तक एक अजेय शक्ति के रूप में दिखाई देने वाली ममता आज अपने राजनीतिक जीवन के सबसे कठिन दौर का सामना करती नजर आ रही हैं। राजनीति में जीत कई कमजोरियों पर पर्दा डाल देती है, लेकिन हार उन सभी दरारों को सामने ले आती है जिन्हें नेतृत्व लंबे समय तक नजरअंदाज करता रहा हो। तृणमूल कांग्रेस के साथ भी कुछ ऐसा ही होता दिखाई दे रहा है। यदि बड़ी संख्या में विधायक और सांसद पार्टी नेतृत्व से असंतुष्ट होकर बगावती तेवर अपना रहे हैं, तो यह केवल चुनावी हार का परिणाम नहीं है। यह उस असंतोष का विस्फोट है जो वर्षों से संगठन के भीतर जमा होता रहा होगा। किसी भी राजनीतिक दल के लिए सबसे बड़ा खतरा विपक्ष नहीं, बल्कि उसका आंतरिक विघटन होता है। आज टीएमसी उसी चुनौती के सामने खड़ी है। चुनावी हार के बाद वही दबा हुआ असंतोष अब खुलकर सामने आ रहा है। यदि पार्टी के भीतर नेतृत्व को लेकर असंतोष है, तो यह केवल व्यक्तियों का विवाद नहीं बल्कि संगठनात्मक संतुलन का प्रश्न है। ममता बनर्जी के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह पार्टी को एकजुट रखते हुए नेतृत्व पर उठ रहे सवालों का समाधान करें। ममता ने जिस तरह से टीएमसी को खड़ा किया था वह अपने आप में एक सफलता की कहानी रही है। हालांकि बंगाल में वामपंथियों की कोई पार्टी नहीं बची। यही हाल अब तृणमूल का भी होने जा रहा है। एक विधानसभा चुनाव में हार के बाद पार्टी का इस तरह से बिखर जाना ममता के लिए एक बड़ा सबक है। यह भाजपा को भी इससे सबक लेना होगा। उसे अब टीएमसी की कमियों को दूर कर सरकार चलानी होगी और लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरना होगा। प्रदेश में लोगों को भीतर से जोड़ना होगा। बंगाल का इतिहास रहा है कि जो पार्टी एक बार हार गई वह दोबारा सत्ता में नहीं आई। चाहे उसमें वाम दल हों, कांग्रेस हो या अब तृणमूल कांग्रेस।

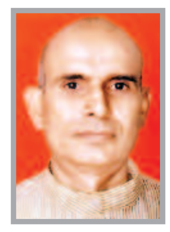

टीएमसी में टूट
अखिलेश आर्येन्दु

'मूल' की दिक्कत या अस्तित्व का सवाल

> पश्चिम बंगाल में हुए हालिया चुनाव में करारी हार के बाद तृणमूल कांग्रेस पार्टी अपने अस्तित्व के सबसे बड़े संकट का सामना कर रही है। टीएमसी की हार के बाद राजनीति के जानकार कहने लगे थे कि अब बंगाल में 15 साल तक सत्ता सुख भोगने वाली पार्टी को ऐसे खराब दिन भी देखने पड़ सकते हैं कि जब उसके सामने अस्तित्व बचाने का संकट होगा। महज एक महीने में ही पार्टी में ऐसा बिखराव शुरू हुआ कि ममता बनर्जी की लाख कोशिशों के बावजूद पार्टी लगातार टूटती जा रही है। ऐसा कहा जाने लगा है कि तृणमूल में कुछ मूल बचेगा भी या नहीं? नेताओं का अंदरूनी असंतोष पार्टी को लगातार तोड़ने का काम कर रहा है।

कहते हैं वर्तमान को देख कर भविष्य के बारे में अनुमान लगाना मुश्किल नहीं होता। यह कहावत तृणमूल कांग्रेस पर सटीक साबित हो रही है। पश्चिम बंगाल में हुए हालिया चुनाव में करारी हार के बाद तृणमूल कांग्रेस अपने अस्तित्व के सबसे बड़े संकट का सामना कर रही है। टीएमसी के हार के बाद राजनीति के जानकार कहने लगे थे कि अब पश्चिम बंगाल में 15 साल तक सत्ता सुख भोगने वाली पार्टी के लिए खराब दिन भी देखने पड़ सकते हैं जब उसके सामने अस्तित्व बचाने का संकट होगा। महज एक महीने में ही पार्टी में ऐसा बिखराव शुरू हुआ कि ममता बनर्जी की लाख कोशिशों के बावजूद पार्टी लगातार बिखरती जा रही है। ऐसा कहा जाने लगा है कि तृणमूल में कुछ मूल बचेगा भी कि नहीं? गौरतलब है पार्टी के 58 विधायकों ने विधानसभा स्पीकर को प्रस्ताव सौंपकर ऋतव्रत बनर्जी को विपक्ष का नेता और अलग विधायक दल के रूप में मान्यता देने की मांग की है। यही नहीं, तकरीबन 20 लोकसभा और राज्य सभा के कुछ सांसद भी बागी गुट के साथ साफ तौर पर आने की बात कह चुके हैं। एक राज्यसभा सांसद ने तो इस्तीफा भी दे दिया है। पश्चिम बंगाल में कभी राजनीति के चर्चित चेहरा रहे पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी के सहयोगी सुखेंद्र शेखर राय का कहना है कि तृणमूल कांग्रेस बख्तरबंद की ओर बढ़ रही है। उनका मानना है कि तृणमूल के हारने की वजह कई है, लेकिन सवाल महज हारने का नहीं है, बल्कि यह अपने विचारों से ही भटक गई है। वे मानते हैं कि तृणमूल में वामपंथ की शून्यता, कम्युनिष्ट पार्टी का व्यापक बोल बाला और वैश्वीकरण के अपने मूल लक्ष्य से ही पार्टी अलग हो चुकी है। जिन वजहों से पार्टी की हार हुई है पार्टी उन्हें स्वीकारने के लिए ही तैयार नही है। ऐसे में पार्टी का अस्तित्व बच पाए, तो बहुत बड़ी बात है।

दरअसल, पश्चिम बंगाल की राजनीति में कोई क्षेत्रीय दल दशकों तक टिक नहीं पाया। कम्युनिष्ट पार्टी ही सबसे ज्यादा समय तक सत्ता पर काबिज रही, लेकिन 15 साल पहले जब इसकी करारी हार हुई और तृणमूल कांग्रेस सत्ता में आई, वामपंथ फिर बंगाल में लौट नहीं सका। जाहिर है तृणमूल की करारी हार महज सत्ता विरोधी लहर का नतीजा नहीं है, बल्कि वहां की जनता का गुस्सा है जो 15 सालों से पककर फूटा। यह हार महज किसी क्षेत्रीय पार्टी की हार नहीं है, बल्कि कुशासन, तानाशाही, गुंडागर्दी, संविधान की सरेआम धज्जियां उड़ाने, सत्ता का अहंकार और हिंदुओं का चुन-चुन कर उत्पीड़न का परिणाम है। सत्ता पाकर कोई व्यक्ति या दल किस तरह खुद को सबसे बड़ा और तानाशाह समझने लगता है, यह तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता व उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी के कार्य और जनता के साथ बर्ताव में देखा जा सकता है। पिछले 15 वर्षों में ममता की नेतृत्व वाली सरकार ने हर क्षेत्र में अपनी मनमानी दिखाई। लोकतंत्र और संविधान का राग अलापने वाली ममता ने पार्टी और शासन को जैसा चाहा, वैसा चलाया, जब कि जैसा एक निष्पक्ष और सर्वहितकारी शासन जैसा होना चाहिए वैसा नहीं होने दिया। आतंक, गुंडागर्दी, माफिया गुटों को संरक्षण और सांप्रदायिकता का जहर फैलाना पश्चिम बंगाल शासन में आम बात थी। वहां कि जनता ही ममता और अभिषेक से त्रस्त्र नहीं थी, बल्कि तृणमूल के नेता, विधायक और जमीनी कैडर भी परेशान थे।

टीएमसी की हार के बाद सत्ता जैसे ही हाथ से फिसली वैसे ही पार्टी का आंतरिक और बाहरी कलह खुलकर सामने आ गई। जिसे ममता या उनके भतीजे के संभालते नहीं संभल रहा है। ममता ने पार्टी के बिखराव को रोकने और आत्ममंथन के नाम पर पश्चिम बंगाल की सभी संगठनात्मक समितियों और फ्रंटल संगठनों को भंग कर दिया है, लेकिन उससे बगावत करने वालों पर कोई असर दिखाई नहीं दे रहा है। न बगावती मनाने से मान रहे हैं और न तो समझाने का उन पर कोई असर दिख रहा है। बगावतियों का कहना है कि पार्टी तानाशाही और एकाधिकारी वादी ढर्रे पर चल रही है, जहां उनका कोई सम्मान नहीं है। दरअसल, क्षेत्रीय दलों में सत्ता का बागडोर एक-दो व्यक्तियों के हाथ में होती है। जिससे धीरे-धीरे पार्टी के योग्य व्यक्तियों में असंतोष पैदा होता है, लेकिन परिवारी पार्टी होने की वजह से इस असंतोष को पार्टी के साथ गद्दारी कहकर दबा दिया जाता है। इसका उदाहरण सपा, बसपा, शिवसेना और तृणमूल में हम देख सकते हैं। तृणमूल में जिस शुभेन्दु अधिकारी की आवाज और उनकी योग्यता को दर किनार करके ममता ने अपने भतीजे अभिषेक को आगे कर पार्टी की बागडोर सौंप दी, उस बगावती शुभेन्दु अधिकारी ने उनके ही चुनाव क्षेत्र से हराया ही नहीं, बल्कि सत्ता से बेदखल कर मुख्यमंत्री भी बन बैठे। देखने की बात यह है कि इसके बाद भी ममता को अभी भतीजा मोह परेशान किए जा रहा है। वे अपनी ही पार्टी के समर्पित कार्य-कर्ताओं की उपेक्षा ही नहीं कर रही हैं, बल्कि भतीजे के कहने पर ही सभी तरह का निर्णय ले रही हैं। क्षेत्रीय दलों का यह सबसे बड़ा दोष है-सत्ता के अलावा उनकी सोच का दायरा कभी आगे बढ़ता ही नहीं है। सपा और बसपा इसके बड़े उदाहरण हैं। दोनों कहने के लिए एक खास विचारधारा के साथ पार्टी को आगे बढ़ा रहे हैं, लेकिन न लोहिया कहीं नजर आते हैं और न ही आंबेडकर। न संविधान के पहुरुआ वाला रूप नजर आता है और न तो लोकतंत्र की रक्षा वाला ढंग ही कहीं नजर आता है, बल्कि वक्त-दर-वक्त उस कांग्रेस के साथ गलबहियां करते रहते हैं, जिस कांग्रेस के विरोध के फलस्वरूप ये पार्टियां अस्तित्व में आईं थीं। यही हाल ममता का है। जिस विचारधारा लोकतंत्र और संविधान की रक्षा और जनहित सर्वोपरि का नारा दे ममता सत्ता में आईं थीं वे नारे और विचारधारा सत्ता में आते ही फुर्र हो गए थे। जाहिर तौर पर पं.बंगाल में भ्रष्टाचार, शोषण, अन्याय, हिंसा, सांप्रदायिकता को बढ़ाने के बहुसूत्रीय कार्य को बढ़ावा देने का कार्य ममता सरकार ने किया, जिसका परिणाम ममता और अभिषेक बनर्जी की हार के रूप में सामने आया। कहते हैं व्यक्ति हो, परिवार हो या कोई संस्था-दल हो, जब वह चिंतन से विमुख हो हित-अहित, न्याय-अन्याय, धर्म-अधर्म और नैतिकता-अनैतिकता में अंतर करना भूल जाता है, तब उसके पतन के दिन प्रारंभ हो जाते हैं। तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस आई और वामपंथियों के पतन का सबसे बड़ा कारण यही रहा। जब अपना दोष दूसरों पर या अपनी कमी का ठीकरा दूसरों पर फोड़ा जाने लगे, तब उस व्यक्ति, समाज या दल के पतन को कोई नहीं रोक सकता है। तृणमूल के पतन या अस्तित्व खत्म होने की भविष्यवाणी करने वालों का चिंतन और अनुभव कहता है कि पार्टी यदि एकाधिकारीवादी प्रवृत्ति से उपर यदि नहीं उठ पाई तो, तृणमूल के अस्तित्व को बनाए रखना मुश्किल होगा। इतना तो साफ हो गया है कि ममता दीदी के दिन अब लद गए हैं। भाजपा को अपना प्रथम-शत्रु घोषित करने वाली ममता को बंगाल के लोग यदि सांप्रदायिकता और अधर्म की प्रतीक बताकर गालियां देते दिखाई दे रहे हैं-जबकि अब उनकी सत्ता नहीं है, तो अनुमान लगाया जा सकता है कि वहां जनता कितनी त्रस्त, परेशान और बदहाल थी।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

त्रिभाषा फार्मूला
डॉ. ओमप्रकाश प्रजापति

समावेशी विकास या फिर मानसिक बोझ

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ 2023) के लागू करने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कक्षा 6 से 9 तक त्रिभाषा सूत्र को समग्रता से लागू करने का निर्णय भारत के शैक्षिक और सांस्कृतिक परिदृश्य में एक बहुत बड़ा कदम है। शिक्षा के क्षेत्र में भाषा केवल संवाद या विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम नहीं होती यह ज्ञान, संस्कृति, राष्ट्रीय अस्मिता और मनुष्य की सोचने-समझने की मौलिक क्षमता के विकास का आधार होती है। यही कारण है कि प्रतिष्ठित संस्थाओं और देश के प्रख्यात शिक्षाविदों ने सीबीएसई के इस निर्णय को प्रशंसनीय बताया है। इसके विपरीत महानगरों के कुछ छात्रों और उनके अभिभावकों द्वारा देश की सर्वोच्च अदालत में इस नीति के खिलाफ जनहित याचिका दायर करना और इसे 'मानसिक बोझ' बता देना एक नए वैचारिक टकराव को जन्म देता है। इस स्थिति को समझने के लिए हमें इस विषय के व्यावहारिक, वैज्ञानिक और सामाजिक पहलुओं का गहराई से विश्लेषण करना होगा। दुनिया के मानचित्र पर यदि हम चीन, जापान, रूस, जर्मनी, फ्रांस व ब्राजील जैसे विकसित और विकासशील देशों पर दृष्टि डालेंतो अनुभव होता है कि इन सभी राष्ट्रों ने अपनी प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा का पूरा ढांचा अपनी मातृभाषा या अपनी राष्ट्रीय भाषाओं पर ही केंद्रित रखा है। यूनेस्को जैसी वैश्विक संस्था भी लगातार इस बात जोर दे रही है कि बच्चों को उनकी शुरुआती कक्षाओं में मातृभाषा में ही शिक्षा दी जानी चाहिए। जिससे उनकी सोचने और समझने की मौलिक शक्ति का ह्रास नहीं होता। जब दुनिया के विकसित देश अपनी भाषाओं के माध्यम से विज्ञान, तकनीक और चिकित्सा के क्षेत्र में सर्वोच्च मुकाम हासिल कर सकते हैं तो भारत में इस वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अपनाने पर आपत्ति क्यों होनी चाहिए? एक बड़ा प्रश्न यह भी उठता है कि जब हमारे देश का एक विशिष्ट वर्ग बच्चों पर छोटी उम्र से ही विदेशी भाषाएं सीखने या पूरी शिक्षा विदेशी भाषा के माध्यम से ग्रहण करने का दबाव बनाता है तब उन्हें कोई 'मानसिक बोझ' दिखाई नहीं देता, लेकिन जैसे ही बच्चों को मातृभाषा के साथ-साथ दो अन्य भारतीय भाषाएं सीखने का विकल्प दिया जाता है तो उसे बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए खतरा बताकर न्यायालयों का दरवाजा खटखटाया जाने लगता है। जब कोई छात्र अपने ही देश की किसी दूसरी भाषा को सीखता है तो वह केवल भाषा नहीं सीखता, बल्कि उस राज्य के इतिहास, लोक-साहित्य, परंपराओं और वहां के जनजीवन से जुड़ता है। एक उत्तर भारतीय छात्र का तमिल, तेलुगु, ओड़िया या मराठी सीखनाया एक दक्षिण भारतीय छात्र का हिंदी, संस्कृत या बांग्ला सीखना केवल एक अतिरिक्त विषय पढ़ना नहीं है यह उस पुल का निर्माण करना है जो दिलों को जोड़ता है। यह नीति 'अनेक भाषाएं एक भारत-समृद्ध भारत समर्थ भारत' को चरितार्थ करती है जो भारत को समस्त विश्व में एक नई पहचान देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस 'मानसिक बोझ' के मिथक को यदि आधुनिक भाषा विज्ञान और न्यूरोसाइंस से समझा जाए, तो यह पूरी तरह से एक काल्पनिक और वैज्ञानिक आधार से परे का कुतर्क साबित होता है। इस गहरी समानता के कारण एक भारतीय छात्र के लिए अपने ही देश की किसी दूसरी क्षेत्रीय या शास्त्रीय भाषा को सीखना किसी बिल्कुल अनजानी विदेशी भाषा जैसे फ्रेंच, जर्मन को सीखने की तुलना में बहुत आसान सुगम और स्वाभाविक होता है। तीन भाषाओं के अध्ययन को एक 'अतिरिक्त बोझ' के रूप में प्रचारित करना वास्तव में हमारे बच्चों की सीखने की प्राकृतिक और असीम क्षमता को कम आंकने जैसा है। यदि हम भारत के विभिन्न राज्य माध्यमिक शिक्षा बोर्डों को देखें तो पाएंगे कि देश के अधिकांश राज्यों में कक्षा 6 से 10 तक त्रिभाषा सूत्र पहले से ही सफलतापूर्वक और बिना किसी व्यवधान के चल रहा है। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान से लेकर महाराष्ट्र, गुजरात और दक्षिण के कई राज्यों के सरकारी और निजी स्कूलों में ग्रामीण और सामान्य आर्थिक पृष्ठभूमि के छात्र अंग्रेजी और अपनी राज्य की मुख्य भाषा के साथ-साथ एक अन्य भारतीय भाषा (प्रायः हिंदी संस्कृत या कोई क्षेत्रीय भाषा) का अध्ययन दशकों से कर रहे हैं। इन करोड़ों छात्रों को कभी तीन भाषाएं पढ़ने में कोई कठिनाई या मानसिक तनाव महसूस नहीं हुआ और न ही इससे उनकी शैक्षणिक प्रगति में कोई बाधा आई। अनेक भाषाएं, एक भारत के इसी मूल मंत्र को अपनाकर ही हम एक सांस्कृतिक रूप से सजग मानसिक रूप से सुदृढ़ और दुनिया के सामने आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सकते हैं।

(लेखिक हिमाचल प्रदेश के केंद्रीय विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जीवन का प्रथम अनुबंध किसको माना है?

संकलित
दर्शन

अनुबंध चतुष्टय में 'अधिकारी' को प्रथम अनुबंध स्वीकार किया गया है। मानव की आध्यात्मिक और लौकिक यात्रा के निर्विघ्न संचालन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। लोक में इसके लिए योग्यता या पात्रता पद का प्रयोग होता है, जिसका तात्पर्य है, किसी कार्य के निष्पादनार्थ पात्रता प्राप्त करना।सामान्यतः प्रत्येक कार्य के लिए प्रत्येक व्यक्ति पात्र नहीं होता। इसलिए अनधिकारी व्यक्ति द्वारा किया गया कार्य सफल और लोकमंगलकारी हो, यह आवश्यक नहीं, परंतु अधिकारी (पात्र) व्यक्ति द्वारा किया गया प्रत्येक कार्य सफल भी होता है और लोकमंगलकारी भी। इसलिए अधिकारी आत्मिक और जागतिक कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने वाला मानव जीवन का प्रथम अनुबंध है। इसीलिए इसे शास्त्रों में विशेष महत्व दिया गया है। वेदांत में अधिकारी को परिभाषित करते हुए कहा गया-जिसने विधिवत ज्ञान प्राप्त कर काम्य एवं निषिद्ध कर्मों का परित्याग कर दिया है। नित्य, नैमित्तिक और उपासनादि कर्म करने से जिसकी बुद्धि परिष्कृत और अंतःकरण निर्मल हो चुका है, ऐसा पापरहित व्यक्ति ही विशिष्ट ज्ञान का अधिकारी है। विश्वामित्र आदि ऋषियों ने अधिकारी समझकर ही राम को विविध आयुध प्रदान किए, जिससे उनका दुरुपयोग न हो सके। जैसे अधिकारी व्यक्ति का ज्ञान लोकमंगल के लिए होता है, उसी प्रकार अधिकारी को प्रदान की गईं शक्तियां समाज, देश और मानवता की रक्षा के लिए होती हैं। इतिहास साक्षी है कि जब भी अनधिकारी को शक्तियां प्रदान की गई हैं, उनका दुरुपयोग ही हुआ है।

दान की बड़ी महिमा

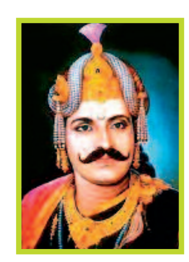

संकलित
प्रेरणा

एक बार राजा भोज एक जंगल के रास्ते से जा रहे थे। साथ में उनके राजकवि पंडित धनपाल भी थे। रास्ते में एक विशाल बरगद के पेड़ में मधुमक्खियों का एक बहुत बड़ा छत्ता लगा था। जो शहद के भार से गिरने ही वाला था।राजा भोज ने ध्यान से देखा तो पाया कि मधुमक्खियां उस छत्ते से अपने हाथ पैर घिस रही हैं। उन्होंने राजकवि से इसका कारण पूछा। राजकवि बोले- महाराज ! दान की बड़ी महिमा है। शिवि, दधीचि, कर्ण, बलि आदि अनेक दानियों का नाम उनके न रहने के बाद भी चल रहा है। जबकि केवल संचय करने और दान न करने वाले बड़े बड़े राजा महाराजाओं का आज कोई नाम लेने वाला भी नहीं है। इन मधुमक्खियों ने भी आजीवन केवल संचय ही किया है, कभी दान नहीं किया। इसलिए आज अपनी संपत्ति को नष्ट होते देखकर इन्हें दुःख हो रहा है। इसीलिए ये अपने हाथ पैर घिस रही हैं। अतः आवश्यकता से अधिक संचय हमेशा दुःख का कारण होता है। मनुष्य भी जीवन भर संपत्तियों का संचय करता है। संपत्ति संचय के लिए तरह-तरह के पैतरे अपनाता है पर अंततः जब मृत्य आती है तो संचय की गई संपत्ति यही छोड़कर जाना पड़ता है। उस संचित संपत्ति पर परिवार के सदस्यों का हक होता है। इसी जरूरत से ज्यादा संपत्ति के संचय से बचना चाहिए।

अंतर्मन

आज की पाती

साइबर सुरक्षा के लिए जनचेतना जरूरी

आज हमारे देश में साइबर फ्रॉड के मामले बहुत बढ़ गए हैं। इसके लिए जागरूकता अभियान बहुत जरूरी है। साइबर सुरक्षा के लिए इन बातों पर ध्यान रखना जरूरी है। एसएमएस या व्हाट्सएप पर आए किसी भी अनजान लिंक को न खोलें। किसी को भी ओटीपी या अपने इंटरनेट बैंकिंग की डिटेल न दें। केवाईसी के नाम पर भी साइबर फ्रॉड हो सकता है। इसके लिए बैंक से संपर्क करें। आजकल तो ई-चालान, बिजली बिल भरने के नाम पर धोखाधड़ी के मैसेज आ रहे हैं, इनसे भी सावधान रहें। अपने नेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग के पासवर्ड और पिन बदलते रहें। हालांकि सरकार ने साइबर धोखाधड़ी से बचने के अनेक उपाय किए हैं, लेकिन समूह समाज को भी सचेत रहना होगा।

- महेश कुलकर्णी, बिलासपुर

ट्रेंड

संविधान पर हमले जारी

संविधान पर हमले जारी हैं। जांच एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्षी नेताओं को परेशान करने के लिए किया जा रहा है। आर्थिक माहौल कमजोर है। निवेश अपेक्षित गति से नहीं आ रहा, रोजगार पर असर पड़ रहा है। **-मल्लिकार्जुन खरगे,** अध्यक्ष, कांग्रेस

स्वार्थी भाजपा में जा रहे

साल 2024 में इन सांसदों ने टीएमसी के टिकट पर जीत दर्ज की थी और यह जनादेश एनडीए के लिए नहीं था। पीली पतलून वाले जितने भी लालची और स्वार्थी हैं, वे अब बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। यूसुफ पठान थोड़ी हिम्मत दिखाइए, हमारे जिले ने आपको भारी बहुमत से जिताया है, इसलिए थोड़ी शर्म दिखाइए। **-महुआ मोइत्रा,** सांसद टीएमसी

अवैध शिकार में शामिल

पश्चिम बंगाल चुनाव का (भाजपा प्रभारी के तौर पर) काम देखने वाले केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव 'अवैध शिकार' में शामिल हुए हैं। इन मंत्री का विशेष काम शिकारियों को पकड़वाना और अवैध शिकार को रोकना है, न कि खुद ऐसा करना। **-जयराम रमेश,** कांग्रेस महासचिव

टीम को मानकों पर परखें

अब समय आ गया है कि टीम को 'बदलाव के दौर' में बताने के बजाय टेस्ट क्रिकेट के मानकों पर परखा जाए। हाल के टेस्ट नतीजों को देखें तो गेंदबाजों ने काम काफी हद तक किया, लेकिन बल्लेबाजों को, अनुशासन व बेहतर तकनीक दिखाने की जरूरत है। **-सुनील गावस्कर,** पूर्व कप्तान, क्रिकेट

करंट अफेयर

सजा पूर्ण पर बांग्लादेश की जेलों में बंद 150 भारतीय

लगभग 150 भारतीय अपनी जेल की सजा पूरी करने के बावजूद अब भी बांग्लादेश की जेलों में बंद हैं, क्योंकि प्रक्रिया से संबंधित देरी के कारण उनकी स्वदेश वापसी नहीं हो पा रही है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक जेल अधिकारी ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर बताया कि छह महीने पहले प्रकाशित जेल आंकड़ों के अनुसार, बांग्लादेश की जेलों में 152 विदेशी कैदी बंद हैं, जिनमें 148 भारतीय शामिल हैं। ये सभी अपनी सजा पूरी कर चुके हैं, फिर भी जेल में हैं।अधिकारी ने कहा कि इनमें से कई विदेशी कैदियों ने वर्षों पहले अपनी सजा पूरी कर ली थी, लेकिन पहचान सत्यापन की प्रक्रिया, नौकरशाही से जुड़ीं अड़चनों और राजनयिक स्तर पर निष्क्रियता के कारण इनकी रिहाई और वापसी में देरी हो रही है। उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में इन भारतीय को अवैध रूप से सीमा पार करने जैसे आरोपों में गिरफ्तार किया गया था। न्यूज पोर्टल ने खबर दी कि दक्षिण-पश्चिमी शरियतपुर जिला जेल में ही 17 भारतीय कैदी अपनी सजा पूरी करने के बावजूद अब भी बंद हैं। जेल अधिकारियों के अनुसार, उनकी स्वदेश वापसी की प्रक्रिया अभी तक पूरी नहीं हो सकी है।

ऑफ बीट

औषधीय भांग का इस्तेमाल करने वालों की संख्या बढ़ी

ऑस्ट्रेलिया में चिकित्सक लोगों को पहले से कहीं अधिक औषधीय भांग लेने का परामर्श दे रहे हैं। औषधीय भांग का मतलब कानूनी रूप से निर्धारित भांग उत्पादों से है। ये या तो पौधे ही होते हैं, या पौधे से निकाले गए प्राकृतिक तत्व होते हैं। टेट्राहाइड्रोकैनाबिनोल (टीएचसी) और कैनाबिडियोल (सीबीडी) जैसे तत्वों को कैनाबिनोइड्स कहा जाता है। कुछ कैनाबिनोइड्स प्रयोगशालाओं में भी बनाए जाते हैं और ये पौधे में मौजूद तत्वों की तरह काम करते हैं। औषधीय भांग विभिन्न रूपों में आती है, जैसे तेल, कैप्सूल, सूखे फूल (वाष्पीकरण में इस्तेमाल किए जाने वाले), स्प्रे और खाद्य रूप जैसे 'गमी' आदि। वर्ष 2016 में विनियामक परिवर्तनों के बाद से औषधीय भांग को अधिक सुलभ बनाया गया है। ऑस्ट्रेलिया के नियामक ने 7,00,000 से अधिक अनुमोदन जारी किए हैं इनमें से लगभग आधे अनुमोदन ऐसे पुराने दर्द के लिए हैं जो कैंसर के कारण नहीं है। ऑस्ट्रेलिया में 45 वर्ष या उससे अधिक आयु का पांच में से एक व्यक्ति क्रॉनिक दर्द (पुराने दर्द) से पीड़ित है जिसका लोगों के जीवन पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

खाद्य तेलों के कम वजन पर अब लगाम, खेल करके नहीं वसूल पाएंगे मनमाने दाम

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

अलग खबर

खाद्य तेलों में करीब एक साल से वजन कम करके जो मनमाने दाम वसूलने का खेल रहा था, उस पर अब केंद्र सरकार ने लगाम लगाने का काम किया है। अब उत्पादक कंपनियों को पहले की तरह ही एक लीटर का पाउच बनाना पड़ेगा। छूट मिलने के बाद एक लीटर के स्थान पर 650, 750 और 800 एमएल के पाउच बनाकर ग्राहकों को भ्रम में डालकर ठगने का काम हो रहा है। कम वजन की छूट जिस मकसद से दी गई थी, उसके स्थान पर ग्राहक लुट रहे थे। ऐसे में केंद्र सरकार ने ग्राहकों को राहत देने के लिए वजनों का एक बार फिर से मानक तय कर दिया है। इसी के साथ कंपनियों और कारोबारियों को अपना पुराना स्टाक खपाने के लिए तीन माह का समय दिया गया है। किसी भी हाल में एक सितंबर के बाद कम वजन वाले खाद्य तेलों के पाउच नहीं बिकेंगे। खाद्य तेलों में पहले सभी कंपनियों के एक लीटर के ही पाउच आते थे। इसी के साथ पांच लीटर के साथ 15 किलो का टिन का तेल आता था। लेकिन गरीब परिवारों को जो एक लीटर का पाउच नहीं ले पाते हैं, उनको राहत देने के लिए तेल की उत्पादक कंपनियों को कम वजन करके पाउच बनाने की छूट दी गई थी, ताकि गरीब परिवार अपने बजट के हिसाब से कम वजन वाले तेल के पाउच लेकर अपना काम चला सके।

पुराना स्टाक खपाने के लिए तीन माह का दिया गया समय

छूट में होने लगी थी लूट, एक लीटर में 800-730 एमएल मिल रहा

केंद्र सरकार ने तो गरीब परिवारों को राहत देने के लिए खाद्य तेलों के पाउच को किसी भी वजन में बनाने की छूट दी थी। लेकिन इस छूट में कई कंपनियां लूट करने लगी। छूट मिलने के बाद इसके पैक अब अलग-अलग कंपनियां अपनी मर्जी से कर रही हैं तो इसमें कीमत का खेल हो रहा है। कम वजन के कारण दाम ज्यादा देने पड़ रहे हैं। एक उदाहरण हरेली तेल का ही लेते हैं। इस तेल के दाम हमेशा कीर्ति गोल्ड के सोया तेल से कम से कम पांच रुपए कम रहते हैं, लेकिन अब इसके दाम उससे ज्यादा हो गए हैं। इसके पीछे वजन का खेल है। हरेली ने अब एक लीटर का पैक ही बंद कर दिया है। अब 730 ग्राम यानी 800 एमएल का पैक लाया गया है। इसके चिल्हर में दाम 130 रुपए हैं। यानी एक लीटर के दाम हो गए 162.50 रुपए। इतने दाम तो कीर्ति गोल्ड के भी नहीं है। कीर्ति गोल्ड एक लीटर का इस समय चिल्हर में 150 से 155 रुपए बिक रहा है। ज्यादातर कंपनियों ने अपने एक लीटर के पैक को कम वजन का कर दिया है तो उसके दाम बढ़ गए हैं। सोया का फार्च्यून 840 एमएल का आ रहा है। इसके दाम चिल्हर में 150 रुपए है। इसके एक लीटर के दाम का हिसाब किया जाए तो यह 175 रुपए का पड़ रहा है। सनफ्लावर का 800 एमएल का पैक चिल्हर में 170 रुपए का मिल रहा है। यानी इसका एक लीटर का पैक 212.50 रुपए का पड़ेगा। यह तेल तो फल्ली तेल से भी महंगा हो गया है। फल्ली तेल इस समय चिल्हर मे 190 रुपए में मिल रहा है। एक और बात यह भी है कि कई दुकानदार तो कम वजन की जानकारी भी ग्राहकों को नहीं देते हैं। ग्राहक जिसको एक लीटर का पाउच समझ कर लेते है, वहीं कम वजन का रहता है।

अब एक लीटर का आएगा पाउच

केंद्र सरकार ने वापस एक बार सभी कंपनियों के खाद्य तेलों को एक लीटर का बनाने का आदेश जारी किया है। अब 31 अगस्त के बाद कम वजन वाले पाउच नहीं बिकेंगे। तीन माह का समय पुराना स्टाक समाप्त करने के लिए दिया गया है।

- प्रेम पाहूजा, अध्यक्ष, डूमरतराई थोक बाजार

खबर संक्षेप

ड्यूटी के दौरान आरक्षक ने खुद को मारी गोली

कोण्डागांव। जिले के उरंदाबेड़ा थाना परिसर में सोमवार को ड्यूटी पर तैनात एक आरक्षक ने अपनी सर्विस राइफल से स्वयं को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस कारणों का पता लगाने में जुटी है। जानकारी के अनुसार 5वीं बटालियन जगदलपुर की ई कंपनी में पदस्थ आरक्षक जोगेंद्र नेताम की ड्यूटी थाना उरंदाबेड़ा में लगाई गई थी। सोमवार सुबह लगभग 11:50 से 12 बजे के बीच उन्होंने थाना मोर्चा पर ड्यूटी के दौरान अपने इश्यूशुदा हथियार से गोली चला ली, जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला पारिवारिक कारणों से जुड़ा हुआ प्रतीत हो रहा है। हालांकि घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस द्वारा विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच की जा रही है। घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा ने कहा कि आरक्षक जोगेंद्र नेताम पुलिस बल के एक समर्पित और जिम्मेदार सदस्य थे। उनके आकस्मिक निधन से पूरा पुलिस परिवार स्तब्ध और शोकाकुल है।

छत्तीसगढ़ औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन अधिनियम के तहत सरकार का फैसला

उद्योगों के लिए मंजूरी में अब देर नहीं विभागों के साथ बनाई नोडल एजेंसी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में उद्योगों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को मिलने वाली विभिन्न मंजूरियों, अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) और अनुमोदनों की प्रक्रिया को तेज करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सरकार ने एक राज्य स्तरीय नोडल एजेंसी का गठन किया है, जो विभिन्न विभागों में लंबित आवेदनों की समीक्षा करेगी और समय-सीमा के भीतर उनके निपटारे को सुनिश्चित करेगी। राज्य सरकार ने यह फैसला छत्तीसगढ़ औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन अधिनियम के तहत लिया है।

निवेशकों के लिए 'सिंगल विंडो' व्यवस्था : सरकार का उद्देश्य उद्योगों को विभिन्न विभागों के चक्कर लगाने की बजाय एक अधिक प्रभावी और जवाबदेह व्यवस्था उपलब्ध कराना है। नोडल एजेंसी सिंगल विंडो पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों की नियमित समीक्षा करेगी और यह देखेगी कि निर्धारित समय सीमा के भीतर उनका निपटारा हो रहा है या नहीं। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब राज्य सरकार छत्तीसगढ़ को निवेश के लिए अधिक आकर्षक गंतव्य बनाने की कोशिश कर रही है। उद्योगों की ओर से अक्सर मंजूरियों में देरी को निवेश की राह में बड़ी बाधा माना जाता रहा है।

नोडल एजेंसी सिंगल विंडो पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों की नियमित समीक्षा करेगी

लंबित आवेदनों पर सीधे फैसला लेने की शक्ति

नोडल एजेंसी को केवल समीक्षा तक सीमित नहीं रखा गया है। अधिसूचना के अनुसार यदि कोई आवेदन निर्धारित समय सीमा से अधिक समय तक लंबित रहता है तो एजेंसी उसे अनुमोदित करने का अधिकार भी रखेगी। जानकारों का मानना है कि यह प्रावधान विभागीय देरी को कम करने और निवेशकों का भरोसा बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

उद्योग स्थापना की समय-सीमा की भी होगी समीक्षा

नोडल एजेंसी विभिन्न सेवाओं के लिए तय समय-सीमा और उद्योगों की स्थापना तथा संचालन के लिए निर्धारित टर्न अराउंड टाइम की भी समीक्षा करेगी। आवश्यकता पड़ने पर इन समय-सीमाओं में बदलाव करने का अधिकार भी उसे दिया गया है। इसका मतलब है कि भविष्य में उद्योग लगाने से जुड़ी प्रक्रियाओं को और सरल तथा तेज बनाने के लिए प्रशासनिक सुधार किए जा सकते हैं।

शीर्ष अधिकारियों को शामिल किया गया

इस राज्य स्तरीय नोडल एजेंसी की अध्यक्षता वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव करेंगे, जो राज्य निवेश प्रोत्साहन बोर्ड के संयोजक भी हैं। समिति में उद्योग संचालनालय, छत्तीसगढ़ स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन, वन विभाग, पर्यावरण संरक्षण मंडल, श्रम विभाग, नगरीय प्रशासन, राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य सेवाएं तथा अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं सहित कई प्रमुख विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को सदस्य बनाया गया है।

क्या है इस फैसले का महत्व?

राज्य सरकार का यह निर्णय ऐसे समय आया है जब विभिन्न राज्य निवेश आकर्षित करने के लिए प्रक्रियाओं को सरल और समयबद्ध बनाने की दिशा में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में नई नोडल एजेंसी के गठन से मंजूरियों की प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ने की उम्मीद है। यदि यह व्यवस्था प्रभावी ढंग से लागू होती है तो उद्योगों की स्थापना की गति तेज हो सकती है और राज्य में नए निवेश को बढ़ावा मिल सकता है।

लीडिंग इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन बनाने का लक्ष्य

नोडल एजेंसी को केवल मंजूरियों की निगरानी तक सीमित नहीं रखा गया है। उसे राज्य को एक अग्रणी निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए दीर्घकालिक नीतिगत मार्गदर्शन देने, वैश्विक साझेदारियों को प्रोत्साहित करने और निवेश-अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। सरकार का मानना है कि इससे राज्य में उच्च प्रभाव वाले निवेश आकर्षित होंगे और अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक असर पड़ेगा। साथ ही, निवेशकों की सुविधा के लिए राज्य निवेश प्रोत्साहन बोर्ड और थर्ड पार्टी एजेंसियों के कामकाज की समीक्षा भी यह एजेंसी करेगी।

पावरग्रिड POWERGRID

सूचना

1. पश्चिमी क्षेत्र में "ईआरपीसी एवं डब्ल्यूआरपीसी की अनुशंसाओं के अनुसार ट्रांसफार्मर एवं रिएक्टर की खरीद" योजना के अंतर्गत बिलासपुर उपकेंद्र में स्थापित 01 संख्या 765 केवी, 80 एमवीएआर एकल–फेज रिएक्टर के लिए वित्तीय वर्ष 2019–24 की पारेषण शुल्क (टैरिफ) का टू–अप तथा वित्तीय वर्ष 2024–29 के लिए पारेषण शुल्क निर्धारण संबंधी याचिका, विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 62 एवं धारा 79(1)(घ), केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग (कार्य संचालन) विनियम, 2023 के विनियम 15(1)(क) एवं विनियम 23 तथा केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग (टैरिफ के नियम एवं शर्तें) विनियम, 2019 एवं 2024 के प्रावधानों के अंतर्गत दायर की गई है।
2. उपर्युक्त पारेषण प्रणाली के लाभार्थी निम्नलिखित हैं: (1) मध्य प्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (एमपीपीएमसीएल), जबलपुर (2) महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एमएसईडीसीएल), मुंबई (3) गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (जीयूवीएनएल), वडोदरा (4) विद्युत विभाग, गोवा सरकार, पणजी (5) दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (डीएनएचडीडीपीसीएल), सिलवासा (6) छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीडीसीएल), रायपुर (7) केंद्रीय पारेषण उपयोगिता भारत लिमिटेड (सीटीयूआईएल)
3. टैरिफ का विवरण:

(क) 2019–24 ब्लॉक ₹ लाख में

परिसंपत्ति सं.	डीओसीओ / ईकोड	31.03.2024 तक पूर्णता लागत	टैरिफ
1	06.10.2023	580.71	ट–अप के आधार पर संशोधित वार्षिक स्थिर प्रभार

2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24
-	-	-	-	45.44

ख) 2024–29 ब्लॉक ₹ लाख में

परिसंपत्ति सं.	31.03.2029 तक पूर्णता लागत	
1	674.78	एएफसी

2024-25	2025-26	2026-27	2027-28	2028-29
98.22	101.59	99.04	96.41	93.79

4. यह सूचना और टैरिफ के निर्धारण हेतु किए गए आवेदन की एक प्रति आवेदक की वेबसाइट www.powergrid.in पर प्रकाशित की गई है।
5. आवेदन में निहित टैरिफ के निर्धारण हेतु प्रस्तावों पर लाभार्थी सहित किसी व्यक्ति द्वारा सुझाव और आपत्तियां, यदि कोई हों, याचिकाकर्ता को उसके कारपोरेट कार्यालय के पते पर एक प्रति सहित, सचिव, केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग, छठा, सातवां एवं आठवां तल, टॉवर बी, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, नौरोजी नगर, नई दिल्ली–110029 (या अन्य पता पर जहां आयोग का कार्यालय स्थित है) को इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के अंदर प्रस्तुत की जा सकती हैं।

स्थान: गुरूग्राम
तिथि: 09.06.2026

हस्ता./–
वरिष्ठ उप महाप्रबंधक (वाणिज्यिक)

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
कॉर्पोरेट कार्यालय: सौदामिनी, प्लॉट नंबर–2, सेक्टर–29, गुरूग्राम, हरियाणा–122001
पंजीकृत कार्यालय: बी–9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया कटवारिया सराय, नई दिल्ली–110016
वेबसाइट: www.powergrid.in, सीआईएन: L40101DL1989GOI038121
एक महारत्न पीएसयू

PG/CC/Notice-23/Advt-27/26-27

नई स्कूटी में केक रख कटार से काटकर वीडियो किया वायरल पुलिस ने निकाला जुलूस

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिलाई

भिलाई तीन पुलिस थाना क्षेत्र की घटना

नई स्कूटी में सवार होकर बर्थ डे मनाने और हाथ में हथियार लहाराने का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी युवक ने रील बनाकर सोशल मीडिया में वायरल कर दिया था, जिसे देख पुलिस ने कार्रवाई की। भिलाई तीन पुलिस ने बताया कि 6 जून की रात ग्राम दादर भिलाई 3 निवासी नितिन कुमार डहरिया उर्फ बंटी का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। पुलिस को सूचना मिलने पर दादर रोड पुलिया के पास से बंटी को पकड़ा गया। आरोपी के पास से 14 इंच लंबा लोहे का धारदार हथियार भी बरामद किया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने हथियार का वैध दस्तावेज मांगा लेकिन उसके पास कोई अनुमति पत्र, लाइसेंस तक पेश नहीं कर पाया। पुलिस ने हथियार को जब्त किया है। जिसकी कीमत करीब 300 रुपए आंकी गई है। पुलिस ने उसके बाद बंटी का सार्वजनिक रूप से जुलूस भी निकाला। उसे कान पकड़कर उठक-बैठक भी करायी गयी। बंटी को न्यायालय में पेश कर उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने आर्म्स एक्ट की धारा 25,27 के तहत जुर्म जर्ज किया है।

पति ने पत्नी पर खौलता पानी डाला, जुर्म दर्ज

बालोद। थाना क्षेत्र के ग्राम पड़कीभाट में रात के खाने में लौकी की सब्जी बनने से नाराज पति महेश साहू ने पत्नी रूमा साहू पर गर्म अंडे फेंके और खौलता पानी फेंक दिया। घटना में महिला कई स्थानों पर झुलस गई, जिसे डायल–112 की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में ले लिया।

खमहारडीह जंगल में अवैध कटाई डिप्टी रेंजर और बीट गार्ड निलंबित

छुईखदान। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के छुईखदान विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत भूजारी के खमहारडीह जंगल में कथित अवैध पेड़ कटाई के मामले में वनमंडल अधिकारी पंकज राजपूत ने तत्काल प्रभाव से क्षेत्र के डिप्टी रेंजर डेमन सिंह पदमाकर एवं बीट गार्ड ताराचंद यादव को निलंबित कर दिया है। साथ ही अन्य संभावित जिम्मेदार व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। जानकारी के अनुसार, विगत दिनों खमहारडीह जंगल में जेसीबी मशीन और लख्खा आरा की सहायता से बड़ी संख्या में हरे-भरे पेड़ों की कटाई किए जाने की शिकायत मिली थी।

सोमनी मामले में बीएमओ सस्पेंड

राजनांदगांव। सोमनी के ईरा गांव की नाबालिग लड़की की जांच में लापरवाही पर लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा बीएमओ डॉ. एनके टंडन को सस्पेंड कर दिया है। वहीं इस मामले में उपयोग हुई कीट की भी जांच रिपोर्ट का इंतजार सप्लायर के खिलाफ एक्शन के लिए हो रहा है। उल्लेखनीय है कि ईरा गांव की एक 14 वर्षीय नाबालिग को गर्भवती बता दिया गया था।

HMS साईटिका तेल
शिव सायटिका
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है

सीला मलहम ®
अंदर की खुजली व बदबू के लिये, चिंगार पानी, शिला, छितरी सफेद दाग, पुरानी खुजली एवं शरीर में जलन तथा मिठी खुजली में केवल तीन दिनों में असर देंखे ....
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

AB आई हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
पता : - 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डायबिटिक क्लीनिक
डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770, 9329004557, 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

Skin Care
डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सिंघानिया स्किन केयर
सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्पलेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479, 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बडों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221, 9301744425

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

हम सभी करते हैं गलतियां

मुंबई। 'भाबीजी घर पर हैं'के निर्माता पर यौन उत्पीड़न के झूठे आरोप के खुलासे के बाद शिल्पा शिंदा सुर्खियों में हैं। वहीं, शिल्पा शिंदे पर जुबानी हमला करने के बाद हिना खान भी लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। हिना ने शिल्पा शिंदे की आलोचना की थी। इसके बाद हिना को लोगों ने निशाने पर लिया था। अब हिना खान ने आलोचकों को जवाब दिया है। हिना खान ने इंस्टाग्राम पर अपने प्रशंसकों के लिए नोट साझा किया है। ट्रोलिंग के बीच एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपने फॉलोअर्स के लिए एक संदेश साझा किया, इसमें उन्होंने नफरत की जगह दयालुता को चुनने की अपील की। हिना ने लिखा, 'हम सभी गलतियां करते हैं और समय के साथ हम सभी बदलते हैं। मैंने यहां-वहां कुछ ट्वीट पढ़े, मैंने हमेशा नफरत के बजाय दयालुता, प्यार और ह्युमिनिटी को चुना है। अगर आप मेरे फैन हैं, तो मैं आपसे भी इसी दृढ़ता और स्पष्टता के साथ व्यवहार करने की अपील करती हूं।' अभिनेत्री ने अपने फॉलोअर्स को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि दूसरों के प्रति नफरत और कठोर व्यवहार किए बिना हमें अपनी बात मनवाने के लिए इतना नीचा नहीं गिरना चाहिए। हम अमानवीय या नफरत भरे हुए बिना भी ऐसा कर सकते हैं। हम हमेशा शालीनता से अपनी बात रख सकते हैं और फिर भी प्रभावी हो सकते हैं। करुणा और प्रेम हमारी ताकत होनी चाहिए।

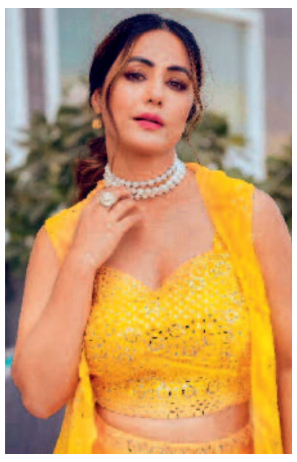

राज कपूर का वो भाई, जिसे सिनेमा ने भुलाया!

फिल्मों का अमीर सेठ, हीरोइनों का खड़ूस बाप, आवाज से थर्राते थे हीरो

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा में कपूर खानदान का रुतबा आज भी जारी है। ये रुतबा आज या कल से नहीं बल्कि कई दशकों से है। कपूर खानदान की जड़ें हिंदी सिनेमा में काफी पहले से हैं और यही वजह है कि कपूर खानदान के लोग आज भी सिनेमा में एक्टिंग कर रहे हैं। पृथ्वीराज कपूर से शुरू हुआ कारवां आज रणबीर कपूर और करीना कपूर तक आ पहुंचा है, लेकिन इसी कपूर खानदान में एक ऐसा भी स्टार आया जिसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है। कौन है वो फिल्मों का अमीर सेठ और हीरोइन का खड़ूस बाप, जिसकी एक आवाज से थर्रा उठते थे सिनेमाघर, आज कहानी उन्हीं की...

कौन थे पिंचू कपूर?

कपूर खानदान के जिस एक्टर की हम बात कर रहे हैं असल में वह पिंचू कपूर थे। वही पिंचू कपूर जो असल में राज कपूर के भाई थे। पिंचू कपूर पृथ्वीराज कपूर के भतीजे और शोमैन राज कपूर, शम्मी कपूर और शशि कपूर के कजिन भाई (चचेरे भाई) थे। इसके बावजूद उन्होंने इंडस्ट्री में कभी इस नाम का सहारा नहीं लिया और खुद को एक स्वतंत्र कलाकार के रूप में स्थापित किया। यही वजह है कि उन्होंने सिनेमा में कई फिल्में की, लेकिन यह बहुत कम लोगों को मालूम था कि वो असल में कपूर खानदान से ताल्लुक रखते हैं। पिंचू कपूर का जन्म 1927 में अविभाजित भारत के रावलपिंडी (अब पाकिस्तान में) में हुआ था। बाद में उनका परिवार भारत के जयपुर में आकर बस गया। उनका असली नाम लाल पुष्पेंद्र कपूर था। हालांकि, लोग उन्हें पिंचू कपूर के नाम से जानते थे।

असल जिंदगी में भी रहते थे ठसन से

इसके बाद वह साल 1978 में डॉन में दिखे। इस फिल्म में उन्होंने इंटरपोल ऑफिसर आर.के. मलिक की बेहद अहम भूमिका निभाई थी। फिल्म का वो सीन आज भी याद किया जाता है, जिसमें नकली बने अमिताभ बच्चन उन्हें पहचानते हैं। इसके बाद वह अवतार, कर्ज, झूठा कहीं का, कामचोर, शराबी और हकीकत समेत कई फिल्मों में वह नजर आए। बड़ी बात यह है कि उन्हें ज्यादातर फिल्मों में अमीर सेठ के किरदार में देखा गया। जी हां, असल में जिंदगी में भी वह काफी ठसक में रहते थे। उनका परिवार रसूखदार था। वहीं, फिल्मों में भी उन्हें इसी तरह के किरदार मिलते थे।

अपनी अलग पहचान बनाई

कभी वो हीरोइन के खड़ूस बाप बनते थे, तो कभी अमीरी का रुतबा दिखाते हुए नजर आते थे। जज, वकील, पुलिस कमिश्नर, अमीर बिजनेसमैन या कड़क पिता के किरदारों ने उन्हें अलग पहचान दिलाई। उस दौर में जहां विलेन बहुत लाउड हुआ करते थे, पिंचू कपूर ने बड़े ही शांत और स्टाइलिश विलेन के तौर पर खुद को पेश किया, जो धोखे से जाल बुनते थे। इस तरह से उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई थी। 28 अप्रैल 1989 को महज 62 वर्ष की उम्र में उनका निधन हो गया।

70- 80 के दशक में फिल्मों में छोड़ी गहरी छाप

हिंदी सिनेमा के इतिहास में जब भी रौबीले और कड़क किरदारों की बात होती है, तो पिंचू कपूर का नाम बड़े सम्मान से लिया जाता है। अपनी कड़क आवाज, सूट-बूट वाली शानदार पर्सनालिटी और सधे हुए अभिनय के दम पर उन्होंने 70 और 80 के दशक की फिल्मों में एक गहरी छाप छोड़ी। सिनेमा में आने से पहले वो थिएटर किया करते थे। थिएटर करने के बाद उन्हें लगा कि अब उन्हें सिनेमा में हाथ आजमाना चाहिए तो वो जयपुर से सीधा अपने भाइयों राज कपूर और शशि कपूर के पास आ गए। उन्होंने अपने कॅरियर की शुरुआत 60 के दशक में की थी। शुरुआत में वह यहूदी, हाउसहोल्डर और दो बूंद पानी जैसी फिल्मों में दिखे। हालांकि, असली ब्रेक उन्हें साल 1973 में आई बॉबी से मिला। भाई राज कपूर की इस फिल्म में वह राज शर्मा (ऋषि कपूर के दोस्त के पिता) के किरदार में दिखे।

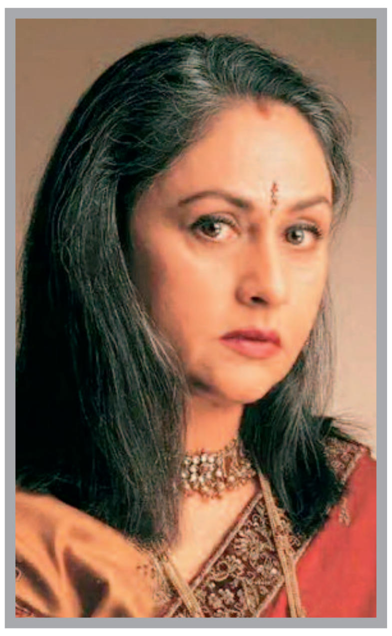

हीरोइन को ऑब्जेक्ट दिखाने पर भड़कीं

नई दिल्ली। पेद्दी आई और जाह्नवी कपूर के बोल्ड सीन्स पर विवाद छिड़ गया। पहले सोशल मीडिया पर महिलाओं को ऑब्जेक्टिफाई करने का मुद्दा गरमाया, अब सेलिब्रिटीज भी इस मुद्दे पर अपना रिएक्शन दे रहे हैं। साउथ से लेकर बॉलीवुड तक... फिल्मी सितारे हीरोइनों को ऑब्जेक्ट की तरह दिखाने के लिए पेद्दी के मेकर्स पर नाराज हुए। अब जया बच्चन और करीना कपूर खान ने हीरोइनों को ऑब्जेक्टिफाई करने पर अपना रिएक्शन दिया और बताया कि एक बार उनके साथ भी ऐसा हुआ था। जया ने अपने दिन याद किए, जब उन्हें फिल्म में ज्यादा बोल्ड दिखाने की कोशिश की जा रही थी। एक्ट्रेस ने एक बातचीत में कहा- किसी ने भी मेरे साथ हद पार करने की हिम्मत नहीं की। मेरे साथ सिर्फ एक बार ऐसा बुरा अनुभव हुआ था जब एक डायरेक्टर ने मुझे एक 'ऑब्जेक्ट' की तरह देखा था।

वेलकम टू द जंगल ने रिलीज से पहले ही कमाए 120 करोड़

मुंबई। अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' ने ओटीटी, सैटेलाइट, ऑडियो और दूसरे राइट्स बेचकर करीब 120 करोड़ कमा लिए हैं। यानी फिल्म ने रिलीज से पहले ही अपनी लागत का बड़ा हिस्सा निकाल लिया है, जिससे मेकर्स को काफी राहत मिली है। एक ट्रेड सोर्स के अनुसार, 'फिलहाल मेकर्स ने करीब 120 करोड़ का डील फाइनल कर लिया है। अब उन्हें थिएटर से उतनी ज्यादा कमाई की जरूरत नहीं होगी। 'वेलकम'एक बड़ा और पॉपुलर फ्रेंचाइजी है। इसके पहले दो पार्ट 'वेलकम' (2007) और 'वेलकम बैक' (2015) लोगों को खूब पसंद आए थे। इसी वजह से तीसरे पार्ट को लेकर भी अच्छा खासा बज बना हुआ है।'रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 'वेलकम'ब्रांड की मजबूत पहचान की वजह से ही फिल्म को रिलीज से पहले इतने बड़े डील्स मिल पाए हैं। इंडस्ट्री के लोग भी मान रहे हैं कि थिएटर में भी फिल्म अच्छा प्रदर्शन कर सकती है।

हमारे परिवार की परंपरा है लॉयल रहना

मुंबई। एक्टर माधवन ने हाल ही में अपनी पत्नी सरिता के साथ शादी की 27वीं सालगिरह मनाई है। उन्होंने एक बार बताया था कि उनके लिए शादी में लॉयल रहना कभी मुश्किल क्यों नहीं रहा। उन्होंने कहा कि कई खूबसूरत एक्ट्रेसेस के साथ काम करने के बावजूद, उन्हें हमेशा पता रहा कि उनके लिए सबसे ज्यादा जरूरी क्या है। माधवन ने पत्नी सरिता के प्रति वफादारी पर बात करते हुए कहा कि उनके लिए लॉयल रहना बिल्कुल नेचुरल है और यह उनके परिवार की आदत भी है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है लॉयल रहना हमारे परिवार की परंपरा है। मेरे परिवार के लोग जिंदगी के आखिर तक जमशेदजी टाटा के प्रति भी उतने ही लॉयल रहे कि हमारे घर में भगवानों के साथ उनकी फोटो भी माला के साथ लगी रहती थी। इसलिए, सच कहूं तो मुझे लॉयल न रहने के लिए अलग से कोशिश करनी पड़ेगी।'

मेहमानों को दिया सनस्क्रीन

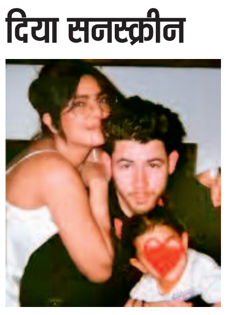

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड सिंगर निक जोनस हमेशा अपनी बीवी प्रियंका चोपड़ा की तारीफ में लगे रहते हैं, चाहे वो पॉप स्टार हों, एक्टर हों या निर्माता, लेकिन उनके फैंस अक्सर उनकी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी एक्साइटेड रहते हैं। एक बातचीत के दौरान उन्होंने प्रियंका के 40वें जन्मदिन के जश्न में किए गए अपने एक नेक काम के बारे में भी बताया। निक ने बताया कि उन्होंने जश्न में आए सभी मेहमानों को सनस्क्रीन गिफ्ट में दी थी, ताकि वे गर्मी से सुरक्षित रहें। निक ने प्रियंका को लेकर कहा, 'वह बहुत प्यारी हैं। और मैं उनकी खूब तारीफ करते हुए, उनकी खूबसूरती और टैलेंट की तारीफ करते हुए, उनकी बहुत सी पोस्ट करता हूं।'

हैरी पॉटर के किरदार में ढले बॉलीवुड सितारे

लॉस एंजिल्स। 'हैरी पॉटर' सीरीज साल 2001 से 2011 के बीच रिलीज हुई सिनेमा इतिहास की सबसे अधिक कमाई करने वाली फ्रेंचाइजी में से एक है। जरा सोचिए, अगर यही सीरीज बॉलीवुड में बनी होती तो कौन से एक्टर किस रोल में फिट होते। दिमाग के इसी फितूर को रियल में तैयार किया है एआई ने और दिखाया है कि 'हैरी पॉटर' बॉलीवुड कलाकारों के साथ बनती तो सब कैसे दिखते। अब 'हॉगवर्ट्स' के उस इमैजिनेशन की झलक देखते हैं जहां हमारे बॉलीवुड के सितारे 'हैरी पॉटर' सीरीज के किरदार में कैमरे के सामने पोज देते नजर आ रहे हैं। इनमें से कुछ तो इतने मिलते-जुलते दिख रहे हैं कि दर्शक हैरान हो रहे। एआई जेनरेटेड इस वीडियो में कार्तिक आर्यन से लेकर वरुण धवन, कृति सेनन, सैफ अली खान जैसे तमाम कलाकार नजर आ रहे हैं।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

एजूकेशन स्पेशल

प्रवेश प्रारंभ
श्री बालाजी इंस्टीट्यूट
ऑफ नर्सिंग, पैरामेडिकल एवं फार्मेसी

Nursing Course	Duration
B.Sc. Nursing	4 Years
P.B.B.Sc. Nsg	2 Years
M.Sc.	2 Years
Paramedical Course	**Duration**
Lab tech, OT tech, X-Ray tech,Ortho tech	1 Year
Pharmacy Course	**Duration**
D Pharmacy	2 Years
B Pharmacy	4 Years

Eligibility- B.Sc. Nursing-Biology (PBCE), P.B.B.Sc. Nursing-GNM Pass
M.Sc. Nursing-BSc.,P.B.B.Sc. Pass,
Paramedical Course - 12th pass (Bio)
Pharmarcy - 12th pass , Maths, Bio
HOSTEL FACILITY AVAILABLE FOR GIRLS & BOYS
क्लीनिकल सुविधा
श्री बालाजी हॉस्पिटल
1500 बिस्तरों का एडवांस्ड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं 250 सीटों का मेडिकल कॉलेज
नर्सिंग प्रवेश हेतु : 7694016816, 6266631615, 7999665899
पैरामेडिकल एंड फार्मेसी प्रवेश हेतु 9201622400, 9201641200, 9201631200

Appointment आवश्यकता

शिक्षक

आवश्यकता है- जागृति उ.मा. विद्यालय, भाठागांव, रायपुर PGT भौतिकी, रसायन, जीव विज्ञान, गणित, संस्कृत, TGT विज्ञान के 1-1 पद, PRT के 4 पदों हेतु योग्य/ अनुभवी शिक्षक (B.Ed/ D.Ed अनिवार्य) चाहिए। बायोडाटा + प्रमाणपत्रों सहित 13-06-2026 तक विद्यालय में 08 बजे से 12बजे तक संपर्क करें। **साक्षात्कार: 14-06-2026, 9 बजे से। 7610505566.** (RO-0120)

आवश्यकता है- बी एन पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल लक्ष्मीनगर सुपेला भिलाई, हायर सेकेंडरी और हाईस्कूल, अंग्रेजी माध्यम , विषय- गणित, भौतिकी, रसायन ,जीवविज्ञान एकाउंट, वाणिज्य, अर्थशास्त्र, अनुभवी को प्राथमिकता **संपर्क 6265881237.**(आरो न -290)

आवश्यकता है- सरस्वती ज्ञानमंदिर उमा विद्यालय भिलाई 3 एवं ज्ञान पब्लिक स्कूल हथखोज माध्यम(हिंदी) प्राथ/पूर्व मा विभाग (अंग्रेजी) पूर्व विभाग हेतु शिक्षक-शिक्षिकाओं की। **साक्षात्कार अंग्रेजी माध्यम 11/6/2026 हिंदी माध्यम 12/6/2026 समय सुबह 10 से 2:00 मो 9826621651, 9770140863.** (आरो न - 289)

आवश्यकता है- प्रूडेंट पब्लिक स्कूल (अंग्रेजी-माध्यम) इंद्रप्रस्थ RDA कॉलोनी, फेस-1, रायपुरा, रायपुर के प्री-प्रायमरी, प्रायमरी व मिडिल विभाग में शिक्षिकाओं की आवश्यकता है। **संपर्क करे- 7745909680, 7354936509.** (RO-0119)

हरिभूमि क्लासीफाईड

सेल्स/मार्केटिंग

आवश्यकता है
अजय माला प्रकाशन में पुस्तक प्रचार हेतु प्रतिनिधि की आवश्यकता है।
योग्यता-12वीं तथा स्नातक अनुभवी को प्राथमिकता
स्वयं का स्मार्ट फोन एवं टु व्हीलर का होना आवश्यक है।
वेतन प्रतिमाह 12,000 रू.
प्रतिदिन रहना-खाना 300 रू.
तथा पेट्रोल अलग से दिया जायेगा
दिनाँक-08 एवं 09 जून, 2026
समय-11 से 6 बजे तक
सम्पर्क करें
रायपुर - अजय प्रकाशन, सुर्या अपार्टमेन्ट के पीछे, पंजाब नेशनल बैंक के बाजू में, सिविल लाइन, रायपुर 9691358826, 7898551745
दुर्ग - होटल पारख पैलेस, ग्रीन चौक, रेल्वे स्टेशन के पास, दुर्ग 7978852526, 9165915079
धमतरी - होटल इम्पेरीयल, गुरुनानक कॉम्पलैक्स, सिहावा चौक, धमतरी 7694064078, 7804934421
बिलासपुर - पंचशील लॉज, गाँधी चौक, बिलासपुर 7974590595, 9302606010
रायगढ़ - होटल कनिष्क, गाँधी प्रतिमा रोड, आलोक सिटी मॉल के पास, स्टेशन रोड, रायगढ़ 9753673173, 7898204950
कुनकुरी - कुंती लॉज, टपकरा रोड, खेल मैदान के पास, कुनकुरी 9644868192, 8602912503

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- भिलाई (नेहरू नगर, गुरुद्वारे के पास) में 24 घंटे घर पर रहने वाली महिला घरेलू नौकरानी की आवश्यकता। वेतन 10,000–12,000 प्रतिमाह। आयु 30–60 वर्ष। एकल-सदस्यीय परिवार की महिला को प्राथमिकता। **संपर्क: 9826708233.** (आरो- SPD/0050)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- रायगढ़ एवं रायपुर की फैक्ट्रियों हेतु सिक्योरिटी गार्ड, सिक्योरिटी सुपरवाइजर एवं फील्ड ऑफिसर की आवश्यकता है। वेतन : 15,000 - 18,000 प्रतिमाह PF, ESIC रहने - खाने की व्यवस्था **उपलब्ध 9201958117, 8109080600.** (RO-855)

आवश्यकता

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों , ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में कार्य करने हेतु मेहनती युवक / युवतियों की आवश्यकता है। अनुभवी / फेशर आवेदन करें। -: योग्यता -10वीं / 12वीं/ स्नातक ,**संपर्क ::- हाटेल प्राईम टाइम सार्थक अपार्टमेंट के बाजू में, आमापारा, रोड, बालोद (छ०ग०) तारिख :- 10 जून 2026 बुधवार सुबह 10:00 से 03 बजे** (आरो न - 287)

हाउसकीपिंग/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- हाउसकीपिंग- पुरुष उम्मीदवार (इन-हाउस रहने के लिए), ड्राइवर- केवल रायपुर लोकल के लिए, ऑफिस बॉय- केवल रायपुर लोकल के लिए, हाउस सुपरवाइजर, **संपर्क करे- 6232022676.**(आरो-460)

सफाईकर्मी/ड्रायवर

आवश्यकता है- दुर्ग स्थित राधा होम फर्नीचर में कर्मचारियों की भर्ती हो रही है। सफाईकर्मी, गोदाम कर्मचारी और टाटा ऐस ड्राइवर की आवश्यकता है। **संपर्क: +919399786131** | **ईमेल:** radhahomefurniture@gmail.com **मिलने का समय** - 10:30 am to 1:00 pm(आरो न - 291)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

सेल्स/मार्केटिंग

आवश्यकता है
अजय माला प्रकाशन में पुस्तक प्रचार हेतु प्रतिनिधि की आवश्यकता है।
योग्यता-12वीं तथा स्नातक अनुभवी को प्राथमिकता
स्वयं का स्मार्ट फोन एवं टु व्हीलर का होना आवश्यक है।
वेतन प्रतिमाह 12,000 रू.
प्रतिदिन रहना-खाना 300 रू.
तथा पेट्रोल अलग से दिया जायेगा
दिनाँक-10 एवं 11 जून, 2026
समय-11 से 6 बजे तक
सम्पर्क करें
अंबिकापुर - होटल मात्रिका श्री, बाबू पारा, जेल रोड, अंबिकापुर 9644868192, 8602912503
राजनांदगाँव - होटल इन्द्रलोक, रेल्वे स्टेशन रोड, राजनांदगाँव 9753406175, 7647029011
जगदलपुर - होटल पंकज पैलेस, मेन रोड, कोतवाली के पास, जगदलपुर 7974251865, 9165600917
कवर्धा - होटल सपना, घोठिया रोड, रायपुर नाका के पास, कवर्धा (कबीरधाम) 7987977282, 9713369186
गरियाबंद - होटल नीलकमल, पुलिस परेड ग्राउण्ड के सामने, रावणभाठा, गरियाबंद 7804934421, 8827409552
महासमुन्द - जोशी लॉज, नेहरू चौक, मेन रोड, महासमुन्द 7692826725, 6265961386

शॉप/फॉर्म हाउस

आवश्यकता है- गिफ्ट शॉप मे युवक/ युवतीओं की एवं फॉर्म हाउस मे कार्य हेतु पति- पत्नी की आवश्यकता है आवास बिजली पानी गैस सुविधा वेतन योग्यतानुसार, **संपर्क करें:- 9302708426, 7470602013.** (RO-034)

टेक्नीशियन

आवश्यकता है- यूरेका फोर्ब्स (Aquaguard) : सर्विस टेक्नीशियन – 3, टेलीकॉलर – 3, फील्ड वर्कर – 3, सेल्स रिप्रेजेंटेटिव – 6, दीपिका सर्विसेज - **कर्मचारी कॉलोनी, कुशालपुर मोबाइल: 9826652461.** (RO-857)

हरिभूमि

ड्रायवर

आवश्यकता है- ड्राइवर, गायत्री नगर, रायपुर स्थित ऑफिसर को एक अनुभवी, नशामुक्त, ड्राइवर की। आसपास के ड्राइवर को प्राथमिकता। **संपर्क करें 8349933320.**(RO-553)

आवश्यकता है- अनुभवी कुशल कार ड्राइवर तेलीबांधा में एवम देवपुरी स्थित पेट्रोल पंप में नाइट ड्यूटी स्टाफ की आवश्यकता है। **संपर्क- 9826111220.**(RO-414)

आवश्यकता है- शंकरनगर ऑफिस में - (1) कार चलाने हेतु अनुभवी , कुशल ड्राईवर (2) ऑफिस बॉय की आवश्यकता है जो ऑफिस की साफ-सफाई व अन्य कार्यों में सहायता करें। बायोडाटा सहित **संपर्क करें:- 9993011757 8878228031.** (RO-409)

आवश्यकता है- दुर्ग, भिलाई, रायपुर के लिए स्कूल और स्टाफ बस के लिए ड्राइवर की आवश्यकता है आधारकार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस watsup करें **पता न्यू बस स्टैंड दुर्ग 9343322450, 7385600786, 9424125786.** (आरो नं.- 10484)

आवश्यकता है- स्कूल बस चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर (हैवी लाइसेंस) और लेडी कंडक्टर,सिक्योरिटी गार्ड की शीघ्र आवश्यकता है। **शिवोम् विद्यापीठ, सांकरा, रायपुर। कॉल- 9109126445.** (RO-527)

पंप कर्मी

आवश्यकता है- मैसर्स शारदा प्रसाद साव अवंति बाई चौक कोहका भिलाई पेट्रोल पंप में डीजल पेट्रोल डालने हेतु लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है। **संपर्क:- 76928-88808, 99261-23539.**(आरो न - 288)

हरिभूमि क्लासीफाईड

मशीन ऑपरेटर

टेक्सटाईल स्पिनिंग (धागा) मिल, रायपुर (छत्तीसगढ़)
नई टेक्सटाईल धागा मिल में साफ व ठंडे वातावरण में मशीन चलाने हेतु नये/पुराने अनुभवी वर्कर्स चाहिए। रहने की उत्तम सुविधा व कैंटीन मिल में उपलब्ध।
पहले दिन से PF/ESIC कवरेज व पेमेन्ट सीधे बैंक खाते में। 240 दिन से अधिक हाजरी पर छुट्टी का पैसा अलग।
संपर्क करें। 9827163216 8462933820

Education शिक्षण

प्रवेश प्रारंभ- फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करे:- B.A, B.COM, B.Sc, BCA, MCA, BBA, M.A, M.COM, M.SC, MBA, MSW, B.LIB, M.LIB, DCA, PGDCA, POLYTECHNIC, B.Tech, (अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे) सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा **संपर्क** Bharti Education Academy Sector - 6 Bhilai **9826196515, 9826896515** (आरो -4154)

Business व्यापार

व्यापार- व्यापार आमंत्रण अपनी पहचान और अतिरिक्त आय बनाएं समय आपका, प्रगति आपकी वेलनेस इंडस्ट्री में 18+ आयु के लिए सुनहरा अवसर। **संपर्क- 9981969990, 7974741158**(आरो- 10484)

Finance फायनेंस

फाइनेंस - विजया फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस , पर्सनल, कृषि महिला समूह , मकान , दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधारकार्ड , पैन कार्ड प्रति उपलब्ध (2% ब्याज), (30% छूट) **संपर्क:- 9981421206 , 9437550462**(RO-4345)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

For Rent किराया

किराये पर उपलब्ध- बिलासपुर, व्यापार विहार में गुम्बर पैट्रोल पम्प के पीछे VR NEXUS बिल्डिंग में फर्स्ट फ्लोर 2560 वर्गफुट, सेकेण्ड फ्लोर 1910 वर्गफुट, किराये पर उपलब्ध। (पार्किंग सुविधा) **सम्पर्क करें- 9589740766, 9425530355.** (RO-40953)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

हरिभूमि क्लासीफाईड

Healthcare

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

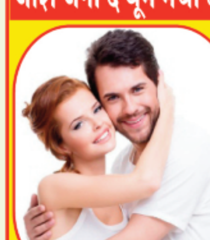

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक। घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस। 09083218330

जैकेट के शेष

सुशासन तिहार का आखिरी...

अलबत्ता शिविरों का यानी तिहार का विधिवत समापन 10 मई को ही होगा। गौरतलब है, इस पूरे अभियान के दौरान कड़कती गरमी और तेज धूप के बीच भी मुख्यमंत्री गांव-शहर, कस्बों से लेकर जिलों में जाकर आम लोगों से संवाद करते रहे। लोगों की मांगें और शिकायतें सुनी गईं। प्रदेश में जगह-जगह समाधान शिविर लगाए गए। अभियान में करीब साढ़े छह लाख आवेदन आए और अधिकतर का निराकरण सरकार ने किया है। **मांग अधिक, शिकायत कम :** छत्तीसगढ़ में चल रहे सुशासन तिहार के दौरान प्राप्त आवेदनों के जिला-वार आंकड़े सामने आए हैं। आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश भर में कुल 6.41 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें अधिकांश मांगों से जुड़े हैं, जबकि शिकायतों की संख्या अपेक्षाकृत कम रही है। उपलब्ध आंकड़े यह भी बताते हैं कि कुछ जिलों में मांगों और शिकायतों की संख्या अन्य जिलों की तुलना में काफी अधिक रही है।राज्यभर में कुल 6,41,940 आवेदन दर्ज किए गए हैं। इनमें 6,15,777 मांगें और 26,163 शिकायतें शामिल हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से 5,47,198 तथा शहरी क्षेत्रों से 94,742 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिससे स्पष्ट है कि सुशासन तिहार में ग्रामीण क्षेत्रों की भागीदारी अधिक रही।

ममता को बड़ा झटका...

हो गई है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में पार्टी की करारी हार के बाद पार्टी पर ममता बनर्जी का नियंत्रण और कमजोर हो गया है। तृणमूल के वर्तमान में 28 लोकसभा सदस्य हैं। इनमें से एक सीट बसीरहाट सांसद हाजी नूरुल इस्लाम के निधन के बाद खाली हुई है। 20 सदस्यों का समर्थन दलबदल विरोधी कानून के तहत सुरक्षा के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत को आसानी से पार कर जाएगा।

फर्जी जाति प्रमाण पत्र ...

में बैगा जाति अंकित कराया जा रहा है। इनके राजस्व अभिलेख, स्कूल रिकॉर्ड, दाखिल-खारिज और निर्वाचन कागजातों में ढीमर ओबीसी जाति है। हरिभूमि ने मामले को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। हाईकोर्ट ने इसे संज्ञान में लिया है। इससे पहले जाति प्रमाण पत्रों की जांच कराने व फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनवाने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर दायर याचिका पर हाईकोर्ट ने जाति छानबीन समिति व राज्य शासन को पूरे मामले की जांच का निर्देश दिया था। कोर्ट के आदेश के बाद भी किसी तरह की कार्रवाई होते नहीं देख, याचिकाकर्ता ने न्यायालीयन आदेश की अवहेलना का आरोप लगाते हुए अधिकारियों के खिलाफ अवमानना याचिका दायर कर दी है। याचिकाकर्ता जय श्री सिंह पुसाम ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से छत्तीसगढ़ बिलासपुर हाईकोर्ट में उच्च स्तरीय जाति छानबीन समिति के अधिकारियों के खिलाफ न्यायलयीन आदेश की अवहेलना करने का आरोप लगाते हुए अवमानना याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि 17 जून 2025 को छत्तीसगढ़ बिलासपुर हाई कोर्ट द्वारा दिए गए आदेश का अफसर पालन नहीं कर रहे हैं। याचिका का कहना है कि अपात्र व्यक्तियों को अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित लाभ मिल रहा है और वह पद पर बने हुए हैं, इसके चलते वास्तविक अजजा के युवा वंचित हो रहे हैं। फर्जी लोग उनका हक मार रहे हैं। अवमानना याचिका की सुनवाई के दौरान कोर्ट को जानकारी दी गई है कि कोर्ट ने राज्य सरकार को चार महीने के भीतर शिकायतों की जांच कर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

दूसरे जिलों से बनवा रहे हैं जाति प्रमाण पत्र : खास बात है कि ग्राम पोंडी का मामला सीपत तहसील मस्तूरी विकासखंड जिला बिलासपुर के अंतर्गत आता है। जाति प्रमाण पत्र अनुविभागीय अधिकारी रा. मस्तूरी से जारी होना चाहिए लेकिन गड़बड़ी करते हुए समस्त फर्जी जाति प्रमाण पत्र वर्तमान मेंकार्यालय अनुविभागीय अधिकारी रा. पेंड्रारोड, और पहले कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी रा. बिलासपुर से जारी हुआ है। यही नहीं ग्राम पोंडी के अलावा आसपास सीपत तथा रतनपुर क्षेत्र में इनके रिश्तेदारों (ससुराल पक्ष, भांजा पक्ष, दामाद पक्ष, बहु-बेटी पक्ष) के द्वारा भी अपने नाम मे बैगा लिखकर फर्जी बैगा जाति प्रमाण पत्र बनवा लिया गया है।

ग्राम पंचायत से प्रस्ताव...

मास्टर मांइड समाज के ही एक अध्यक्ष और सचिव को बताया जा रहा है। इसमें से कुछ लोगों द्वारा अन्य रिस्तेदारो को भी बैगा लिखने व नौकरी लगाने का प्रलोभन दिया जा रहा है।

दाखिल-खारिज और...

बिलासपुर के इमलीपारा का लिखा गया है जबकि सभी लोग ग्राम पोंड़ी, थाना सीपत, तहसील मस्तूरी के मूल निवासी है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में बैगा जनजाति मुख्य रुप से कुछ ही जिलों में ही पाई जाती है। 2011 की जनगणना के अनुसार इनकी आबादी 89 हजार 744 है। 1949 से पहले कुछ ढीमर समुदाय के लोग बैगा लिखते थे, लेकिन इसके बाद जो भी प्रमाण पत्र जारी हुए वे संदिग्ध श्रेणी में आते हैं और जांच के दायरे में हैं।

भारत के साथ चल रहे सीमा विवाद को लेकर कूटनीतिक हलचल तेज

सीमा विवाद पर नरम पड़ा नेपाल! विदेश मंत्री बोले- डिप्लोमेसी से सुलझेंगे मतभेद

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत और नेपाल के बीच चले रहे सीमा विवाद को लेकर कूटनीतिक हलचल तेज है। ऐसे समय में जब नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह के बयान ने दोनों देशों के रिश्तों में नई बहस छेड़ दी थी, नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनल का तीन दिवसीय भारत दौरा कई अहम संकेत दिया। दिल्ली से लौटने के बाद खनल ने अपने दौरे को सफल बताया। उन्होंने कहा कि हमने आपसी संबंधों को मजबूत करने और सीमा विवाद समेत कई मुद्दों पर आगे बढ़ने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। 5 से 7 जून तक चले अपने आधिकारिक भारत दौरे के दौरान शिशिर खनल ने विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ विस्तृत बातचीत की थी। इसके अलावा उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से भी मुलाकात की थी। रविवार को त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचने के बाद खनल ने कहा कि भारत और नेपाल के बीच विकास सहयोग, संपर्क विस्तार, व्यापार, पारगमन, ऊर्जा सहयोग, कूटनीति और लोगों के बीच संबंधों जैसे अहम विषयों पर सार्थक चर्चा हुई है।

कूटनीतिक संतुलन बहाल करने की कवायद

ऐसे में शिशिर खनल का बयान दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संतुलन बहाल करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। दिल्ली में हुई बैठकों के दौरान केवल सीमा विवाद ही नहीं, बल्कि आर्थिक और रणनीतिक सहयोग पर भी चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि भारत और नेपाल ने मिलकर भारत की एकीकृत भुगतान प्रणाली (यूपीआई) और नेपाल की राष्ट्रीय भुगतान प्रणाली (एनपीआई) के बीच संपर्क सेवा शुरू की है। इससे दोनों देशों के बीच डिजिटल भुगतान व्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी।

दौरे का महत्वपूर्ण पहलू

हालांकि, इस पूरे दौरे का सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील पहलू सीमा विवाद ही रहा. शिशिर खनल ने कहा कि नेपाल और भारत की संस्थाएं मौजूदा सीमा विवाद के समाधान की दिशा में काम कर रही हैं। उन्होंने दोहराया कि नेपाल का मानना है कि सीमा विवाद, क्षेत्रीय मतभेद और सीमा प्रबंधन जैसे मामलों को बातचीत, कूटनीति और पहले से मौजूद द्विपक्षीय तंत्र के जरिए ही सुलझाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम खुले दिल और आपसी समझ से समाधान निकाला सकते हैं।

पीएम बालेंद्र का बयान

शिशिर खनल का बयान इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि हाल ही में नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने भारत-नेपाल सीमा विवाद के समाधान के लिए चीन और यूनाइटेड किंगडम जैसे तीसरे पक्षों को शामिल करने का सुझाव दिया था। बालेंद्र शाह के इस बयान ने दिल्ली में असहजता पैदा कर दी थी। भारत ने साफ कर दिया था कि सीमा विवाद एक द्विपक्षीय मामला है। इसके समाधान में किसी तीसरे पक्ष की भूमिका स्वीकार नहीं की जाएगी। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भारत ने किया है सहयोग

दौरे के दौरान भारत ने साल 2015 के विनाशकारी भूकंप के बाद पुनर्निर्माण सहायता के तहत तैयार की गई 72 स्वास्थ्य सुविधाएं और 12 सांस्कृतिक विरासत परियोजनाएं भी नेपाल को वर्चुअल माध्यम से हस्तांतरित की हैं। नेपाल के विदेश मंत्री ने इस सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि यह दोनों देशों के ऐतिहासिक रिश्तों की मजबूती का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि वॉयस-फर्स्ट ट्रांसलेशन प्लेटफॉर्म को लेकर हुआ समझौता दोनों देशों के बीच तकनीकी सहयोग को नई दिशा देगा। इसके अलावा भैरहवा स्थित गौतम बुद्ध अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के संचालन को लेकर हवाई मार्ग से जुड़े मुद्दों पर भी बातचीत हुई है। उन्होंने बताया कि इस विषय पर जल्द ही दोनों देशों की तकनीकी टीमों के बीच बैठक होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस दौरे की सबसे बड़ी उपलब्धि सीमा विवाद को लेकर संवाद की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है। भारत और नेपाल के बीच कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा जैसे क्षेत्रों को लेकर वर्षों से मतभेद रहे हैं, जो कि हालिया दिनों में बढ़ गए हैं।

पेज एक के शेष

दुर्ग जिले में 159 स्कूलों...

कंडम है जिसे डिसमेंटल करने की जरूरत है। उसके बावजूद जिला शिक्षा विभाग और लोक निर्माण विभाग ने इस दिशा में कोई काम नहीं किया है।

दुर्ग ब्लॉक में सबसे...

विभाग द्वारा लोक निर्माण विभाग को सालभर पहले ही पत्र लिखा था ताकि ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यह कार्य पूर्ण कर ली जाए। उसके बाद भी यह कार्य नहीं किया गया।

इंडिया गठबंधन ने...

प्रणाली से जुड़े विवाद, देश की आर्थिक स्थिति के साथ ही 'विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विषय पर चर्चा की गई। बैठक में कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी, समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के तेजस्वी यादव और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शप) की सुप्रिया सुले समेत 22 दलों के प्रमुख नेताओं ने भाग लिया। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और आम आदमी पार्टी (आप) बैठक में शामिल नहीं हुईं।

सड़क निर्माण कार्य...

33 वर्ष की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हाथी के हमले के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद अन्य मजदूरों ने शोर मचाते हुए किसी तरह अपनी बचाई। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार सुबह घटनास्थल का निरीक्षण कर पंचनामा कार्रवाई पूरी की गई तथा आगे की वैधानिक प्रक्रिया जारी है।

वायुसेना के मी-17 ...

कॉपियों को लेकर उन्हें सुरक्षित ढंग से वितरण और परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाएंगे। पेपर लीक के बाद 12 मई को रद्द हुई नीट की परीक्षा के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में उनके आवास पर हुई एक उच्च-स्तरीय बैठक में वायुसेना से मामले पर लॉजिस्टिक सहयोग लेने को लेकर व्यापक रूप से विचार-विमर्श किया गया था। जिसके बाद ही प्रश्नपत्रों को समय पर सुरक्षित ढंग से परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने के लिए मी-17 हेलिकॉप्टरों का चयन किया गया है।

आपसी सहमति से शादी...

आदेश बहाल किया, जिसमें स्टिपेंडियरी कैडेट ट्रेनी पुलिस कॉन्स्टेबल (एससीटीपीसी) के पद पर उनकी नियुक्ति पर फिर से विचार करने को कहा गया था। अपीलकर्ता को पुलिस कॉन्स्टेबल के पद पर नियुक्ति के लिए अस्थायी रूप से चुना गया। हालांकि, भर्ती बोर्ड को यह पता चलने के बाद कि वह पहले आईपीसी की धारा 417, 420 और 506 के साथ धारा 34 के तहत दर्ज आपराधिक मामले में शामिल था, उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी गई। यह मामला उसकी पड़ोसी एक महिला के आरोपों से जुड़ा था, जिसने कहा कि उसने शादी का वादा करके कई सालों तक उसके साथ संबंध बनाए रखे, लेकिन बाद में किसी और महिला से शादी की। आखिरकार 2015 में लोक अदालत में इस आपराधिक मामले में समझौता हो गया। खास बात यह है कि अपीलकर्ता ने अपने अटेस्टेशन फॉर्म में आपराधिक मामले की जानकारी दी थी और जरूरी तथ्यों को छिपाने का कोई आरोप नहीं था। इसके बावजूद, अधिकारियों ने यह निष्कर्ष निकाला कि वह नैतिक अधमता से जुड़े अपराध में शामिल था। इसलिए पुलिस बल में नियुक्ति के लिए उपयुक्त नहीं था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हालांकि नियोक्ता बरी होने के बाद भी उम्मीदवारों की उपयुक्तता का आकलन कर सकते हैं, लेकिन ऐसे फैसले मनमाने नहीं हो सकते। कोर्ट ने कहा कि बरी होने या आरोप मुक्त होने के बावजूद, यह दिखाने के लिए सबूत होने चाहिए कि नैतिक अधमता से जुड़ा अपराध हुआ था और उम्मीदवार उसमें शामिल था। मामले के तथ्यों की जांच करते हुए बेंच ने पाया कि अपीलकर्ता और शिकायतकर्ता बालिग थे, पड़ोसी थे और लगभग चार साल तक रिश्ते में रहे। कोर्ट ने यह भी पाया कि बलात्कार का कोई आरोप नहीं था और ऐसा कोई सबूत नहीं, जिससे पता चले कि लोक अदालत में समझौता धमकी, जबरदस्ती या प्रलोभन के जरिए किया गया।

तेजस मार्क-1ए की डिलीवरी में देरी, एचएएल पर लगेगा जुर्माना!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

■ रक्षा मंत्रालय ने तरेरीं आंखें

बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों और वायुसेना के जंगी बेड़े में घटती लड़ाकू विमानों की संख्या के बीच बल को की जाने वाली स्वदेशी तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमानों की डिलीवरी में लगातार हो रही देरी को लेकर रक्षा मंत्रालय, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) से बुरी तरह से उखड़ गया है। जिसके बाद अब मंत्रालय में रक्षा क्षेत्र के इस महत्वपूर्ण सार्वजनिक उपक्रम पर जुर्माना लगाने पर गंभीरता से विचार-विमर्श किया जा रहा है। शीर्ष रक्षा सूत्रों ने सोमवार को बताया कि यह मामला बेहद संवेदनशील है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में 8 जून को हुई समीक्षा बैठक में इस परियोजना से जुड़े हुए हर छोटे-बड़े पहलू पर चर्चा की गई है। जिसमें परियोजना से जुड़ी देरी का मामला भी प्रमुखता से उठा। यहां बता दें कि वायुसेना के पास वर्तमान में लड़ाकू विमानों की कुल करीब 30 से 32 स्क्वाड्रन हैं, पुराने हो चुके विमानों की सेवानिवृत्ति की कवायद भी साल दर साल जारी है।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई (छ.ग.)

क्रमांक / लो.क.वि./ जोन-2/2026/196/91 — **ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना** — भिलाई दिनांक 02/06/2026

इस कार्यालय द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-टेंडर आमंत्रित की गई है, जिसका विस्तृत विवरण वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	कार्य का विवरण	सिस्टम टेंडर क्रं.	अनुमानित लागत (लाख मे)	BID Due की अंतिम तिथि	दस्तावेज प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
1	वार्ड क्रं. 21 कैलाश नगर विद्युत पोल क्रं. 21/340 से 21/347 तक एवं वार्ड क्रमांक 23 घासीदास नगर अटल आवास मार्ग का डामरीकरण एवं नाली कार्य।	191648	44.39	26.05.2026 से 12.06.2026 तक	16.06.2026
2	15 वे वित्त आयोग अंतर्गत वार्ड क्रं. 15 अम्बेडकर नगर में सड़क 01 से सड़क 09 तक सीवर युक्त नाली के ऊपर चेम्बर का ढक्कन निर्माण कार्य।	191842	34.81	29.05.2026 से 19.06.2026 तक	23.06.2026
3	15 वित्त आयोग अंतर्गत वार्ड क्र. 25 जवाहर नगर एमआईजी लाईन में सीवरेज लाईन का नवीनीकरण कार्य	191915	49.99	02.06.2026 से 23.06.2026 तक	29.06.2026
4	15 वित्त आयोग अंतर्गत वार्ड क्र. 25 जवाहर नगर अंतर्गत एमआईजी, एलआईजी से शैले मोनेश्वरी स्कूल तक सीवरेज लाईन का नवीनीकरण कार्य।	192187	49.99	02.06.2026 से 23.06.2026 तक	29.06.2026
5	जोन क्रं. 02 वैशाली नगर अंतर्गत शांति नगर, अंबेडकर नगर, कुरूद, कैलाश नगर, घासीदास नगर, गौरव पथ वैशाली नगर, राम नगर, वार्ड -14,15,16, वार्ड 29 वृन्दा नगर, वार्ड 28, वार्ड 20 वार्ड 19, वार्ड 27, वार्ड 24 वार्ड 25 हाउसिंग बोर्ड, जवाहर नगर एवं जोन क्रं. 02 क्षेत्र के नाली का प्रीकास्ट कव्हर करने का कार्य।	192200	82.44	02.06.2026 से 23.06.2026 तक	29.06.2026

(नोट :- ई टेण्डर में ऑफलाईन शपथ पत्र एवं EMD/FDR प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा अन्यथा निविदा अमान्य किया जावेगा/दर को नही खोला जावेगा।) उपरोक्त निविदा निर्माण कार्यो सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी http://eproc.cgstate.gov.in वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

जोन आयुक्त

राष्ट्रीय बीज निगम लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम-मिनीरत्न कम्पनी)
CIN NO. U74899DL1963GOI003913, (An ISO 9001:2015 & 14001:2015 Certified Company)
क्षेत्रीय कार्यालय : मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़, फोन : 0755-2580271,2580319
ई-मेल: nscengbpl@gmail.com, rm.bhopal@indiaseeds.com वेबसाइट: www.indiaseeds.com

उत्पादन.5(5)A/रा.बी.नि./आर.ओ.-भो/2026-27 — दिनांक- 08.06.2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

क्षेत्रीय कार्यालय, राष्ट्रीय बीज निगम लिमिटेड, गोविंदपुरा, भोपाल आधारीय/प्रमाणित सोयाबीन (1500 क्विंटल) की प्रदायगी हेतु, जो कि खरीफ-25 के उत्पादन से उत्पादित हों, को क्रय करने हेतु प्रतिष्ठित बीज उत्पादकों/संस्थाना/सहकारी समितियों एवं बीज कंपनियों से स्व-उत्पादित, बीज की मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ पर ऑफलाइन (offline) निविदा दिनांक 15.06.2026 को आमंत्रित करता है ।

अधिक जानकारी हेतु हमारी वेबसाइट www.indiaseeds.com को देखें। निविदा में भाग लेने हेतु टेंडर फार्म दिनांक 15.06.2026 को मध्यान्ह 12:30 बजे तक जमा किए जा सकते है । संशोधन/परिशिष्ठ यदि कोई हुआ तो एनएससी वेबसाइट पर देखा जा सकता है।

क्षेत्रीय प्रबंधक

कार्यालय नगर पंचायत भानुप्रतापपुर जिला - उ.ब. कांकेर (छ.ग.)

क्र./ 178 / लो.नि.वि./न.पं./2026-27 — भानुप्रतापपुर, दिनांक 08/06/2026

मैनुअल पद्धति निविदा आमंत्रण सूचना (तृतीय)

नगर पंचायत भानुप्रतापपुर द्वारा अधोसंरचना मद वर्ष 2025-26 अंतर्गत निम्नानुसार कार्य कराये जाने हेतु लो.नि.वि. द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से लो.नि.वि. रोड़ एस.ओ. आर. 01.01. 2025 के प्रचलित दर पर निविदा प्रपत्र "अ" में तीन लिफाफा (निविदा प्रपत्र एवं अमानत राशि एफ.डी.आर.) पद्धति से मुहरबंद पंजीकृत डाक/ स्पीडपोस्ट के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती हैः-

निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि - 12.06.2026 दिन शुक्रवार समय 5.00 बजे तक
निविदा प्रपत्र विक्रय की तिथि - 16.06.2026 दिन मंगलवार समय 4.30 बजे तक
निविदा प्रस्तुत करने की तिथि - 19.06.2026 दिन शुक्रवार समय 3.00 बजे तक
निविदा खोलने की अंतिम तिथि - 19.06.2026 दिन शुक्रवार समय 4.00 बजे तक

क्र.	कार्य का नाम	प्राक्कलन राशि (लाख में)	अमानत राशि (एफ.डी.आर. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य + आवे. शु. सहित	समयावधि (वर्षा ऋतु को छोड़कर)
1	वार्ड क्र. 02 निर्मल एजेंसी से कुंदन साहु घर तक बी.टी. रोड	5.95	4500.00	750 + 100	4 माह
2	वार्ड क्र. 09 में देवांगन पानठेला से गुरूद्वारा तक बी.टी. रोड	6.01	4600.00	750 + 100	4 माह
3	वार्ड क्र. 14 चिंता जैन घर से सामनानी घर तक बी. टी. रोड	6.94	5300.00	750 + 100	4 माह

उपरोक्त कार्य हेतु टेक्नीकल स्पेसिफिकेशन, निविदा संबंधी संपूर्ण शर्ते / जानकारी कार्यालयीन दिवस में कार्यालय नगर पंचायत भानुप्रतापपुर से प्राप्त की जा सकती है एवं विभागीय पोर्टल http://uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत भानुप्रतापपुर

कार्यालय नगर पालिका परिषद बागबाहरा, जिला - महासमुन्द (छ.ग.)
दूरभाष क्रं. 07707-242178 ई.मेल :- npbgbr5@gmail.com

क्रमांक / 221/ लो.नि.वि./ न.पा.प./2026-27 — **मैन्युअल निविदा आमंत्रण सूचना (प्रथम)** — बागबाहरा, दिनांक - 08/06/2026

नगर पालिका परिषद बागबाहरा जिला महासमुन्द (छ.ग.) में निम्नानुसार निर्माण कार्य हेतु एकीकृत पंजीकृत प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्मों / ठेकेदारों से त्रि-लिफाफा पद्धति में रजिस्टर्ड / पंजीकृत डॉक के माध्यम से निविदा प्रपत्र - A में प्रचलित एस. ओ. आर. CGPWD Building SOR 01.01.2015, PWD Road SOR 01.01.2025 से प्रतिशत दर पर (निविदा जारी दिनांक तक संशोधित दर अनुसार) आमंत्रित की जाती हैं। निर्धारित निविदा प्रारूप विभागीय वेबसाईट से डाउनलोड की जा सकती है। (दर GST सहित होगी)

1. निविदा प्रारूप में पंजीकृत डॉक से निविदा प्राप्त होने की अंतिम तिथि - दिनांक 30/06/2026 समय - सायं 03:00 बजे तक।
2. प्राप्त निविदाएं खोलने की तिथि - दिनांक 01/07/ 2026 समय - सायं 04:30 बजे ।

क्र.	कार्य का नाम	लागत राशि (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	समयावधि	ठेकेदार का वर्ग
1	2	3	4	5	6	7
1	वार्ड क्र. 01 में नया बस्ती से पुष्पेन्द्र चंद्राकर के फार्म हाउस तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	8.10	6100/-	750/-	03 माह	सक्षम श्रेणी
2	वार्ड क्र. 02 में झलप चौंक से यादव होटल तक आर. सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	9.06	6800/-	750/-	03 माह	सक्षम श्रेणी
3	वार्ड क्र. 05 में सामुदायिक भवन के सामने पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य।	4.14	4200/-	750/-	03 माह	सक्षम श्रेणी
4	वार्ड क्र. 06 में बड़ा खान घर से ह्यूमन प्राइड स्कूल तक आर. सी. सी. नाली निर्माण कार्य।	4.63	4700/-	750/-	03 माह	सक्षम श्रेणी
5	वार्ड क्र. 07 में लालपुर तालाब के पास पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य।	3.02	3100/-	750/-	03 माह	सक्षम श्रेणी
6	वार्ड क्र. 11 में रंगमंच के पास, बलराम कुलदीप गली एवं गौतम सोनवानी गली में पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य।	4.76	4800/-	750/-	03 माह	सक्षम श्रेणी
7	वार्ड क्र. 12 में शौचालय के पास पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य।	3.47	3500/-	750/-	03 माह	सक्षम श्रेणी
8	वार्ड क्र. 12 में आंगनबाडी से तेन्दुलोथा तालाब तक सी. सी. रोड निर्माण कार्य।	5.70	5000/-	750/-	03 माह	सक्षम श्रेणी
9	वार्ड क्र. 12 में पार्षद घर से तेन्दुलोथा मोड तक आर. सी.सी. नाली निर्माण कार्य ।	5.36	5000/-	750/-	03 माह	सक्षम श्रेणी
10	वार्ड क्र. 15 में मण्डी तालाब के पास पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य।	6.07	5000/-	750/-	03 माह	सक्षम श्रेणी
11	सरस्वती शिशु मंदिर में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य बागबाहरा (सांसद निधि)।	9.83	7400/-	750/-	04 माह	सक्षम श्रेणी

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी वेबसाईट www.uad.cg.gov.in से एवं कार्यालय के सूचना पटल में कार्यालयीन समय मे प्राप्त की जा सकती हैं।
टीपः- निविदा हेतु भौतिक दस्तावेज रजिस्टर्ड / पंजीकृत डाक के माध्यम से प्राप्त की जावेगी।
निविदा प्रपत्र शुल्क की राशि का डी. डी. मुख्य नगर पालिका अधिकारी के नाम से देय होगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद बागबाहरा

कार्यालय नगर पालिक निगम, बीरगांव जिला - रायपुर (छ.ग.)
Email Id: birgaonmcp@gmail.com http://www.nagarnigambirgaon.com

क्रं./ 1146/न.पा.नि./ लो. नि. शाखा / 2025-26 — बीरगांव, दिनांक 03/06/2026

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना
e-Procurement Tender Notice (1st Call)

नगर पालिक निगम बीरगांव द्वारा राज्य प्रवर्तित योजनान्तर्गत वार्ड क्रं. 17 एवं 37 में मुक्तिधाम सौंदर्यीकरण कार्य (कुल 02 कार्य) के लिए System Tender No System Tender 192359 And 192360 अनुसार लोक निर्माण विभाग में [Following work as per schedule of rates for Road works issued by Engineer-In-Chief PWD Raipur in force from 01.01.2025, Building S.O.R. in force from 01.01.2015, ELECTRICAL S.O.R 01.06.2020, and amendments applicable upto date of issue of NIT.] से प्रचलित एस. ओ. आर. में प्रतिशत दर पर (System Tender No System Tender 192359 And 192360 Bid Start Date 03.06.2026, Bid Due date. 25.06.2026, Physical Submission Last Date 02.07.2026, Open Date 03.07.2026) तक ई-निविदा आमंत्रित की जाती है । इच्छुक सक्षम पात्र निविदाकार, निविदा प्रपत्र, अनुमानित लागत राशि, नियम एवं शर्ते, धरोहर राशि, Key Date एवं विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में निकाय कार्यालय से प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही यह जानकारी नगर पालिक निगम बीरगांव की वेबसाईट www.nagarnigambirgaon.com व संचालनालय की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में भी उपलब्ध है। इसे https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड/ प्राप्त कर ईटेण्डरिंग के माध्यम से निविदा भरने की कार्यवाही कर सकते है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम बीरगांव जिला रायपुर (छ.ग.)

राशिफल

मेष — वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में लाभ के अवसर बढ़ेंगे।

वृष — आशा-निराशा के भाव रहेंगे। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिश्रम भी अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खर्चों की अधिकता रहेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

कर्क — मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। सचेत रहें। कारोबार में परिश्रम भी अधिक रहेगा।

सिंह — आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

तुला — आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग हैं।

धनु — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं।

मकर — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है।

कुंभ — स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। कुछ कठिनाइयां भी आ सकती है।

मीन — शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। खर्चों की अधिकता रहेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

शब्द पहेली - 6251

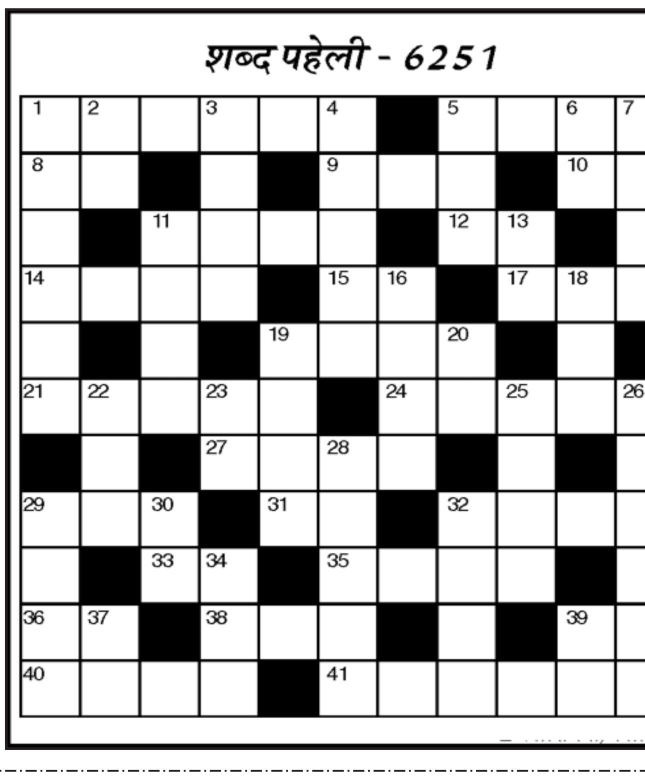

बाएँ से दाए
1. अत्यावश्यक-6
5. कारागार, जेल-4
8. पानी, नीर-2
9. मीन, मत्स्य-3
10. लक्ष्मी, कमला-2
11. कलाकार, फनकार-4
12. मर्द, मादा का विलोम-2
14. हसरत, मुराद-4
15. कैद में, अवरुद्ध, रुका-2
17. भूमि, धरती-3
19. मतवासा, मदहोश-4
21. फिल्मी दुनिया-3,3
24. दुर्भाग्यशाली-5
27. ठोकर लगना, भिड़ना-4
29. दौंडी पीटना-3
31. सांप, सर्प-2
32. दाल-4
33. हूर, अप्सरा-2
35. गाड़ी चलाने वाला-4
36. पिता का छोटा भाई-2
38. पुत्र, बेटा-3
39. टौंटी, नलका-2
40. ललचाना, तड़फाना-4
41. टाऊन हाल, नागरिक भवन-2,4

ऊपर से नीचे
1. ईश्वर, अनश्वर-3,3
2. तेलहन-2
3. सुखद वस्तु, वर देना-4
4. करधनी, कमर पेटी-5
5. गलीचा-3
6. दिन-2
7. समस्या का हल-4
11. धरोहर, थाती-4
13. मिट्टी, धूल-2
16. चमकना-4
18. वायुसेना का एक विमान-3
19. इतराना-4
20. परत-2
22. जाप करना-3
23. किवाड़, द्वार-2
25. उदाहरणतः-4
26. परवरिश-3,3
28. राग छेड़ना-5
29. भेंट, मेल-मिलाप-4
30. दिया, दीपक-2
32. औषधालय, दवाखाना-4
34. खाली होना-3
37. छोटी सवारी गाड़ी-2
39. नया, नवीन-2

शब्द पहेली - 6250 का हल

सूडोकु नवताल - 6261

★☆☆☆☆ सरल

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6260 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

खबर संक्षेप

टीसीएस ने कनाडा लाइफ से हासिल किया अनुबंध

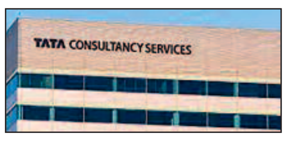

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा प्रदाता कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने वैश्विक जीवन और पेंशन बीमा कंपनी कनाडा लाइफ से यूरोप भर में उसके आईटी बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण के लिए कई लाख यूरो का सौदा हासिल किया है। कंपनी ने इस अनुबंध के वित्तीय मूल्य का खुलासा नहीं किया है।

देश का निर्यात अप्रैल-मई में 15 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। देश के माल निर्यात में वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद अप्रैल-मई में करीब 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। वाणिज्य मंत्रालय मई महीने के व्यापार आंकड़े 15 जून को जारी करेगा। अधिकारी ने कहा, 'इन दो महीनों के दौरान निर्यात 15 प्रतिशत बढ़ा है।'

रुपया 56 पैसे टूटकर 95.74 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 56 पैसे कमजोर होकर 95.74 पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच निवेशकों के जोखिम न लेने की धारणा के कारण घरेलू मुद्रा में यह गिरावट आई। जोखिम से बचने की प्रवृत्ति के कारण डॉलर-रुपय जोड़ी ने पिछले कारोबार की बढ़त को गंवा दिया। इसके अलावा, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से उछाल और अमेरिकी डॉलर सूचकांक में वृद्धि ने भी निवेशकों के विश्वास को प्रभावित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.35 प्रति डॉलर पर खुला।

वाहन डीलर संघों के महासंघ फाडा ने दी जानकारी

देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी पहली बार 11 प्रतिशत से अधिक, मई में रिकॉर्ड खुदरा बिक्री

- पहली बार खुदरा बिक्री बढ़कर 25,31,067 इकाइयां पहुंची
- ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद हरित वाहनों में रुचि बढ़ी
- देश में वाहनों की कुल खुदरा बिक्री 9.55 प्रतिशत बढ़ी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश में वाहनों की कुल खुदरा बिक्री मई में 9.55 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 25,31,067 इकाइयों पर पहुंच गई, जबकि पहली बार इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की हिस्सेदारी 11 प्रतिशत के पार चली गई। पश्चिम एशिया संकट के बीच पिछले महीने ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी के बाद ईंधन-किफायती और हरित वाहनों में रुचि बढ़ना इसकी मुख्य वजह रही।

उद्योग निकाय फाडा ने सोमवार को यह जानकारी दी। वाहन डीलर संघों के महासंघ (फाडा) के अनुसार, देश में मोटर वाहनों की कुल खुदरा बिक्री मई में सालाना आधार पर 9.55 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 25,31,067 इकाई रही। उद्योग निकाय अनुसार, ये आंकड़े मई में वाणिज्यिक वाहनों (सीवी), यात्री वाहनों (पीवी) और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की सर्वश्रेष्ठ बिक्री को दर्शाते हैं।

मई में ईंधन की कीमतें बढ़ी

फाडा के अनुसार, 'मई में ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी के बाद उपभोक्ताओं की प्रतिक्रिया उल्लेखनीय रही। डीलरों ने ईंधन-किफायती और वैकल्पिक पावरट्रेन विकल्पों के बारे में जानकारी हासिल करने के मामलों में वृद्धि की सूचना दी जिसका असर दोपहिया ईवी हिस्सेदारी के 6.11 प्रतिशत से बढ़कर 9.25 प्रतिशत होने में दिखा।'

तिपहिया वाहनों की बिक्री बढ़ी

उद्योग निकाय फाडा के अनुसार, तिपहिया वाहनों की बिक्री पिछले महीने 1,11,526 इकाई रही, जो मई, 2025 की 1,07,688 इकाइयों से 3.56 प्रतिशत अधिक है। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री भी 5.29 प्रतिशत बढ़कर पिछले महीने रिकॉर्ड 83,823 इकाइयों पर पहुंच गई जो मई, 2025 में 79,614 इकाई थी। फाडा ने कहा, '' जून, 2026 के लिए समग्र परिदृश्य संतुलित लेकिन सतर्क रूप से आशावादी दिख रहा है।

मई में कई कारक प्रभावी रहे

फाडा के अध्यक्ष सी. एस. विग्नेश्वर ने कहा, '' जैसा कि हमने अप्रैल, 2026 की रिपोर्ट में अनुमान लगाया था..अत्यधिक गर्मी, ईंधन कीमतों का दबाव और पश्चिम एशिया की स्थिति जैसे कारक मई में प्रभावी रहे। फिर भी भारतीय मोटर वाहन खुदरा बाजार ने अपनी वृद्धि बनाए रखी। मई, 2026 में तिपहिया, यात्री वाहन, ट्रैक्टर और कुल पंजीकरण में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया गया।''

यात्री वाहन व ट्रैक्टर का प्रदर्शन श्रेष्ठ रहा : विग्नेश्वर ने बताया कि मई में कुल 25,31,067 इकाइयों की बिक्री हुई, जो सालाना आधार पर 9.55 प्रतिशत की वृद्धि है।

मांग की उम्मीदें मानसून की प्रगति पर निर्भर

फाडा ने कहा कि चार जून को केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून की शुरुआत और उसके उत्तर की ओर बढ़ने के साथ मांग की उम्मीदें मानसून की प्रगति, खरीफ बुवाई की तैयारी और शादी के मौसम के प्रभाव पर आधारित हैं। साथ ही, केंद्रीय बैंक के जून समीक्षा में नीतिगत रेपो दर 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखने से वित्तपोषण का माहौल भी सहायक बना हुआ है।

ईंधन की ऊंची कीमतें बाजार में बन सकती है बाधा

दोपहिया खंड में ग्रामीण नकदी प्रवाह में सुधार और ईवी विकल्पों की ओर बढ़ती रुचि से मांग को समर्थन मिलने की उम्मीद है। हालांकि, गर्मी और ईंधन की ऊंची कीमतें कुछ बाजारों में बाधा बनी रह सकती हैं। फाडा ने कहा, '' कुल मिलाकर अगले तीन महीने सतर्क रूप से आशावादी नजर आते हैं।

कच्चे तेल के दाम चढ़ने से शेयर बाजार में गिरावट सेंसेक्स 719 अंक टूटा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

- निवेशकों को लगी 6 .31 लाख करोड़ रुपए की चपत
- दुनिया के अन्य प्रमुख बाजारों में भी नरमी रही

स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही और दोनों मानक सूचकांक...बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी नुकसान में रहे, जिससे निवेशकों को 6.31 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

दुनिया के अन्य प्रमुख शेयर बाजारों में नरमी तथा कच्चे तेल के दाम में फिर से तेजी से बीएसई सेंसेक्स 719 अंक लुढ़क गया जबकि एनएसई निफ्टी में 244 अंक की गिरावट आई। कारोबारियों के अनुसार, विदेशी पूंजी की निकासी और डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर में गिरावट से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 719.08 अंक टूटकर 73,524.26 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 924.4 अंक तक लुढ़क गया था। पचास शेयरों पर आधारित निफ्टी 243.70 अंक की गिरावट के साथ 23,123 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, निफ्टी 296.55 अंक तक लुढ़क गया था। सेंसेक्स के शेयरों में इटर्नल, महिंद्रा एंड महिंद्रा, ट्रेंट, इंटरग्लोब एविएशन, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज में प्रमुख रूप से गिरावट रहे।

निवेशकों को 6.31 लाख करोड़ रुपए का नुकसान : शेयर बाजार में सोमवार को भारी गिरावट से निवेशकों को 6.31 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। दुनिया के अन्य प्रमुख शेयर बाजारों में नरमी तथा कच्चे तेल के दाम में फिर से तेजी से शेयर बाजार में गिरावट आई। इस गिरावट के साथ बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 6,31,440.41 करोड़ रुपये घटकर 4,55,28,758.96 (4,760 अरब डॉलर) रहा।

देश में 58 करोड़ से अधिक जन धन खाते : सीतारमण

- करोड़ों लोग औपचारिक बैंकिंग खातों से जुड़े
- कम लागत वाले बीमा और पेंशन लाभ सीधे लोगों तक पहुंच रहे

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि 58 करोड़ से अधिक जन धन खातों ने करोड़ों भारतीयों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा है।

वित्त मंत्रालय के अनुसार, जन धन योजना के तहत कल्याणकारी योजनाओं, कम लागत वाले बीमा और पेंशन के लाभ सीधे लोगों तक पहुंच रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा, 'गरीब कल्याण, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हर भारतीय के लिए गरिमा, अवसर एवं सशक्तीकरण की गारंटी है।' सीतारमण ने कहा कि गरीबी और अभाव के खिलाफ लड़ाई में भारत वैश्विक स्तर पर अलग पहचान बना रहा है। प्रधानमंत्री जन धन योजना की शुरुआत 28 अगस्त, 2014 को की गई थी। यह

दुनिया की सबसे बड़ी वित्तीय समावेशन पहल में से एक है। इस योजना के तहत 56 प्रतिशत खाताधारक महिलाएं हैं। वहीं 67 प्रतिशत खाते ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खोले गए हैं। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के जरिये लाभार्थियों के खातों में लगभग 45 लाख करोड़ रुपये सीधे हस्तांतरित किए गए हैं। अब भारत की 94 प्रतिशत वयस्क आबादी के पास बैंक खाता है।

खातों में शून्य बैलेंस की सुविधा मिलती है

इस योजना के तहत खोले गए खातों में शून्य 'बैलेंस' की सुविधा, मुफ्त रुपे कार्ड, दुर्घटना बीमा और 'ओवरड्राफ्ट' की सुविधा मिलती है। इसने लोगों को औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़ने में मदद की है जिससे उनके जीवन में बदलाव आया है और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है।

अदाणी पोर्ट्स को अर्जेंटीना में मिला 10 साला का ठेका

नई दिल्ली। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) को अर्जेंटीना की पहली तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) निर्यात परियोजना के लिए 10 वर्ष का समुद्री सेवाओं का ठेका मिला है।

सोने का भाव 1,100 रुपए गिरा और चांदी 5,000 रुपए लुढ़की

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

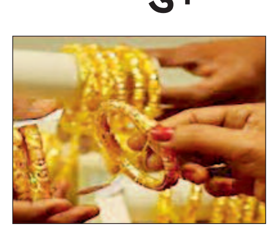

राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को सोने की कीमतों में 1,100 रुपये की गिरावट दर्ज की गई और यह 1,58,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। वैश्विक बाजारों में कमजोरी, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और महंगाई को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच यह गिरावट आई।

स्थानीय सराफा कारोबारियों ने कहा कि 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना शुक्रवार के बंद भाव 1,59,900 रुपये प्रति 10 ग्राम से 1,100 रुपये घटकर 1,58,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर सहित) रह गया। इसी तरह, चांदी की कीमतों में भी दबाव देखने को मिला। चांदी का भाव 5,000 रुपये टूटकर 2,55,700 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) पर आ गया। पिछले सत्र में इसका बंद भाव 2,60,700 रुपये प्रति किलोग्राम था। विश्लेषकों के मुताबिक, कीमती धातुओं में यह गिरावट हाल में देखी जा रही कमजोरी का ही विस्तार है। निवेशक अब सुरक्षित निवेश के बजाय बढ़ती ऊर्जा कीमतों से महंगाई पर पड़ने वाले असर पर कहीं अधिक ध्यान दे रहे हैं लेमन मार्केट्स डेस्क के शोध विश्लेषक गौरव गर्ग ने कहा, /''अमेरिका में उम्मीद से बेहतर आर्थिक आंकड़े आने से महंगाई और ब्याज दरों को लेकर चिंता बढ़ गई है। इस वजह से सोना और चांदी जैसे सुरक्षित निवेश विकल्पों को लेकर आकर्षण कम हुआ है।/

बंधन बैंक ने चार राज्यों में खोली आठ नई शाखाएं

कोलकाता। बंधन बैंक ने कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और हरियाणा में आठ नयी शाखाएं खोलने की सोमवार को घोषणा की। इसके साथ ही देश भर में उसकी शाखाओं की कुल संख्या 1,984 हो गई है।बैंक ने कहा कि कर्नाटक में चार, दिल्ली में दो और उत्तर प्रदेश तथा हरियाणा में एक-एक नयी शाखा खोली गईं हैं। इन शाखाओं का उद्घाटन मैसूरु, बेंगलुरु, दिल्ली और गुरुग्राम में किया गया। बंधन बैंक के कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य कारोबार अधिकारी राजिंदर कुमार बब्बर ने कहा, 'जैसे-जैसे हमारा नेटवर्क बढ़ता है, हम सतत विस्तार और ग्राहकों की बदलती अपेक्षाओं को पूरा करने वाले नवीन, टिकाऊ बैंकिंग समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहते हैं।'

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड
C.PDCL (छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम) (छत्तीसगढ़ शासन का एक उत्तरवर्ती कंपनी)
कार्यालय कार्यपालन यंत्री (सं./सं.) संभाग उरला, रायपुर (छ.ग.)

क्रमांक / 051/5000/स्था./795 उरला, दिनांक 05/06/2026

प्रति,
श्री अमित कुमार यादव (परिचारक श्रेणी- एक (ला.))
पिता स्व. श्री अनंत कुमार यादव
पता- क्वार्टर नं.- सी-30, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी कोटा,
रायपुर, छ.ग.,

विषय :- कार्य से अनधिकृत रूप से अनुपस्थित बाबत।

संदर्भ :- 1. सहायक यंत्री, भनपुरी जोन का पत्रांक 2325 दिनांक 25.02.2026
2. इस कार्यालय का पत्रांक 4195, दिनांक 20.03.2026
3. इस कार्यालय का पत्रांक 652, दिनांक 25.05.2026

आपको सूचित किया जाता है कि आप दिनांक 22.02.2026 से आज पर्यंत बिना किसी पूर्व सूचना / आवेदन के अपने कार्य से अनधिकृत रूप से अनुपस्थित हैं। इस कार्यालय के संदर्भित पत्रों के माध्यम से आपको कार्य पर तत्काल उपस्थित होने हेतु सूचना प्रेषित की गई थी किंतु आज पर्यंत तक आप अपने कर्तव्य पर उपस्थित नहीं हुए हैं।

अतः इस सूचना के माध्यम से अंतिम रूप से सलाह दिया जाता है कि सूचना प्रकाशन की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी अनुपस्थिति के युक्तियुक्त कारणों एवं दस्तावेजों सहित निश्चित रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज करावें। उपस्थिति दर्ज नहीं कराने की स्थिति में यह समझा जावेगा कि आप कंपनी की सेवा के इच्छुक नहीं हैं।

अतएव प्रकरण पर कंपनी के नियमानुसार एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी जिसके लिए आप स्वयं जिम्मेदार रहेंगे।

(प्रवीण कुमार शर्मा)
(कर्म. सं. 4511092)
कार्यपालन यंत्री (सं./स.) संभाग
छ.स्टे. पा. डिस्ट्री क. लिमि. उरला

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 1 (छत्तीसगढ़)

निविदा सूचना
(प्रथम आमंत्रण)

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती हैः-

एन.आई.टी. क्र. / सिस्टम टेन्डर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत रु. (लाख में)
1	2	3
48/191382	S/R, MOW & DEPOSITE WORK AT LOK BHAVAN SECTION UNDER CONSTRUCTION SUB DIVISION NO-2, RAIPUR (C.G.)	रू.50.00 लाख
49/191383	S/R, MOW & DEPOSITE WORK AT MEDICAL COLLEGE SECTION UNDER CONSTRUCTION SUB DIVISION NO-2, RAIPUR (C.G.)	रू.50.00 लाख
74/191853	PROVIDING AND FIXING 5TH KM STONE, ORDINARY KM STONE, 0.20 KM STONE, BOUNDARY STONE & MEDIAN MAINTENANCE OF VARIOUS ROADS UNDER SURVEY SUB DIVISION RAIPUR	रू.20.00 लाख
75/192620	मेंटनेंस उपसंभाग अंतर्गत भाठागांव सेक्शन के विभिन्न मार्गो में डिवाईडर पेंटिंग कार्य एवं म्यूरल आर्ट रिपेरिंग एवं पेटिंग का कार्य।	रू.15.00 लाख

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 25.06.2026 समय सायं 5.30 बजे तक
उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी https://eproc.cgstate.gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाउनलोड की जा सकती है।

अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग,
रायपुर मंडल क्रं. 1, रायपुर (छ.ग.)
G-262701273/3

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग कार्यालय अधीक्षण अभियंता, बस्तर जल संसाधनमंडल, जगदलपुर (छ.ग.)

ई. प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 192397 / निविदा सूचना क्र. 01/व.ले.लि. / 2026-27 दिनांक 05.06.2026

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 30.06.2026 17:30 तक ऑनलाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है :-

कार्य का नाम - कोंडागांव जिले के विकासखंड कोंडागांव के जोबा एनीकट निर्माण कार्य ।

अनुमानित लागत - रू. 195.15 लाख (जी. एस. टी. छोड़कर)
(एस.ओ.आर. दिनांक 01.05.2025 से प्रचलित (यथा संशोधित दिनांक 08.08.2025))

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट https://eproc.cgstate. gov.in पर दिनांक 12.06.2026 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है ।

नोटः निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों कोई प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है। इस निविदा में जल संसाधन विभाग द्वारा जारी निविदा पूर्व अर्हता प्रमाण पत्र जिसकी वैधता दिनांक 30.09.2026 तक है, वह लागू होगी ।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, कोंडागांव
कृते अधीक्षण अभियंता बस्तर जल संसाधन मंडल, जगदलपुर
G-262701254/3

कार्यालय कलेक्टर (महिला एवं बाल विकास विभाग) पांच बिल्डिंग परिसर, जिला-दुर्ग (छ.ग.)
Phone No. :- 0788-2323704, E-Mail ID :- dpodurg@gmail.com

क्रमांक/753 / मबावि / सावि / 2026-27
दुर्ग, दिनांक 04/06/2026

''मिशन शक्ति अंतर्गत सखी निवास में रिक्त पदों की पदपूर्ति हेतु आवेदकों से दावा आपत्ति आमंत्रित''

महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला-दुर्ग द्वारा मिशन शक्ति अंतर्गत सखी निवास में रिक्त पदों की पदपूर्ति हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए थे। प्राप्त आवेदन पत्रों को जिला स्तरीय चयन समिति के द्वारा स्क्रूटनी पश्चात परीक्षण कर पात्र / अपात्र की प्रारम्भिक सूची तैयार की गई है। इस सूची का अवलोकन जिले की वेबसाईट www.durg.gov.in एवं कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला - दुर्ग के सूचना पटल पर किया जा सकता है। संबंधित आवेदकों के द्वारा उपरोक्त सूची अनुसार दिनांक 18.06.2026 तक कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे तक दावा आपत्ति प्राप्त होने पर ही स्वीकार की जावेगी। इस संबंध में कार्यालय में प्रदर्शित सूची अंतिम मानी जावेगी। आवेदक अपनी दावा आपत्ति स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है । किसी अन्य माध्यम ई-मेल, कोरियर या कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत दावा आपत्ति मान्य नहीं होगी ।

जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी
महिला एवं बाल विकास विभाग
जिला - दुर्ग (छ.ग.)
G-262701270/2

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय मुख्य अभियंता, गोदावरी कछार, जल संसाधन विभाग, जगदलपुर (छ.ग.)

ई. प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 192399/निविदा सूचना क्र. 07/ व.ले. लि./2026-27 दि. 05.06.2026

निम्नलिखित कार्य के लिए दिनांक 30.06.2026 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है :-

कार्य का नाम - बस्तर जिले के विकासखंड बस्तर के कोसारटेडा मध्यम सिंचाई जलाशय परियोजना के मुख्य नहर के फरसागुड़ा उद्वहन सिंचाई योजना का निर्माण कार्य ।

अनुमानित लागत - रू.1030.87 लाख (जी.एस.टी. छोड़कर)
(एस. ओ. आर. दिनांक 01.05.2025 से प्रचलित (यथा संशोधित दिनांक 08.08.2025))

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 12.06.2026 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है ।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है। इस निविदा में जल संसाधन विभाग द्वारा जारी निविदा पूर्व अर्हता प्रमाण पत्र जिसकी वैधता दिनांक 30.09.2026 तक है, वह लागू होगी।

कार्यपालन अभियंता
टी.डी.पी.पी. जल संसाधन संभाग, जगदलपुर
कृते मुख्य अभियंता गोदावरी कछार
जल संसाधन विभाग, जगदलपुर, छ.ग.
G-262701277/8

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)
(प्रथम आमंत्रण)

दुर्ग, दिनांक 01.06.2026

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र ''ई'' में प्रतिशत दर पर दिनांक 22.06.2026 तक आमंत्रित की जाती हैः-

निविदा आमंत्रण सू. क्र. / सि.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
106/192256	लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग क्र. 01 एवं 03 दुर्ग के अंतर्गत पेटी आयटम सप्लाई का कार्य (जोनल एजेन्सी)	18.00
107/192258	लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग क्रं. 02 दुर्ग एवं पाटन के अंतर्गत पेटी आयटम सप्लाई का कार्य (जोनल एजेन्सी)	16.00
108/192259	लोक निर्माण विभाग, बेमेतरा संभाग के अंतर्गत पेटी बाजार सप्लाई का कार्य (जोनल एजेन्सी)	30.00
109/192260	लोक निर्माण विभाग, बालोद संभाग के अंतर्गत पेटी बाजार सप्लाई का कार्य (जोनल एजेन्सी)	15.00
110/192261	लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग क्र. 02 राजनांदगांव एवं डोंगरगढ़ के अंतर्गत पेटी बाजार सप्लाई का कार्य (जोनल एजेन्सी)	15.00
111/192262	लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग क्र. 01 राजनांदगांव के अंतर्गत पेटी बाजार सप्लाई का कार्य (जोनल एजेन्सी)	15.00
112/192263	लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग खैरागढ़ एवं छुईखदान के अंतर्गत पेटी बाजार सप्लाई का कार्य (जोनल एजेन्सी)	11.00
113/192264	लोक निर्माण विभाग, कवर्धा संभाग के अंतर्गत पेटी बाजार सप्लाई का कार्य (जोनल एजेन्सी)	14.00
114/192265	लोक निर्माण विभाग, मोहला - मानपुर - अं. चौकी संभाग के अंतर्गत पेटी बाजार सप्लाई का कार्य (जोनल एजेन्सी)	11.00

टीप - 1. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है । 2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें ।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग दुर्ग मण्डल दुर्ग
G-262701266/3

कार्यालय जिला पंचायत, जिला दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा (छ.ग.)
कार्यालय 07856-252522 ई-मेल पता - zp-dantewada.cg@nic.in

प्रेस विज्ञप्ति

क्रमांक / 142 / उप संचा. / स.स्था. / 2026-27 दन्तेवाड़ा, दिनांक 05/06/2026

कार्यालय जिला पंचायत दन्तेवाड़ा के विज्ञप्ति क्रमांक / 141 / उप संचा./स. स्था. / 2026-27 दंतेवाड़ा, दिनांक 05/06/2026 के तहत जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा में ग्राम पंचायत सचिवों के कुल 45 पदों पर भर्ती हेतु दिनांक 22-06-2026सायं 5.00 बजे तक आवेदन पत्र आमंत्रित किया गया है। भर्ती हेतु विज्ञापन एवं आवेदन पत्र का प्रारूप जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा के वेबसाईट www.dantewada.nic.in, जिला पंचायत दन्तेवाड़ा के सूचना पटल, जिले के जनपद पंचायतों के सूचना पटल पर देखा जा सकता है ।

रिक्त पदों का विवरण निम्नानुसार है

रिक्त पदों की संख्या	अनारक्षित					अ.ज.जा.					अ. जा.					अ.पि.व.				
	मु.	म.	भू.पू.सै.	निःशक्त	योग	मु.	म.	भू.पू.सै.	निःशक्त	योग	मु.	म.	भू.पू.सै.	निःशक्त	योग	मु.	म.	भू.पू.सै.	निःशक्त	योग
45	3	0	0	0	3	19	10	3	2	34	1	0	0	0	1	5	2	0	0	7

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जिला पंचायत दन्तेवाड़ा
जिला दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा
S-48073/1

- 11 जून से सजेगा फुटबॉल का सबसे बड़ा रंगमंच, टूटेंगे पुराने रिकॉर्ड
- अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में 39 दिनों तक मचेगा फुटबॉल का घमासान
- 16 स्टेडियम में पहली बार ट्रिपल होस्टिंग का अनोखा रोमांच

फुटबॉल का 'मेगा शो', 3 देशों में 48 टीमें और 104 मैच

एजेंसी ▶▶| न्यू जर्सी

अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में 11 जून से शुरू होने वाला फुटबॉल विश्व कप अब तक का सबसे बड़ा विश्व कप होगा, जिसमें पहली बार 48 टीम भाग लेंगी और इसमें 104 मैच खेले जाएंगे।

यह टूर्नामेंट 39 दिन तक चलेगा और इसे 16 स्टेडियम में खेला जाएगा। इससे पहले विश्व कप में 32 टीम भाग लेती थी और यह पहला अवसर है जबकि इस टूर्नामेंट में 48 टीम शामिल हैं। इससे पहले विश्व कप में टीमों की संख्या 1998 में बढ़ाई गई थी। इसके अलावा यह पहला अवसर है जबकि तीन देश मिलकर विश्व कप का आयोजन कर रहे हैं। इससे पहले 2002 में जापान और दक्षिण कोरिया ने संयुक्त रूप से विश्व कप की मेजबानी की थी।

अमेरिका में खेला जाएगा फाइनल

विश्व कप अमेरिका के 11, मेक्सिको के 3 और कनाडा के 2 स्थलों पर खेला जाएगा। मेक्सिको 13 मैचों की मेजबानी करेगा, जिनमें 11 जून को मेक्सिको सिटी में मेजबान टीम और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाला उद्घाटन मैच और नॉकआउट दौर के तीन मैच शामिल हैं। कनाडा में भी कुल 13 मैच होंगे, जिनमें से पहला मैच मेजबान टीम और बोस्निया-हर्जेगोविना के बीच 12 जून को टोरंटो में होगा। कनाडा में तीन नॉकआउट मैच भी खेले जाएंगे। बाकी 78 मैच अमेरिका में खेले जाएंगे। अमेरिका में पहला मैच 12 जून को लॉस एंजिलिस में अमेरिका और पराग्वे के बीच खेला जाएगा। अमेरिका में क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल खेले जाएंगे।

विश्व कप से जुड़े महत्वपूर्ण आंकड़े

रिकॉर्ड 1,248 खिलाड़ी होंगे शामिल

48 टीम में रिकॉर्ड 1,248 खिलाड़ी शामिल हैं, जो 71 देशों के 449 घरेलू क्लबों से आए हैं। इनमें 357 खिलाड़ी विश्व कप में पहले खेल चुके हैं, जबकि 891 खिलाड़ी पहली बार इस टूर्नामेंट में भाग लेंगे। इंग्लैंड के क्लबों में खेलने वाले सर्वाधिक 200 खिलाड़ी विश्व कप में अपना जलवा दिखाएंगे। इसके बाद जर्मनी (109)), फ्रांस (86), स्पेन (86), इटली (71) और सऊदी अरब (49) का स्थान आता है। प्रीमियर लीग की टीम मैनचेस्टर सिटी के सर्वाधिक 19 खिलाड़ी विश्व कप में भाग लेंगे। उसके बाद बायर्न म्यूनिख (18), चैंपियंस लीग के फाइनलिस्ट पेरिस सेंट-जर्मेन और आर्सेनल (16) और बार्सिलोना ((15) का नंबर आता है।

केवल आठ देशों ने जीता विश्व कप

केवल आठ देशों ने विश्व कप जीता है, जिनमें से छह टीमों ने एक से अधिक खिताब जीते हैं। ब्राजील पांच खिताब के साथ सबसे आगे है। केवल दो देशों ने ही लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है। पेले के नेतृत्व में ब्राजील ने 1958 और 1962 में खिताब जीता था, जबकि इटली ने 1934 और 1938 में खिताब अपने नाम किया था।

23वीं बार ब्राजील लेगा हिस्सा

ब्राज़ील एकमात्र ऐसा देश है जिसने 1930 में उरुग्वे में शुरू हुए विश्व कप से लेकर अब तक सभी विश्व कप में भाग लिया है। ब्राज़ील 76 जीत, 237 गोल और 129-0 के गोल अंतर के साथ सभी देशों में सबसे आगे है। पहले 22 विश्व कप में 964 मैचों में 2,720 गोल किए गए हैं।

खिलाड़ियों में 25 साल का अंतर

सबसे उम्रदराज खिलाड़ी और सबसे कम उम्र के खिलाड़ी के बीच 25 साल से अधिक का अंतर है। स्कॉटलैंड के गोलकीपर क्रेग गॉर्डन टूर्नामेंट के पहले दिन 43 साल और 162 दिन, जबकि मैक्सिको के गिल्बर्ट मोरा 17 साल और 240 दिन के होंगे।

फ्रांस करेगा लगातार तीसरी बार फाइनल में पहुंचने की कोशिश

फ्रांस लगातार तीन फाइनल में पहुंचने वाला तीसरा देश बनने की कोशिश करेगा। इससे पहले उसने 2018 में खिताब जीता था लेकिन 2022 में वह हार गया था। पश्चिम जर्मनी 1982 और 1986 में फाइनल हार गया था, जिसके बाद उसने 1990 में अर्जेंटीना को हराया था। ब्राजील ने 1994 और 2002 में जीत हासिल की थी, जबकि 1998 में उसे फ्रांस से खिताबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था।

रोनाल्डो ने खेले अब तक 226 अंतरराष्ट्रीय मैच

पुर्तगाल के स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो टूर्नामेंट में भाग लेने वाले सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। उन्होंने अब तक 226 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। वह अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी के साथ छह विश्व कप में भाग लेने वाले पहले खिलाड़ी बनने के लिए तैयार हैं। मेस्सी ने अपने करियर में विश्व कप के सबसे अधिक 26 मैच खेले हैं और वह 200 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले तीसरे खिलाड़ी बनने से केवल दो मैच दूर हैं।

टूट सकता है क्लोज का विश्व कप में 16 गोल करने का रिकॉर्ड : जर्मनी के लिए मिरोस्लाव क्लोज़ का विश्व कप में 16 गोल करने का रिकॉर्ड इस बार टूट सकता है। मेस्सी ने विश्व कप में 13 गोल किए हैं और वह क्लोज़, ब्राज़ील के स्टार रोनाल्डो (15) और गेर्ड मुलर (14) से ही पीछे हैं। फ्रांस के किलियन एमबाप्पे भी इस रिकॉर्ड की दौड़ में हैं, जिन्होंने पिछले दो टूर्नामेंट में कुल मिलाकर 12 गोल किए हैं।

खबर संक्षेप

आईजीपीएल क्लासिक : कोचर ने बनाई शीर्ष 10 में जगह

अल जदीदा। भारत के करणदीप कोचर ने अंतिम दिन बोगीमुक्त चार अंडर 68 का स्कोर बनाया, जिससे वह आईजीपीएल भारत क्लासिक गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त नौवें स्थान पर रहे। यह इस सत्र में तीसरा अवसर है जबकि कोचर ने इस सत्र में किसी टूर्नामेंट के शीर्ष 10 में जगह बनाई। चंडीगढ़ के इस गोल्फर ने अब एशियन टूर ऑर्डर ऑफ मेरिट में 12वां स्थान हासिल कर लिया है। कोचर का कुल स्कोर 11 अंडर रहा, जबकि स्वीडन के चार्ली लिंध ने 18 अंडर के स्कोर के साथ खिताब जीता। भारत के अन्य खिलाड़ियों में गगनजीत भुल्लर और यशस चंद्र छह अंडर के कुल स्कोर के साथ संयुक्त 27वें स्थान पर रहे। राशिद खान, कार्तिक सिंह और सचिन बैसोया संयुक्त 41वें स्थान पर रहे।

तमीम इकबाल बने बीसीबी के अध्यक्ष

ढाका। पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) का अध्यक्ष चुना गया है। वह इस पद पर चुने गए सबसे युवा उम्मीदवार हैं। वह चार साल के लिए इस पद पर रहेंगे।

यह 37 वर्षीय पूर्व खिलाड़ी इससे पहले अप्रैल से तदर्थ समिति के प्रमुख के रूप में कार्य कर रहा है। तमीम ने अध्यक्ष चुने जाने के बाद कहा, ' संगठन में बहुत सी कमियां हैं।अगर हम सभी (संवैधानिक सुधार के बारे में) एकमत होते हैं तो हम अगली वार्षिक आम बैठक में उन पर चर्चा करेंगे। यह 12 या 13 लोगों के बोर्ड जैसा नहीं है, जहां एक व्यक्ति कुछ कहता है और उस पर अमल कर लिया जाता है।' तमीम ने एक क्रिकेटर के रूप में 15 साल के करियर में 70 टेस्ट और 243 वनडे मैच खेले।

विश्व कप में हिस्सा लेने मेक्सिको पहुंची ईरानी टीम

टिजूआना। फीफा विश्व कप में भाग लेने के लिए ईरान की टीम मेक्सिको पहुंची तो खिलाड़ियों ने अपने जैकेट पर ऐसे 'लेपल पिन' लगाए थे, जो पश्चिम एशिया में युद्ध के शुरुआती दौर में एक प्राथमिक स्कूल पर हुए घातक मिसाइल हमले के पीड़ितों की याद दिला रहे थे। खिलाड़ियों को टिजुआना में विमान से उतरते समय '168' अंक लिखे हुए सुनहरे रंग के पिन के साथ देखा गया। यह संख्या उस हमले में मारे गए लोगों की थी, जिनमें ज्यादातर बच्चे थे। यह हमला 28 फरवरी को दक्षिणी ईरान के मिनाब में हुआ था।

3 दिन में अफगानिस्तान ने टेके घुटने, भारत की सबसे बड़ी जीत

टीम इंडिया ने अफगानिस्तान को एक पारी और 300 रन से हराया, 8 साल पुराना कीर्तिमान ध्वस्त

एजेंसी ▶▶| मुल्लांपुर

भारत ने अफगानिस्तान को एकमात्र टेस्ट में तीसरे ही दिन सोमवार को एक पारी और 300 रन से हरा दिया और बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार का पदार्पण मैच में यादगार प्रदर्शन मेजबान के लिए इस मैच की सबसे बड़ी उपलब्धि रही। दोनों पारी में सुथार के 7 विकेट के दम पर भारत ने अफगानिस्तान को 152 रन पर आउट कर दिया था।

दूसरी पारी में अफगानिस्तान की टीम 35.5 ओवर में 112 रन पर सिमट गई। भारत की यह पारी के अंतर के आधार पर सबसे बड़ी जीत रही। दूसरी पारी में वॉशिंगटन सुंदर ने 4 और कुलदीप यादव ने 3 विकेट चटकाए। भारत ने 2018 में अफगानिस्तान को एक पारी और 260 रन से हराया था लेकिन मेहमान टीम के लिए राहत की बात यह है कि वे इस मैच को तीसरे दिन तक खींचकर ले गए।

अफगानिस्तान के बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक

अफगानिस्तान के बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। भारतीय स्पिनरों ने उनके गैर जिम्मेदाराना शॉट चयन का पूरा फायदा उठाया। पहली पारी की गलतियों से भी अफगान बल्लेबाजों ने सबक नहीं सीखा और दूसरी पारी में प्रदर्शन और खराब रहा। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज सेदिकुल्लाह अटल (42) चाय से पहले आखिरी गेंद पर आउट हुए। अटल ने वॉशिंगटन सुंदर की गेंद पर बैकवर्ड प्वाइंट में मोहम्मद सिराज को आसान कैच दिया। रहमानुल्लाह गुरबाज (24) ने कुलदीप की गेंद पर हवाई शॉट खेला और लांग आन सीमा पर सिराज ने उनका कैच लपक लिया। पहली पारी में अर्धशतक लगाने वाले रहमत शाह (13) ने सुंदर की गेंद पर सुतार को कैच थमाया। सुथार ने सुबह जब पारी में 5 विकेट पूरे किए तो यह कारनामा देखने के लिए मैदान पर बमुश्किल 500 दर्शक थे।

टेस्ट डेब्यू के पहले ओवर में विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज

मोंटू बनर्जी बनाम वेस्टइंडीज	(1948)
मनोहर हार्दिकर बनाम वेस्टइंडीज	(1958)
वमन कुमार बनाम पाकिस्तान	(1961)
चेतन शर्मा बनाम पाकिस्तान	(1984)
डब्ल्यूवी रमन बनाम वेस्टइंडीज	(1988)
नीलेश कुलकर्णी बनाम श्रीलंका	(1997)
टिनू योहानन बनाम इंग्लैंड	(2001)
मानव सुथार बनाम अफगानिस्तान	(2026)

एक पारी में 5 विकेट लेने वाले दसवें गेंदबाज बने सुथार

मैच के नायक राजस्थान के श्रीगंगानगर के बाएं हाथ के स्पिनर सुथार रहे। पदार्पण में एक पारी के 5 विकेट चटकाने वाले वह भारत के दसवें गेंदबाज बन गए। उन्होंने अपने प्रदर्शन से भविष्य में रविंद्र जडेजा के विकल्प के तौर पर खुद को खड़ा कर दिया। भारत के पास टर्निंग पिचों पर विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं लेकिन 23 वर्ष के सुथार ने दिखा दिया कि वह सपाट पिचों पर भी विकेट ले सकते हैं।

वनडे के बाद अब टी-20 की बारी, राह नहीं आसान

12 जून से इंग्लैंड में शुरू होगा टी20 विश्व कप

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

8 महीने के अंदर दूसरा आईसीसी खिताब जीतने की कवायद में लगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम को 12 जून से इंग्लैंड में शुरू होने वाले टी20 विश्व कप में परचम लहराने के लिए व्यक्तिगत प्रतिभा पर निर्भर रहना पड़ सकता है, क्योंकि उसके सभी विभागों में कुछ न कुछ कमियां हैं। भारतीय महिला टीम ने पिछले साल नवंबर में वनडे विश्व कप जीतकर इतिहास रचा था लेकिन तब भी उसकी टीम को बीच में संघर्ष करना पड़ा था। ऐसे में जेमिमा रोड्रिग्स ने जिम्मेदारी संभाली और भारत को चैंपियन बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कुछ समय पहले तक ऐसा लग रहा था कि भारत ने सबसे छोटे प्रारुप में लगभग सभी विभाग में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है, लेकिन टी20 विश्व कप से पहले दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड से लगातार दो श्रृंखला हारने से उसकी कमजोरियां उजागर हो गई हैं।

शेफाली और स्मृति के प्रदर्शन पर संशय

सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना का प्रदर्शन हाल ही में अच्छा नहीं रहा है। यही नहीं निचले क्रम के बल्लेबाज भी अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। टीम की प्रमुख पावर हिटर ऋचा घोष 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ विश्व कप के पहले मैच से पहले रन बनाने के लिए जूझ रही हैं। अनुभवी ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा का प्रदर्शन भी बल्ले और गेंद दोनों से ही निराशाजनक रहा है।

विश्व योगासन चैंपियनशिप

भारत ने 102 स्वर्ण समेत 114 पदक जीतकर रचा इतिहास

भारत ने रखा दबदबा कायम, पदक तालिका में हासिल किया शीर्ष स्थान

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

मेजबान भारत ने पहली विश्व योगासन चैंपियनशिप 2026 में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 102 स्वर्ण पदकों सहित कुल 114 पदक जीतकर प्रतियोगिता का शानदार समापन किया। अहमदाबाद के ईकेए एरिना में आयोजित इस वैश्विक आयोजन में भारतीय खिलाड़ियों ने लगभग हर वर्ग में अपना दबदबा कायम रखा और पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत के बाद जापान तीन स्वर्ण, तीन रजत और पांच कांस्य पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। वहीं अर्जेंटीना ने तीसरा स्थान हासिल किया, जिसका श्रेय उसकी स्टार खिलाड़ी नाबिला बर्राजा को जाता है। बर्राजा ने अकेले दो स्वर्ण और तीन रजत पदक जीतकर अपनी टीम को शीर्ष तीन देशों में पहुंचाया।

नेपाल रहा दूसरा सबसे सफल दल

हालांकि पदक तालिका में नेपाल पांचवें स्थान पर रहा, लेकिन कुल पदकों की संख्या के लिहाज से वह भारत के बाद दूसरा सबसे सफल दल साबित हुआ। नेपाल ने एक स्वर्ण, 36 रजत और 15 कांस्य सहित कुल 52 पदक अपने नाम किए। उज्बेकिस्तान ने भी प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण, 13 रजत और 11 कांस्य समेत कुल 25 पदक जीते।

79 देशों के 522 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

इस विश्व चैंपियनशिप में 79 देशों के 522 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इनमें से 31 देशों के खिलाड़ियों ने कम से कम एक पदक जीता, जबकि 10 देशों ने स्वर्ण पदक हासिल करने में सफलता पाई।

इन संस्थानों ने दिया सहयोग

विश्व योगासन चैंपियनशिप 2026 को युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, आयुष मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई), स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ गुजरात, गुजरात पर्यटन तथा गुजरात योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन का सहयोग प्राप्त था।

विभिन्न संस्कृतियों के संगम

भारत ने प्रतियोगिता में 122 सदस्यीय दल उतारा था। खिलाड़ियों ने छह आयु वर्गों—सब-जूनियर (10-14 वर्ष), जूनियर (14-18 वर्ष), सीनियर (18-28 वर्ष), सीनियर-ए (28-35 वर्ष), सीनियर-बी (35-45 वर्ष) और सीनियर-सी (45-55 वर्ष)—में प्रतिस्पर्धा की। पांच दिनों तक चले इस आयोजन ने विभिन्न संस्कृतियों के संगम का भी शानदार उदाहरण पेश किया। दुनिया भर से आए खिलाड़ियों ने भारतीय संस्कृति, आतिथ्य और योग की समृद्ध परंपरा का अनुभव किया।

राही ने मनु को पछाड़ा, एशियाई खेलों के लिए ठोकी दावेदारी

एजेंसी ▶▶| देहरादून

एशियाई खेलों की पूर्व चैंपियन राही सरनोबत ने राष्ट्रीय चयन ट्रायल-4 (टी4) में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा का खिताब अपने नाम किया। उन्होंने फाइनल में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर को पछाड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया।

इस ट्रायल का आयोजन भारत की एशियाई खेलों की निशानेबाजी टीम के चयन के लिए किया जा रहा है। ओलंपियन राही पूरे फाइनल के दौरान लय में नजर आईं। उन्होंने 37 निशाने के साथ शीर्ष स्थान पक्का किया। मनु भाकर 35 निशाने के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि कर्नाटक की दिव्या टीएस ने 29 निशाने के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

भारत ने जीते 3 स्वर्ण सहित 17 पदक

उलानबटोर ओपन : टीम तालिका में शीर्ष तीन में शामिल भारत

एजेंसी ▶▶| उलानबटोर

भारत ने उलानबटोर ओपन सीनियर रैंकिंग सीरीज कुश्ती टूर्नामेंट में अपने अभियान का शानदार अंत किया जब प्रतियोगिता के अंतिम दिन दीपक (61 किग्रा), सागर जगलान (74 किग्रा) और दिनेश (125 किग्रा) ने पुरुष फ्रीस्टाइल वर्ग में स्वर्ण पदक जीते।

इन तीनों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत पुरुष फ्रीस्टाइल में सात पदक हासिल करने में सफल रहा। भारत ने फ्रीस्टाइल, ग्रीकोरोमन और महिला कुश्ती में कुल मिलाकर 17 पदक जीते और टीम तालिका में शीर्ष तीन में शामिल रहा। दीपक ने कजाखस्तान के आसिल एताकिन को एकतरफा मुकाबले में 6-0 से हराकर 61 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता जबकि दिनेश ने 125 किग्रा के फाइनल में कजाखस्तान के येदिगे कासिमबेक को 2-0 से हराया। सागर ने रूस के तामिर एशिनिमाएव को कड़े मुकाबले में 3-2 से हराकर 74 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

आज से ऑस्ट्रेलिया ओपन, शेट्टी करेंगे पुरुष एकल में चुनौती पेश

सिंधू करेंगी खिताबी सूखे को खत्म करने की कोशिश

एजेंसी ▶▶| सिडनी

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू मंगलवार से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलिया ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में लंबे समय से चले आ रहे खिताब के सूखे को खत्म करने की कोशिश करेंगी, जबकि उभरते सितारे आयुष शेट्टी पुरुष एकल में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे।

तीसरी वरीयता प्राप्त सिंधू 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीतने के बाद से अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीतने की कवायद में हैं। पूर्व विश्व चैंपियन का इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जनवरी में मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचना रहा है।

सिंधू का पहला मैच कैस्टिलो से

सिंधू को यहां अनुकूल ड्रॉ मिला है। इस 30 वर्षीय खिलाड़ी का पहला मैच पेरू की इनेस लूसिया कैस्टिलो से होगा। इस मैच में जीत दर्ज करने के बाद उनका सामना हमवतन इशारानी बरुआ और चीन की हान कियान शी के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। सिंधू पिछले सप्ताह इंडोनेशिया ओपन में राउंड-ऑफ-16 में पहुंची थी, जहां उन्हें विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आन से-यंग से हार का सामना करना पड़ा था। अगर सिंधू सेमीफाइनल तक पहुंचती है तो वहां उनका सामना जापान की विश्व में तीसरे नंबर की खिलाड़ी अकाने यामागुची से हो सकता है।

जिन वेई से मालविका का मुकाबला

महिला एकल ड्रॉ में ही तन्वी शर्मा का सामना चीनी ताइपे की पांचवीं वरीयता प्राप्त चियू पिन-चियान से, जबकि मालविका बंसोड़ का मुकाबला मलेशिया की गोह जिन वेई से होगा। अनमोल खरब को जापान की पूर्व विश्व चैंपियन और चौथी वरीयता प्राप्त नोजोमी ओकुहारा के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना होगा।

छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक
CHHATTISGARH GRAMIN BANK
Scheduled Bank Owned by Government
कॉर्पोरेट कार्यालयः प्लॉट नं.-47, सेक्टर-24, अटल नगर नवा रायपुर (छ.ग.) पिन-492018

सार्वजनिक सूचना- (Public Notice) (KYC अद्यतन हेतु अंतिम सूचना)

सभी खाताधारकों को सूचित किया जाता है कि भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशों के अनुसार सभी बैंक खाताधारकों के लिए समय-समय पर KYC अद्यतन करवाना अनिवार्य है। खाताधारकों को KYC अद्यतन करवाने हेतु पूर्व में दिनांक 27.05.2026 को समाचार पत्र में सूचना का प्रकाशन कराया गया था। जिन खाताधारकों ने अब तक अपने बैंक खाते में KYC अद्यतन नहीं कराया है वे दिनांक 15.06.2026 तक हमारी शाखा/ग्राहक सेवा केंद्र में जाकर KYC अद्यतन करवाएं। निर्धारित समयसीमा के भीतर KYC अद्यतन नहीं किये जाने की स्थिति में खातों को निष्क्रिय/डेबिट फ्रीज कर दिया जाएगा। अतः असुविधा से बचने के लिए खाते में KYC करवाएं।

आपके खाते में नामांकन, दावा भुगतान प्रक्रिया को सरल बनाता है, अतः खाते में नामांकन कराए ।

महाप्रबंधक (परिचालन)

यहां महिलाएं नहीं, पुरुष लेते हैं घूंघट, शादी के बाद छोड़ देते हैं अपना घर

दुनिया के सबसे रहस्यमयी और अनोखे समुदायों में से एक है सहारा रेगिस्तान की तुआरेग जनजाति। जहां भारत समेत ज्यादातर मुस्लिम और पारंपरिक समाजों में महिलाएं घूंघट या पर्दा करती हैं, वहीं तुआरेग संस्कृति में यह जिम्मेदारी पुरुषों की है।

काहिरा। यहां मर्द ही अपना चेहरा और सिर लंबे नीले कपड़े 'टैगेलमस्ट' से ढंककर रखते हैं, जिसे वे 'घूंघट' की तरह इस्तेमाल करते हैं। जबकि महिलाएं बिना किसी पर्दे के खुले मुंह और चेहरे के साथ समाज में घूमती-फिरती हैं। तुआरेग लोग खुद को 'केल तामाशेक' कहते हैं और इन्हें 'सहारा के नीले पुरुष' के नाम से भी जाना जाता है। नीले कपड़े का रंग उनके चेहरे पर रगड़ से लग जाता है, जिस वजह से वे नीले दिखते हैं। लड़का जब वयस्क होता है तब पहली बार यह टैगेलमस्ट पहनता है और उसके बाद सार्वजनिक जगहों पर लगभग हमेशा चेहरा ढंके रखता है। यहां तक कि खाते समय भी मुंह ढंकना जरूरी माना जाता है।

क्यों लेते हैं घूंघट?

तुआरेग पुरुषों का यह नीला घूंघट ना सिर्फ सांस्कृतिक प्रतीक है, बल्कि रेगिस्तान की धूल, रेत और तेज धूप से बचाव का भी साधन है। यह उनकी पहचान बन गया है। महिलाएं चमकीले रंगों के कपड़े पहनती हैं और खुलकर संगीत, नृत्य और सामाजिक गतिविधियों में भाग लेती हैं। आधुनिक समय में तुआरेग समुदाय माली, नाइजर, अल्जीरिया, लीबिया और बुर्किना फासो जैसे देशों में फैला हुआ है। हालांकि, शहरीकरण और आधुनिक शिक्षा के प्रभाव से कई युवा परंपराओं से दूर हो रहे हैं, लेकिन गांवों और रेगिस्तानी इलाकों में यह परंपरा अभी भी मजबूती से जीवित है।

भारत से उल्टा है कल्चर

इस समुदाय में मर्दों का सास-ससुर या पत्नी के परिवार के सामने मुंह खोलना अशिष्ट माना जाता है। लेकिन, सबसे हैरान करने वाली बात तो उनकी सामाजिक व्यवस्था है। तुआरेग समाज मातृसत्तात्मक है। यहां बच्चा मां की लाइन से संबंधित माना जाता है। नाम, संपत्ति और वंशज महिलाओं के माध्यम से आगे बढ़ते हैं। शादी के बाद पति पत्नी के तंबू में शिफ्ट हो जाता है। तंबू, पशुधन और जेवरात ज्यादातर पत्नी की संपत्ति होती है। महिला ही शादी में तंबू लाती है। तलाक की स्थिति में पति को ही तंबू छोड़कर जाना पड़ता है। बच्चे मां के पास रहते हैं। महिलाओं को तलाक लेने में कोई शर्म नहीं मानी जाती है। वे अपनी मर्जी से शादी चुन सकती हैं और समाज में स्वतंत्रता के साथ घूम-फिर सकती हैं। हालांकि, यह पूरी तरह महिला शासन नहीं है।

रोचक खबरें

उम्र 5 साल, वजन- 100 किलो, खाने के शौक ने मुसीबत में डाली जान

कंपाला। युगांडा के एक छोटे से गांव में एक ऐसा बच्चा रहता है जिसकी कहानी सुनकर कोई भी हैरान रह जाता है। मात्र 5 साल की उम्र में इस बच्चे का वजन 100 किलो पहुंच चुका है। वह ना सिर्फ अपने देश बल्कि पूरी दुनिया के सबसे भारी बच्चों में शुमार हो गया है। इस बच्चे की दो साल की छोटी बहन का वजन भी 30 किलो है। दोनों भाई-बहन मोटापे की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं और उनका मामला सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सामान्य तौर पर 5 साल का बच्चा करीब 18-20 किलो वजन का होता है, लेकिन यह बच्चा उससे पांच गुना ज्यादा वजन वाला है। उसकी बहन भी उम्र के हिसाब से दोगुने से ज्यादा भारी है। परिवार के अनुसार बच्चा जन्म से ही थोड़ा भारी था, लेकिन पिछले कुछ सालों में उसका वजन तेजी से बढ़ा है। खाने का अत्यधिक शौक और संभवतः कुछ हार्मोनल समस्या इसकी मुख्य वजह बनी। परिवार बताता है कि बच्चा दिन भर कुछ ना कुछ खाता रहता है। वह बहुत ज्यादा मात्रा में चावल, मीट, फल और जंक फूड खाता है। उसके माता-पिता ने कई बार डाइट कंट्रोल करने की कोशिश की, लेकिन बच्चा भूखा रहने पर इतना रोता-चिल्लाता है कि उन्हें मजबूरन खाना देना पड़ता है। अब स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि बच्चा चलने-फिरने में भी दिक्कत महसूस करता है। डॉक्टर्स चिंता जता रहे हैं। उन्होंने कहा कि इतने छोटी उम्र में इतना वजन हृदय, लीवर, सांस की नली और जोड़ों पर भारी बोझ डाल रहा है। अगर समय रहते वजन कंट्रोल ना किया गया तो बच्चे की जान खतरे में पड़ सकती है। युगांडा के स्थानीय अस्पतालों में इस मामले की जांच चल रही है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यह सिर्फ खाने की लत नहीं बल्कि थायरॉइड, पिट्यूटरी ग्लैंड या जेनेटिक समस्या भी हो सकती है।

घर से लेकर खेत तक चूहों का आतंक किसानों के साथ पुलिस भी परेशान

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के कई इलाकों में इन दिनों चूहों की आबादी इतनी बढ़ गई है कि लोगों के समस्या खड़ी हो गई है। चूहों से किसान, स्थानीय प्रशासन और आम लोग सभी परेशान हैं। हालात ऐसे हो गए हैं कि खेतों से लेकर घरों और जेलों तक में चूहों ने आंतक फैला रखा है। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया और दक्षिणी ऑस्ट्रेलिया के बड़े खेती वाले इलाकों में चूहों का आतंक किसानों के लिए भारी आर्थिक नुकसान की वजह बन गया है। चूहों की आबादी इतनी अधिक हो गई है कि वो खेतों में फसलों को खा जा रहे हैं। किसान दोबारा बुवाई कर रहे हैं या फिर जहर मिले चारे पर लाखों रुपए खर्च करने पड़े रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, किसानों का कहना है कि उन्होंने 25 साल की खेती में इस तरह का गंभीर संकट बेहद कम देखा है। रात में चूहों की आवाजें छत, दीवारों और एयर कंडीशनिंग यूनिट तक में आती हैं। सड़े शव की तरह उनकी बदबू महसूस होती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि बीते साल रिकॉर्ड पैदावार हुई थी, जो इस संकट का सबसे बड़ा कारण है। अच्छी फसल होती है, तो खेतों में बड़ी मात्रा में अनाज फैल जाता है। यह चूहों के लिए भरपूर भोजन का काम करता है। फिर गर्मियों में होने वाली बारिश ने हरी घास और नई वनस्पति उगा दी। इससे चूहों को भोजन के और ज्यादा सोर्स मिल गए। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि इस बार चूहों को अनाज के साथ ही ताजी हरियाली भी मिल गई। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि चूहों को सिर्फ खाना नहीं, बल्कि उसके साथ सलाद भी मिल गया। उनके यह हालात स्वर्ग की तरह है।

हैरतअंगेज

स्तंभेश्वर महादेव मंदिर भारत के सबसे अनोखे धार्मिक स्थलों में

एक ऐसा शिव मंदिर, जिसे दिन में दो बार निगल लेता है समुद्र

गांधीनगर। भारत में एक अनोखा मंदिर है, जहां पहुंचने के लिए समय सबसे ज्यादा मायने रखता है। अगर आप गलत समय पर पहुंचे, तो मंदिर जाने वाली सड़क ही गायब हो जाती है। जी हां, यह हैरान करने वाला नजारा गुजरात के भरूच जिले के किनारे स्थित स्तंभेश्वर महादेव मंदिर का है। यह मंदिर अरब सागर के इतने करीब बना है कि ज्वार आने पर इसकी सड़क और आस-पास का पूरा इलाका पानी में डूब जाता है। जैसे ही पानी उतरता है, सबकुछ एक बार फिर से उभरकर सामने आ जाता है। हर दिन कुछ घंटों के लिए मंदिर सहित आसपास का पूरा इलाका पानी के अंदर लगभग पूरी तरह समा जाता है और फिर वापस आया आ जाता है। यही वजह है कि स्तंभेश्वर महादेव मंदिर भारत के सबसे अनोखे धार्मिक स्थलों में गिना जाता है। गुजरात टूरिज्म के अनुसार, यह मंदिर कवि कम्बोई गांव के पास समुद्र के अंदर लगभग डेढ़ किलोमीटर दूर बना है।

भगवान शिव और दैत्य तारकासुर से जुड़ा है यह मंदिर

मान्यता है कि यह स्थान भगवान शिव और दैत्य तारकासुर की कथा से जुड़ा है। हालांकि, समुद्र के नमक और पानी से यहां बार-बार टूट-फूट होती है, तब भी सदियों से इसकी मरम्मत और पुनर्निर्माण होता रहा है। इतना ही नहीं, खंभात की खाड़ी में पानी का स्तर बहुत तेजी से बढ़ता है। यहां की फनल के आकार की ज्योग्राफी पानी को इतना बढ़ा देती है कि कुछ ही घंटों में नजारा पूरा बदल जाता है। एक तस्वीर में लोग शांति से मंदिर जाते दिखते हैं, दूसरी में वही जगह पूरी तरह समुद्र होता है।

समय में हुई चूक, तो हो गई बड़ी गड़बड़

जब समुद्र का पानी उतरता है तो भक्त और पर्यटक इस रास्ते से चलकर मंदिर तक पहुंचते हैं। लेकिन, जैसे-जैसे पानी चढ़ता है, यही रास्ता, मंदिर का चबूतरा और फिर पूरा ढांचा धीरे-धीरे समुद्र में डूबने लगता है। जब पूरी तरह ज्वार आ जाता है, तब सिर्फ पानी ही पानी दिखता है। उस वक्त का नजारा देखकर कोई कह ही नहीं सकता है कि यहां कोई मंदिर भी होगा. स्थानीय लोग पीढ़ियों से यह चमत्कार देखते आ रहे हैं।

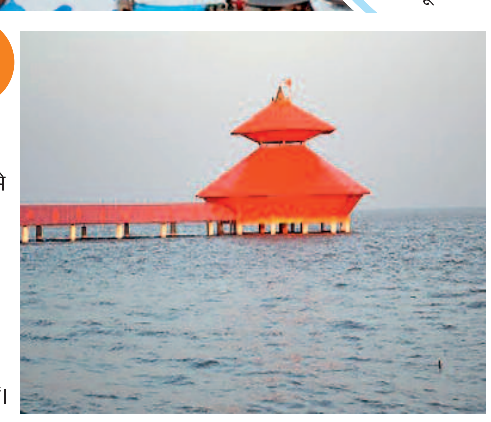

टूरिस्ट अट्रैक्शन बना यह अनोखा मंदिर

सोशल मीडिया पर इसके गायब होने के वीडियोज खूब वायरल होते हैं। गुजरात सरकार भी इसकी अनोखी प्राकृतिक घटना और धार्मिक आस्था के संगम को बढ़ावा दे रही है। लेकिन, सबसे खास बात यह है कि यहां कोई बड़े-बड़े गेट या शहरी अजीबो-गरीब ढांचे नहीं हैं। बस लोग किनारे चुपचाप बैठते हैं, समुद्र को बढ़ते और घटते देखते हैं। यहां पूरी तरह प्रकृति ही मालिक है।

चीन में बच्चों के लिए एआई की किताबें

बीजिंग। एक महिला के लिए कॉफी पीने का साधारण सा पल एक दिलचस्प अनुभव बन गया, जब उसे चीन की लाइब्रेरी में बच्चों की ऐसी किताबें मिलीं, जिनमें क्वांटम फिजिक्स, जनरेटिव एआई, मशीन लर्निंग और रॉकेट साइंस जैसे मुश्किल विषय समझाए गए थे। उन्होंने बताया कि वह कॉफी लेने के लिए एक कैफे में रुकी थीं। ऑर्डर का इंतजार करते हुए उनकी नजर बच्चों की किताबों वाली एक रैक पर गई। वह खुद बच्चों के लिए इस तरह की किताबें देखकर हैरान रह गई।

महिला देखकर रह गई हैरान: एले ने अपनी वीडियो में कई किताबें दिखाईं, जिनमें क्वांटम एंटेंगलमेंट, जनरेटिव AI, इलेक्ट्रोमैगनेटिज्म, रॉकेट साइंस और जनरल रिलेटिविटी जैसे विषय शामिल थे। उन्होंने बताया कि उन्हें क्वांटम एंटैंगलमेंट और जनरल रिलेटिविटी फॉर बेबीज जैसी किताबें मिलीं, जिन्हें देखकर वह काफी हैरान और प्रभावित हुईं। जब एले ने और किताबें देखीं, तो उन्हें साइंस और टैक से जुड़ी कई और किताबें भी मिलीं। उन्होंने बताया कि वहां न्यूटन के नियम, क्वांटम फिजिक्स और मशीन लर्निंग पर भी किताबें थी। खास बात यह थी कि एक मशीन लर्निंग वाली किताब में डेटा प्रोसेसिंग, डेटा क्लीनिंग और मॉडल ट्रेनिंग जैसी मुश्किल चीजों को बच्चों के लिए बहुत आसान तरीके से समझाया गया था। एले को इतने कठिन विषयों को आसान बनाकर पेश करना बहुत अच्छा लगा। वीडियो शेयर करते हुए एले ने कैप्शन में लिखा कि चीन शायद आने वाली पीढ़ी को टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट बनाने की तैयारी कर रहा है।

कोरोना-इबोला का खेल खत्म! आ गई एआई से बनी पहली वैक्सीन

लंदन। मौजूदा समय पूरी दुनिया में जिस तरह से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने बहुत तेजी से दुनिया के हर क्षेत्र में अपना विस्तार किया है। मेडिकल क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहा है। मेडिकल क्षेत्र में क्रांति का बिगुल फूंकते हुए अब एआई ने दुनिया की पहली वैक्सीन भी विकसित कर दी है। ये कोई साधारण वैक्सीन नहीं है। ये एक यूनिवर्सल वैक्सीन है जिसका उपयोग हम कोरोना संक्रमण को रोकने से लेकर कई बीमारियों के लिए करेंगे।

अभी शुरुआती चरण में है ये रिसर्च

इस वैक्सीन का परीक्षण इंसानों पर भी किया गया है। ये कोरोना वायरस के सभी वैरिएंट से सुरक्षा के लिए तैयार किया गया था। इसके साथ ही यह वैक्सीन उन वायरस पर भी असरदार है, जिनसे भविष्य में महामारी की आशंका हो सकती है। ये रिसर्च अभी शुरुआती चरण में है, लेकिन टीम अलग-अलग वैक्सीन विकसित करने में जुटी है। इन वैक्सीन से फ्लू और इबोला के संक्रमण को रोका जा सकता है।

अपडेट वायरस से भी ये वैक्सीन सुरक्षा देगी

कुछ वायरस जो आए दिन अपने नए प्रतिरूपों के साथ हमला करते हैं ये वैक्सीन उसके मद्देनजर भी तैयार की जा रही है। जैसे कोविड का वायरस लगातार अलग-अलग वैरिएंट्स में हमलावर हुआ था तो अब एआई से विकसित की जा रही इस वैक्सीन में इस बात का पूरा ध्यान रखा गया है कि वो कैसे अपना काम करेगी. यही वजह है कि कोविड और फ्लू के टीकों को नियमित रूप से अपडेट करना आवश्यक हो गया है। सामान्यतः वैक्सीन किसी वायरस के मौजूदा स्ट्रेन का उपयोग करके तैयार की जाती है।

अब तक 39 लोगों पर हुआ परीक्षण

अब तक इस वैक्सीन का 39 इंसानों पर परीक्षण किया जा चुका है। जर्नल आफ इंफेक्शन में छपे एक विस्तार पूर्वक लेख में कहा गया है कि इम्यून सिस्टम (प्रतिरक्षा प्रणाली) पर इसका प्रभाव 'मामूली' था। उसके बावजूद यह उत्साहजनक है। आने वाले समय में इस वैक्सीन को लगभग 200 इंसानों पर रिसर्च किया जाएगा जिसके बाद इस रिसर्च से ये ज्यादा बेहतर ढंग से समझा जा सकेगा कि यह इम्यून सिस्टम को कितना प्रभावी ढंग से प्रशिक्षित कर रहा है?

इस वैक्सीन की परिकल्पना किसने और क्यों की : इस वैक्सीन की परिकल्पना कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर जोनाथन हीनी ने इस वैक्सीन के बारे में जानकारी देते हुए मीडिया को बताया कि ये वैक्सीन एआई ने डिजाइन की है। इसके किसी एंटीजन का परीक्षण पहली बार इंसानों पर किया जा रहा है। हीनी ने बताया कि वो ऐसे टीके बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

बीकानेर के तालाब से निकलीं मिस्र की रहस्यमयी मूर्तियां

बीकानेर। राजस्थान के बीकानेर जिले से एक बेहद हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां के एक गांव में तालाब की सफाई के दौरान मिट्टी के नीचे दबी हुई कुछ ऐसी प्राचीन मूर्तियां मिली हैं, जिसने पुरातत्वविदों से लेकर आम जनता तक सबको चौंका दिया है। बीकानेर के तोलियासर गांव में हर साल की तरह इस बार भी आगामी मानसून और बरसात के मौसम से पहले तालाब की सफाई और गाद हटाने का अभियान चलाया जा रहा था। इस नियमित सफाई अभियान के दौरान ग्रामीणों के हाथ कुछ ऐसी रहस्यमयी वस्तुएं लगीं, जिसने पूरे क्षेत्र में कौतूहल, उत्सुकता और गहरी चर्चा का माहौल बना दिया है।

स्फिंक्स और बिल्ली के मुख वाली देवी बेस्टेट का रहस्य

इंटरनेट से जुटाई गई शुरुआती जानकारियों के मुताबिक, तालाब से मिलीं दो प्रतिमाओं में से एक मूर्ति प्रसिद्ध 'स्फिंक्स' जैसी दिखाई देती है। प्राचीन मिस्र की पौराणिक कथाओं में स्फिंक्स को सूर्य देवता का एक शक्तिशाली प्रतीक माना जाता था, जो राजाओं की दैवीय शक्ति और सुरक्षा का प्रतिनिधित्व करता था। मिस्र का विश्व प्रसिद्ध 'द स्फिंक्स ऑफ गीजा' करीब 4500 वर्ष पुराना है और आज भी पूरी दुनिया के लिए एक बड़ा रहस्य बना हुआ है। वहीं, तालाब से मिली दूसरी मूर्ति को मिस्र की प्राचीन देवी 'बेस्टेट' का स्वरूप माना जा रहा है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com